ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जोशी ने भाजपा नेताओं के विभिन्न समूहों द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन के विचार ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 18 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-318

नाइजीरिया पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत

नाइजीरिया के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

अबुजा (नाइजीरिया), 17 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाइजीरिया के सर्वोच्च सम्मान द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर (जीसीओएन) से सम्मानित किया गया। यह किसी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया जाने वाला 17वां अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार है। पीएम मोदी नाइजीरिया का यह सर्वोच्च सम्मान पाने वाले विश्व की दूसरी बड़ी हस्ती हुए। इससे पहले महारानी एलिजाबेथ को 1969 में इस पुरस्कार से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि डोमिनिका ने भी प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की थी। कोरोना महामारी के दौरान कैरेबियाई द्वीप राष्ट्र की मदद और दोनों देशों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के प्रति समर्पण के लिए पीएम मोदी को यह सम्मान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 साल के अंतराल के बाद भारतीय प्रधानमंत्री के बतौर नाइजीरिया यात्रा पर रविवार को सुबह अबुजा पहुंचे। पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया और उन्हें सम्मान स्वरूप अबुजा शहर की चाभी भेंट की गई। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने अबुजा एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। नाइजीरिया

ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर से सम्मानित

एलिजाबेथ के बाद मोदी यह सम्मान पाने वाले दूसरे शख्स

राष्ट्रपति टीनूबू और पीएम मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक

नाइजीरिया भारत का पुराना रणनीतिक साझीदार है: मोदी

सरकार के मंत्री ने पीएम मोदी को सम्मान स्वरूप अबुजा शहर की चाबी भेंट की। यह चाबी नाइजीरिया के लोगों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति दिखाए गए सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू के साथ द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आज की हमारी बातचीत से हमारे संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ेगा। हम मिलकर वैश्विक स्तर पर ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को उजागर करेंगे और अपने संयुक्त प्रयासों से हमें सफलता मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ अपनी वार्ता के दौरान कहा कि भारत नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देता है और वह रक्षा, ऊर्जा और व्यापार समेत कई क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ाने की दिशा में काम करेगा। अबुजा में बैठक के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद, समुद्री डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी को प्रमुख चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया और कहा कि दोनों देश इनसे निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम नाइजीरिया के साथ अपनी रणनीतिक ▶10पर

अमित शाह ने महाराष्ट्र की चारों रैलियां रद्द कीं

मणिपुर के बिगड़े हालात तो शाह लौटे दिल्ली

नागपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की महाराष्ट्र में रविवार को प्रस्तावित चार चुनावी रैलियां अचानक रद्द कर दी गईं। इन रैलियों के लिए अमित शाह शनिवार शाम को नागपुर पहुंचे थे। अचानक रैलियां रद्द होने के बाद अमित शाह तुरंत दिल्ली के लिए रवाना हो गए। ऐसी संभावना है कि मणिपुर के बिगड़ते हालात को देखते हुए गृह मंत्री ने अपनी रैलियां रद्द की हों या विदेश दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को इसका निर्देश दिया हो। हालांकि केंद्र सरकार या भाजपा आलाकमान ने इस बारे में कोई आधिकारिक वजह अब तक नहीं बताई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की विदर्भ के वर्धा, सावनेर, काटोल और गढ़चिरौली में रविवार को कुल चार चुनावी सभाएं होने वाली थीं। इन सभाओं के लिए अमित शाह 16 नवंबर की शाम को नागपुर पहुंचे। होटल रैडिसन ब्लू में उन्होंने अहम पदाधिकारियों और भाजपा के बड़े नेताओं से चर्चा की। इसके बाद

मणिपुर के हालात की अमित शाह ने की समीक्षा

वरिष्ठ पत्रकारों के साथ अमित शाह की मुलाकात हुई। रविवार सुबह अचानक इन सभी बैठकों को रद्द करने के बाद अमित शाह दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

अमित शाह के जल्दबाजी में दिल्ली जाने की वजह को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि मणिपुर में दोबारा भड़की हिंसा के चलते अमित शाह को दिल्ली लौटना पड़ा है। ▶10पर

एनपीपी ने एनडीए सरकार से समर्थन वापस लिया

इंफाल, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

मणिपुर में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। अनियंत्रित हिंसा के मद्देनजर एनपीपी ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। एनपीपी ने राज्य में जारी हिंसा को रोकने लिए सीएम एन बीरेन सिंह की कोशिशों पर सवाल भी खड़े किए हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को राज्य में लंबे समय से चल रही अशांति के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

नेशनल पीपुल्स पार्टी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे पत्र में लिखा, नेशनल पीपुल्स पार्टी मणिपुर राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करना चाहती है। पिछले कुछ दिनों में, हमने स्थिति को और बिगड़ते देखा है, जहाँ कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है और राज्य के लोग भारी पीड़ा से गुज़र रहे हैं। हमें दृढ़ता से लगता है कि सीएम बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर राज्य सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नेशनल पीपुल्स पार्टी ने मणिपुर राज्य में बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया है। ▶10पर

आम आदमी पार्टी में असंतोष और नाराजगी चरम पर

कैलाश गहलोत ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया

आपा की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ी

नयी दिल्ली 17 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने मंत्रिमंडल एवं आम आदमी पार्टी (आपा) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गहलोत ने इस संबंध में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को एक चिट्ठी भी लिखी है। उन्होंने पत्र में इस्तीफा देने की वजह लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं करना बताया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे को मंजूर कर लिया।

गहलोत ने पत्र में मुख्यमंत्री के तौर पर केजरीवाल के शीशमहल जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद ने सभी को संदेह में डाल दिया है। हममे यह सवाल उठने लगा है कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास आपा से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आम आदमी पार्टी (आपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां की बुनियादी समस्याओं को हल कर पाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल रही है और इसी वजह से आपा में असंतोष तथा आक्रोश का लावा फूटने लगा है। खंडेलवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और आपा का ईमानदारी और नैतिकता के ढोंग की सच्चाई पूरी तरह उजागर हो गई है। उन्होंने कहा, कैलाश गहलोत का इस्तीफा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष और आक्रोश का लावा है, क्योंकि दिल्ली की बुनियादी समस्याओं को हल करने में दिल्ली सरकार पूरी तरफ़ विफल साबित हुई है और दिल्ली के लोगों को नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया है, जिसकी ज़िम्मेदारी से श्री केजरीवाल और ▶10पर

जेपी नड्डा ने दिया खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट का हवाला

बांग्लादेशियों को सोरेन सरकार ने शरण दी

बोकारो, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड के बोकारो में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे अभी एक खुफिया रिपोर्ट मिली है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां मदरसों में पनाह दी जाती है। उनके आधार, मतदाता पहचान पत्र, गैस कनेक्शन और राशन कार्ड की सुविधा दी जाती है और फिर हेमंत सोरेन सरकार उनके लिए जमीन सुनिश्चित करती है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह ओबीसी के चैंपियन बनना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि राजीव गांधी फाउंडेशन और राष्ट्रीय सलाहकार समिति में कितने ओबीसी सदस्य हैं।

उन्होंने कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी मंत्री हैं। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ओबीसी, आदिवासियों और एससी को मुख्यधारा में ला रही है।

जेपी नड्डा ने बोकारो में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे अभी एक खुफिया रिपोर्ट मिली है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को यहां मदरसों में पनाह दी जाती है। उनके आधार, मतदाता पहचान पत्र, गैस कनेक्शन और राशन कार्ड की सुविधा दी जाती है और फिर हेमंत सोरेन सरकार उनके लिए जमीन सुनिश्चित करती है। जेपी नड्डा ने आगे कहा- हेमंत सोरेन ने झारखंड के जल, जंगल, जमीन को लूटा, यहां घुसपैठ बड़े पैमाने पर है। घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं और उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक कानून लाएंगे कि उनकी संतानों को जमीन से वंचित किया जाए।

बोकारो के गोमिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, केवल पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है। उन्होंने पूरे जेएमएम-आरजेडी-कांग्रेस को भ्रष्ट नेताओं का कुनबा करार दिया और कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता या तो जेल में हैं या जमानत पर हैं। ▶10पर

डीआरडीओ की एक और उपलब्धि

लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबी दूरी की पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह परीक्षण शनिवार को देर रात ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इस हाइपरसोनिक मिसाइल को सशस्त्र बलों के लिए 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर विभिन्न पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मिसाइल को विभिन्न डोमेन में तैनात विभिन्न रेंज प्रणालियों द्वारा ट्रैक किया गया था। उड़ान डेटा ने सफल टर्मिनल युद्धाभ्यास और उच्च सटीकता के साथ प्रभाव की पुष्टि की है।

इस मिसाइल को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद की प्रयोगशालाओं के साथ-साथ विभिन्न अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और उद्योग भागीदारों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। उड़ान-परीक्षण डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उड़ान-परीक्षण को ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, जिसने भारत को महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के समूह में डाल दिया है। उन्होंने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल मिशन में सक्रिय योगदान देने वाली डीआरडीओ की टीम को बधाई दी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,100/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,360/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 21°

पीएम मोदी ने की दि साबरमती रिपोर्ट की तारीफ

अब सच आ रहा सामने : मोदी

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

हाल में ही रिलीज हुई विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा है, अब सच सबके सामने आ रहा है। आखिरकार सत्य और तथ्य सामने आ ही जाते हैं। पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से आलोक भट्ट नाम के एक यूजर का एक्स पोस्ट रीपोस्ट किया है। इस पोस्ट में गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर भी इस्तेमाल किया गया है।

पीएम मोदी ने रीपोस्ट करते हुए लिखा है, ये अच्छी बात है कि अब ये सच सामने आ रहा है और वो भी एक ऐसे तरीके से जिससे आम लोग इस असलियत को देख सकें और जान सकें। एक फर्जी व्याख्या (फेक नैरेटिव) कुछ समय तक ही चल सकती है। आखिरकार तथ्य (फैक्ट्स) सामने आते ही हैं!

पीएम मोदी ने जिस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, उसमें फिल्म देखने की चार वजहें बताई गई हैं। इन वजहों के बारे

में बताते हुए यूजर ने लिखा है कि यह फिल्म उन 59 लोगों के लिए सही मायने में श्रद्धांजलि है जिन्होंने गोधरा कांड में अपनी जान गंवाई थी। यूजर ने फिल्म को एक सराहनीय प्रयास बताते हुए लिखा है कि फिल्म के जरिए सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक की सच्चाई सामने आई है। उन्होंन फिल्ममेकर्स की संवेद-नशीलता की भी तारीफ की। इसके जवाब में पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए शुरुआत में यह भी लिखा... वेल सेड।

विक्रांत मैसी की फिल्म 27 फरवरी 2002 को गोधरा में हुए अग्निकांड पर बनाया गया है। तब गुजरात के गोधरा में अयोध्या से वापस लौट रही साबरमती एक्सप्रेस में सवार कारसेवकों की बोगी में आग लगा दी गई थी। लोगों को इस भीषण आग से बाहर नहीं निकलने दिया गया। बाहर से दरवाजे बंद कर दिए गए थे। इस दिल दहला देने वाली घटना में महिलाओं और बच्चों समेत 59 लोगों की हृदय विदारक मौत हुई थी। इस घटना के एक दिन बाद 28 फरवरी से गुजरात में वीभत्स सांप्रदायिक दंगे हुए जिसमें करीब 1000 लोगों की जानें गई थीं। जब गोधरा कांड हुआ उस दौरान नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। फिल्म के डायरेक्टर धीरज सरना हैं। फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक ने मनाया गुरु गणेश का 145 वां जन्मोत्सव

श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक ने मनाया गुरु गणेश का 145 वां जन्मोत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक गजकेसरी गणेशलालमुनि ने दक्षिण भारत में जीवदया एवं गौरक्षा की प्रबल प्रेरणा का संचार किया। उनके आह्वान से जिनशासन प्रभावना के अनेक कार्य हुए। उन्होंने जन जन में सम्यक् ज्ञान एवं सच्ची श्रद्धा का आलोक प्रसारित किया। उपरोक्त विचार वीवीपुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित जन-जन की आस्था के केंद्र कर्नाटक गजकेसरी घोर तपस्वी गणेशलालमुनि की 145वीं जन्म जयंती समारोह में व्यक्त किए। समारोह में युग प्रधान आचार्य जयमल की 293वीं दीक्षा जयंती एवं दक्षिण केसरी मिश्रीमलमुनि की 31वीं पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में भी उनके गुणगान किये गए। श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य मधुकर मिश्रीमलमुनि की 41 वीं पुण्यतिथि के प्रसंग पर उनके 32 आगमों के हिंदी अनुवाद द्वारा जिनशासन में महान योगदान का भी उल्लेख किया गया। समारोह का शुभारंभ उप प्रवर्तक पंकजमुनि द्वारा पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण द्वारा किया गया। साध्वी डॉ समृद्धिश्री एवं डॉ जिज्ञासाश्री ने सुमधुर गुरु गुणगान गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी आगमश्री ने कहा कि यह जागने का समय है।

अब नहीं जागोगे तो कब जागोगे? साध्वी चैतन्यश्री ने कहा कि जब गुरु को सम्मान देते हैं तो जीवन में हर क्षेत्र में सफलता के शिखर पर पहुँचते हैं। गुरु नहीं तो जीवन शुरू नहीं। सद्गुरुनाथ गणेशलालमुनि ने दक्षिण भारत में उग्र विहार करके जन जन में चेतना का संचार किया। साध्वी धर्मप्रभा ने कहा कि गुरु गणेश का चतुर्विध संघ पर महान उपकार है। वर्तमान समय में जो कहीं भी बिखराव दिख रहा है उसे मिटाने के लिए महापुरुषों का पुनः इस धरती पर जन्म लेने और समाज को नई दिशा देने की प्रार्थना करते हैं। भीष्म प्रतिज्ञाधारी आचार्य जयमल में गौतम गणधर जैसा विनय, आचार्य सय्यंभवस्वामी जैसी दूरदृष्टि एवं जम्बूस्वामी जैसा वैराग्य था। उन्होंने 66 वर्षों की संयम पर्याय में 16 वर्षों तक एकान्तर एवं 20 मासक्षमण आदि अनेक सुदीर्घ साधनाएं की। तपस्वी साधक बसंतमुनि ने गुरु गणेश के महान साधनामय जीवन का उल्लेख किया। उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभा ने गुरु पुष्कर परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी और गुरु गणेश के गुणगान करते हुए कहा कि महापुरुषों का जीवन सभी के लिए आदर्श होता है। जन्म से न कोई संत होता है और न कोई बुरा। जैसे संस्कार मिलते हैं वैसा वह ढलता चला जाता है। अतः हमें विश्व में अधिक से अधिक सुसंस्कारों के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। साध्वी सुशीलाकंवर ने कहा कि गुरु गणेश के हृदय में अहिंसा प्रेम और जीवदया का सागर लहराता था। उनकी प्रेरणा से अनेकों गावों और नगरों में गोशालाएं प्रारंभ हुईं एवं अनेक सुकृत कार्य प्रारम्भ हुए। वरुणमुनि ने गुरु गणेश के आदर्शों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी और युवा वर्ग को आगे आकर जिनशासन सेवा कार्यों में अग्रणी रहने और जन जन तक अहिंसा के सन्देश पहुँचाने की प्रेरणा दी। श्री गुरु गणेश सेवा समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने समिति का परिचय देते हुए कहा कि वर्ष 2016 में गणेशबाग के प्रांगण में 38 श्रद्धालु भक्तों के साथ श्री गुरु गणेश सेवा समिति का गठन हुआ जो आज एक विशाल वटवृक्ष बन गया है। यह समिति चार वर्षो से लगातार अन्नदान महाप्रसादी के माध्यम से 4000 से 5000 लोगों को प्रत्येक अमावस्या पर जैन सात्विक भोजन परोस रही है। उन्होंने रत्नत्रय फाउंडेशन दिल्ली जो कि दिल्ली के चार अस्पताल में अन्नदान की सेवा संचालित कर रहे हैं, की ओर से श्री गुरु गणेश सेवा समिति बेंगलूरु को हॉस्पिटल्स में अन्न सेवा प्रदान करने हेतु डाइनिंग फिटिंग्स सहित एक नई वैन देने की घोषणा की, जिससे एक बार में 400 व्यक्तियों की अन्न सेवा की जा सकेगी। इस अवसर पर जन्मोत्सव समारोह के सम्पूर्ण लाभार्थी रणजीतमल, जितेंद्रकुमार, आगमकुमार कानूंगा का समिति के अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोककुमार कोठारी, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल ने माला शाल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर रणजीतमल कानूंगा को उनके समाज के लिए अतुलनीय योगदान के उपलक्ष्य में जिनशासन सेवा रत्न अलंकरण से विभूषित किया गया। कार्यक्रम के विशेष सहयोगी वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के महामंत्री महेंद्र मुणोत ने एकता का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति है। उन्होंने राजस्थान में संचालित शतकाधिक गोशालाओं को रायचंद छाजेड़ के नेतृत्व में समाज द्वारा सहयोग का उल्लेख किया। समारोह में नवकार ग्रुप द्वारा संचालित नवकार जाप कलश की बोली का लाभ पदमचंद आच्छा परिवार ने लिया।

विहार सेवा ग्रुप का सम्मान

एसएमएस विहार सेवा ग्रुप एवं जैन कांफ्रेंस विहार सेवा ग्रुप का सम्मान लाभार्थी ललितकुमार कानूंगा ने किया। अशोक नागोरी ने समिति द्वारा संचालित अन्नदान के मासिक सहयोग एवं सदस्यता से अधिकाधिक जुड़ने का निवेदन किया। इस अवसर पर समिति को अपनी समर्पित सेवाओं से आगे बढ़ने वाले दिवंगत सदस्यों समिति के पुरोधा स्व. विजयराज लूणिया को जिनशासन सेवा वीर , स्व. सुनील सांखला को जिनशासन सेवा गौरव, स्व. मोहनलाल डागा को जिनशासन सेवा शिरोमणि, स्व. गौतमचन्द्र मुणोत को जिनशासन सेवा निष्ठ एवं स्व. पदमचंद बगानी को जिनशासन सेवा वल्लभ के अलंकरण से अलंकृत किया गया और उनके परिजनों को यह अलंकरण पत्र भेंट किये गए। समारोह में बेंगलूरु महासंघ, जैन कॉन्फ्रेंस एवं विभिन्न संघों चामराजपेट, हनुमंतनगर, त्यागराजनगर, विजयनगर, विल्सनगार्डन, शांतिनगर, राजाजीनगर, यशवंतपुर, हीराबाग, गंगानगर, कम्मनहल्ली, मागड़ी रोड एवं अनेक संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे। समिति के कार्यकारिणी सदस्य प्रकाशचंद बाफना, अनिलकुमार बाफना, सुरेशचंद कातरेला, अनिलकुमार पोखरना, बाबूअन्ना, विनोद चोरड़िया, महावीर बोहरा, आशीष बाफना, रमेश चोपड़ा आदि की सराहनीय सेवाएं रही। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ स्वाध्यायी गौतमचंद ओस्तवाल ने किया।

निष्पक्षता की मिसाल पर रचना पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंजिल ग्रुप साहित्यिक मंच की दक्षिण भारत शाखा के तत्वावधान में शनिवार को गूगल मीट पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अपनी नहीं बल्कि अन्य की रचना का वाचन, पाठन, गायन करना था। मगसम दक्षिण भारत की राष्ट्रीय प्रभारी, मुख्य एडमिन वीणा मेदनी के संयोजन एवं संचालन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक चला। कार्यक्रम की अध्यक्षता मगसम के संरक्षक डॉक्टर सुनील परीट ने की।

बतौर मुख्य अतिथि संस्था के प्रबंधक कमल पुरोहित अपरिचित मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के जीबी पदाधिकारी रमेश चंद्र द्विवेदी उपस्थित रहे। संस्था की तरफ से विशेष उपस्थिति राष्ट्रीय संयोजक सुधीर सिंह सुधाकर की रही। गणेश वंदना, राष्ट्रीय गीत एवं विनीता लवानिया की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सर्व प्रथम सुधीर सिंह सुधाकर द्वारा सभा को संबोधित किया गया। उन्होंने कार्यक्रम और कार्यक्रम की निष्पक्षता के बारे में बताया। संस्था के उद्देश्यों को उजागर किया गया।

रचना पाठ में रमा बहेड, अनुराधा के, मधु दाहिमा, पुष्पा पांडे, विनीता लवानिया, कमल पुरोहित अपरिचित, डॉक्टर सुनील परीट , शिवालिक सिंह कुशवाहा, डॉक्टर शशि मंगल, रमेशचंद्र द्विवेदी, अंजनीकुमार सुधाकर, डॉ मंजु रूस्तगी, इरा जौहरी, डॉक्टर वत्सला, सरला विजय सिंह सरल, वीणा मेदनी, शोभा देशपांडे और विनय पाठक ने भाग लिया।

सभी रचनाओं पर श्रोताओं द्वारा अंक प्रदान किए गए। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर सुनील परीट ने कार्यक्रम को अद्भुत बताया। विशेष उपस्थिति चंदौली के संयोजक राम प्रसाद भैरव की रही।

सुनील शर्मा राष्ट्रीय प्रमुख एवं किशोर शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान के गोटन में रविवार को हुए शाकद्वीपीय वैचारिक संगम में देश के विभिन्न प्रान्तों से आये शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के सक्रिय व्यक्तियों और संगठनों के पचास से अधिक प्रतिनिधियों ने मिलकर एक राष्ट्रीय महासंघ का निर्माण किया और सर्वसम्मति से सुनील शर्मा बेंगलूरु को अपना राष्ट्रीय प्रमुख और किशोर शर्मा चेन्नई को राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। इस अवसर पर सभी ने सामूहिक रूप से एक साथ खड़े होकर सक्रियता, सकारात्मकता और नेतृत्वद्वय के प्रति आस्था बनाए रखने का संकल्प लिया। इस वैचारिक संगम के चर्चा सत्र में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज की विविधतापूर्ण भूत, वर्तमान, भविष्य के तमाम विषयों पर चर्चा हुई।

समापन के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा कुवेरा ने कहा कि देश के तमाम शाकद्वीपीय सम्पत्तियों की सुरक्षा संरक्षण और विकास उनका पहला कदम होगा। सुनील शर्मा द्वारा नवगठित संस्था के विकास और संचालन के लिए 11 लाख की राशि देने की घोषणा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा ने 1 लाख 11 हजार, अजमेर की स्वजातीय मंडली ने 51 हजार और विजयनगर स्वजातीय मंडली ने 51 हजार देने की घोषणा की। आने वाले दिनों में इस नवगठित संस्था के स्वरूप और कार्यक्रम तय कर उन्हें प्रांतीय और क्षेत्रीय स्तर पर अनवरत और अभिनव रूप से ले जाया जायेगा। इस अवसर पर सोमकान्त शर्मा जयपुर, आर.के.शर्मा बीकानेर, शेखर आचार्य उड़ीसा, राजेन्द्र पाठक औरंगाबाद (बिहार), प्रकाश मिश्र पटना, शिव शर्मा एवं ललित शर्मा महाराष्ट्र सहित सम्पूर्ण भारत से कई गणमान्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में आचार्य श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी के मार्गदर्शन एवं गच्छाधिपति विज्ञानप्रभसूरीजी एवं साध्वीजी भगवंतों की पावन निश्रा में श्री आदिनाथ जैन संघ द्वारा संचालित श्री आदिनाथ अर्हम महिला कन्या परिवार, एएएमके परिवार के प्रथम वर्षगाँठ के उपलक्ष में 18 अभिषेक कराया गया। विजय लब्धि सूरी जैन संगीत मंडल ने भक्ति के गीतों से समा बाँधा। रोहित गुरु ने विधि विधान से अभिषेक कराया। सेवा दे रही बालिकाओं का संघ द्वारा बहुमान किया गया। संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्ववेंद कथामृत के प्रवर्तक संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में विश्व व्यापी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसी के तहत बेंगलूरु के राजराजेश्वरी नगर स्थित महेश्वरी हॉस्टल में सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान एवं माहेश्वरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। एकत्रित रक्त का संग्रहण टिटिके ब्लड बैंक ने किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। संस्थान के पदाधिकारियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बीकानेर जैन परिषद की साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीकानेर जैन परिषद बेंगलूरु की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अर्हम भवन, विजयनगर में किया गया। सर्वप्रथम सामूहिक नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कमलेश चोपडा ने गत वर्ष के कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी एवं लेखा सदन के समक्ष प्रस्तुत की। सदन द्वारा उनको गत वर्ष के स्नेह मिलन के कार्यक्रम हेतु संयोजक बनाये जाने पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही बीकानेर जैन परिषद् के संस्था के रूप में रजिस्ट्रेशन एवं बैंक अकाउंट सम्बंधित जानकारी दी। विकास बाँठिया द्वारा अब तक बने रजिस्टर्ड सदस्यों की जानकारी सदन के समस्त प्रस्तुत की। साथ ही आगे के लिए और सदस्य बनाने हेतु अपील की। सदन द्वारा गत एक वर्ष के दौरान दिवंगत बीकानेर जैन परिषद् के पारिवारिकजनों एवं चारित्रआत्माओं के देवलोकगमन पर उनकी आत्मा की शान्ति हेतु एक लोगस्स का पाठ किया गया। तत्पश्चात बैठक को आगे बढ़ाते हुए आगामी स्नेह मिलन कार्यक्रम हेतु प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए श्रेयांस गोलछा को संयोजक के रूप में नियुक्त किया गया। सम्पूर्ण सदन ने श्रेयांस को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। दीर्घकालीन सोच को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण सदन द्वारा अध्यक्षीय प्रणाली पर विचार विमर्श करते हुए ध्वनिमत से विनोद पारख को आगामी 2 वर्ष के लिए अध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष एवं स्नेह मिलन संयोजक का जैन पट्ट से सम्मान किया गया। सदन द्वारा पारस्परिक परिचय एवं परिषद् हित में प्राप्त सुझावों को समाहित करने के पश्चात दीपक भूरा ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन विकास बाँठिया ने किया।

पात्र लाभार्थियों के बीपीएल कार्ड रद्द करने के आरोपों से इनकार

बीपीएल कार्ड लाभार्थियों के पूल से अपात्र व्यक्तियों को छांटने के लिए उठाए जा रहे कदम: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को उन आरोपों से इनकार किया कि राज्य सरकार ने पात्र लाभार्थियों के गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड रद्द करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने रविवार को बागलकोट में संवाददाताओं से कहा हम बीपीएल कार्ड लाभार्थियों के पूल से अपात्र व्यक्तियों को छांटने के लिए कदम उठा रहे हैं। इस कदम से पात्र लाभार्थियों को सभी लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हमने पाया है कि कई सरकारी कर्मचारियों और करदाताओं ने बीपीएल कार्ड प्राप्त किए हैं और कई अपीलों के बावजूद उन्हें वापस नहीं किया है। सरकार ने कर्नाटक में 14 लाख बीपीएल कार्ड को अपात्र पाया, उन्हें हटाने का काम शुरू किया है। उन्होंने कहा खाद्य विभाग सभी अपात्र व्यक्तियों से कार्ड वापस करने या उन्हें रद्द करने का आग्रह करने के प्रस्ताव की जांच कर रहा है। लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार ने बीपीएल कार्ड रद्द करने के आदेश जारी किए हैं, तो सीएम ने कहा कि सवाल गलत है। उन्होंने कहा बीपीएल कार्ड रद्द करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। कौन उन कार्डों को रद्द कर सकता है। हम केवल यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि केवल पात्र लाभार्थियों को ही लाभ मिले। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपात्र व्यक्तियों के बीपीएल कार्ड रद्द करने के लिए कदम उठाए जाएंगे, लेकिन पात्र लाभार्थियों के कार्ड बने रहेंगे। हमारी एकमात्र चिंता यह है कि पात्र लोगों को लाभ से वंचित न किया जाए और अयोग्य लोगों द्वारा सरकारी लाभों का दुरुपयोग न किया जाए। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बीपीएल कार्डधारकों को केरोसिन की आपूर्ति में कमी के खिलाफ थोक विक्रेताओं की याचिका खारिज कर दी। विपक्षी नेता आर. अशोक के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कि भाजपा को सरकारी ठेकों में 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों से मुक्त कर दिया गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष डी. केम्पन्ना की शिकायत के आधार पर जांच का आदेश दिया गया था। भाजपा ने दावा किया है कि लोकायुक्त ने इस मामले में बसवराज बोम्मई सरकार को क्लीन चिट दे दी है। कार्यकर्ताओं ने कर्नाटक सरकार से नए बीपीएल कार्ड जारी करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा जब किसी आरोपी को सबूतों के अभाव में रिहा कर दिया जाता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हत्या नहीं हुई है। इसका मतलब यह हो सकता है कि गवाहों ने अदालतों के सामने ठीक से गवाही नहीं दी। सिद्धरामैया ने कहा कि वह अपने इस आरोप पर कायम रहेंगे कि भाजपा ने 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये देकर खरीदने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा उन्होंने इस तरह के दलबदल की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

40 प्रतिशत कमीशन का आरोप कांग्रेस के टूल किट का हिस्सा

लोकायुक्त ने भाजपा सरकार को 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों से किया मुक्त : बीएस येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में भाजपा ने रविवार को दावा किया कि लोकायुक्त जांच ने पार्टी की पिछली सरकार को 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों से मुक्त कर दिया है, और कांग्रेस द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह साबित हो गया है कि 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप कांग्रेस के टूल किट का हिस्सा था। 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान, तत्कालीन विपक्षी कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार को घेरने के लिए कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप को एक प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था, जिसे चुनाव में भगवा पार्टी की हार का एक कारण माना जाता है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा यह साबित हो गया है कि भाजपा के खिलाफ लगाया गया 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप झूठा है। हम इससे बाहर आ चुके हैं।

कांग्रेस ने (तत्कालीन) राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष केम्पन्ना और उपाध्यक्ष को अपने टूल किट के रूप में इस्तेमाल करते हुए आरोप लगाया था कि सरकार 40 प्रतिशत कमीशन ले रही है। इसके आधार पर मामला दर्ज किया गया और

अब सच्चाई सामने आ गई है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ठेकेदार (आर अंबिकापति), जिन्होंने तत्कालीन सरकार के खिलाफ आरोप लगाए थे और कमीशन देने का दावा किया था, वास्तव में उन्होंने छह साल तक ठेकेदार के रूप में काम ही नहीं किया था। उन्होंने आरोप लगाया इसलिए यह ठेकेदार और अन्य बेरोजगार ठेकेदार कांग्रेस के टूल किट का हिस्सा बन गए और बसवराज बोम्मई सरकार के खिलाफ आरोप लगाए और हमें 40 प्रतिशत सरकार कहा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमसे आरोपों के बारे में पूछा, आज वे खुश हैं कि यह फर्जी था और कांग्रेस और सिद्धरामैया (तत्कालीन विपक्ष के नेता) का टूल किट था। कांग्रेस सरकार द्वारा सत्ता में आने के बाद पिछले सोलह महीनों में आरोपों को साबित नहीं कर पाने की ओर इशारा करते हुए अशोक ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय में दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, जहां मामला चल रहा है। अब लोकायुक्त ने यह कहते हुए क्लीन चिट दे दी है कि जब किसी ने छह साल तक ठेकेदार के रूप में काम नहीं किया है, तो कमीशन देने का सवाल ही कहां है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली मौजूदा कांग्रेस सरकार 60 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार है और कहा हमने अपने आरोपों के लिए सबूत दिए हैं, लेकिन उन्होंने (कांग्रेस ने) तब सबूत नहीं दिए थे, जब उन्होंने भाजपा के खिलाफ आरोप लगाए थे।

वक्फ बोर्ड मामला

जोशी ने भाजपा नेताओं के विभिन्न समूहों द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन के विचार की निंदा की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने एक ही मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विभिन्न नेताओं द्वारा कई विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के विचार की निंदा की। यहां रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा यह अच्छा विचार नहीं है कि कुछ भाजपा नेता राज्य इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और उनके द्वारा चुनी गई टीम द्वारा पसंद किए गए विरोध के मॉड्यूल से असहमत हैं। यह एक बुरा संदेश भेजता है। वह बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली जैसे नेताओं के बयानों का जवाब दे रहे थे कि वे वक्फ मुद्दे से लड़ने के लिए एक अलग टीम बनाएंगे और विजयेंद्र द्वारा गठित टीमों में शामिल नहीं होंगे। हमें सत्तारूढ़ कांग्रेस और उसकी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण नीतियों के खिलाफ लड़ने की जरूरत है। मैं बसनगौड़ा पाटिल यतनाल सहित नेताओं से वक्फ मुद्दे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की योजना को छोड़ने की अपील करता हूं। मैं उनसे इस मुद्दे के खिलाफ एक संयुक्त विरोध की योजना बनाने के लिए बात करूंगा। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार हिंदू विरोधी है। हम सभी को एकजुट होकर इसके खिलाफ लड़ना होगा। उन्होंने सीएम सिद्धरामैया के उन आरोपों का खंडन किया कि भाजपा सत्ता में आने के लिए खरीद-फरोख्त का प्रयास कर रही है। सिद्धारमैया को अपने पद का महत्व समझना चाहिए और जिम्मेदारी से बयान देना चाहिए। उन्हें सिर्फ राजनीति

के लिए सनसनीखेज बयान नहीं देने चाहिए। उनका यह आरोप लगाने का क्या मतलब है कि भाजपा कांग्रेस विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है? क्या वे भेड़, बकरी या गधे हैं जिन्हें खरीदा और बेचा जा सकता है? क्या किसी कांग्रेस विधायक ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा के किसी व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया है? क्या सीएम को कोई समझ है जब वे कहते हैं कि भाजपा 50 विधायकों को खरीदने के लिए 50 करोड़ खर्च करने को तैयार है? क्या उन्हें एहसास है कि यह लगभग 2,500 करोड़ है? क्या किसी ने किसी एजेंट का नाम बताया है जिसने विधायक को खरीदने के लिए 50 करोड़ की पेशकश की हो? ऐसे आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं।

रिश्वत के आरोप के स्रोत का खुलासा करें

इससे पहले कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उनका दावा है कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। हालांकि, अब भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता को चुनौती दी है कि वह अपने दावों को साबित करें।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चुनौती दी कि वह अपने आरोप के स्रोत का खुलासा करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का अपने ही विधायकों पर से विश्वास उठ गया है और इसलिए वह झूठे आरोप लगा रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री अपने दावे को सिद्ध करने में नाकाम रहे तो लोग उन्हें कभी गंभीरता से नहीं लेने वाले।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए भी इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, जिससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। आपकी अपनी सरकार है और आपकी अपनी जांच एजेंसियां हैं। इसलिए यह आपकी नैतिक जिम्मेदारी है कि आप लोगों को 50 करोड़ रुपये के रिश्वत के आरोप के स्रोत का खुलासा करें। अन्यथा आपका बयान बचकाने राजनीतिक बयान से ज्यादा कुछ नहीं रह जाएगा।

रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में तीन महिलाएं डूबीं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु के उल्लाल पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित एक रिसॉर्ट के स्विमिंग पूल में रविवार को तीन महिलाएं डूब गईं।

शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि यह घटना सोमेश्वरा गांव के बट्टापडी क्रॉस रोड, पेरीबेल में स्थित वाजको रिसॉर्ट में सुबह 10:05 बजे हुई। मृतकों की पहचान मैसूरु के विजयनगर के हेब्बल सेकंड स्टेज के देवराज मोहल्ला की कीर्तना एन (21), मैसूरु के कुरीबराहल्ली के चौथे क्रॉस की निशिता एमडी (21) और मैसूरु के केआर मोहल्ला के रामानुजा रोड की पार्वती एस (20) के रूप में हुई है।

यह हादसा रविवार सुबह उस समय हुआ जब वे स्विमिंग पूल में खेल रहे थे। वे शनिवार को रिसॉर्ट पहुंचे थे और रात भर वहीं रुके थे। रिसॉर्ट का मालिक मनोहर है और अभी तक औपचारिक रूप से मामला दर्ज नहीं किया गया है।

अवैध रेत खनन मामले में पांच नावें, मोटर जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खनन और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने गुरुपुरा फाल्गुनी नदी में अवैध रेत खनन अभियान पर छापा मारा। इस दौरान अधिकारियों ने पांच नावें, एक मोटर और एक गैस सिलेंडर जब्त किया। यह अभियान मेंगलूरु के सहायक आयुक्त हर्षवर्धन के मार्गदर्शन में चलाया गया। टीम में तहसीलदार प्रशांत पाटिल, खनन विभाग के भू-वैज्ञानिक गिरीशा और अन्य शामिल थे।

कर्नाटक में पीजी मेडिकल कोर्स के लिए आज से शुरू होगी काउंसलिंग

500 अतिरिक्त सीटें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल कोर्स में दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी और इस साल 500 अतिरिक्त सीटें जोड़ी गई हैं। इसके अलावा, चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निजी कॉलेजों में पीजी मेडिकल सीटों के लिए फीस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इस साल की शुरुआत में, राज्य सरकार ने स्नातक मेडिकल सीटों के लिए 10 प्रतिशत फीस बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी थी। कर्नाटक डीम्ड-

टू-बी मेडिकल यूनिवर्सिटी में 25 प्रतिशत सरकारी कोटे की सीटों पर जोर दे रहा है। इसके अनुसार, निजी मेडिकल कॉलेजों में सरकारी कोटे की सीटों के लिए फीस 2024-25 में 6,98,280 से बढ़ाकर 7,68,108 कर दी जाएगी। इसी तरह, निजी कोटे की सीटों के लिए फीस 12,48,176 से बढ़कर 13,72,997 हो जाएगी। 500 सीटें जुड़ने के साथ ही इस साल राज्य में कुल 6,310 सीटें उपलब्ध होंगी, जिनमें 2,428 अखिल भारतीय कोटा सीटें, 1,822 राज्य कोटा, 1,266 निजी कोटा और 794 अन्य कोटा सीटें शामिल हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 335 डॉक्टरों को अनिवार्य सरकारी सेवा के लिए काउंसलिंग में भाग लेने से अस्थायी राहत दी। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की निदेशक डॉ. बी.एल. सुजाता राठौड़ ने बताया कि राज्य के कई मेडिकल कॉलेजों के अनुरोध पर, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने का आदेश जारी किया है।

इसलिए, इस वर्ष राज्य के लिए लगभग 500 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हैं। इसके अलावा, स्नातक मेडिकल सीटों के लिए शुल्क में वृद्धि के संदर्भ में निजी मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों के लिए 10 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाने के लिए निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ एक आम सहमति बनाई गई है।

भाजपा वक्फ मुद्दे को सियासी हथियार के रूप में कर रही इस्तेमाल: गृह मंत्री

सांप्रदायिक अशांति फैलाने की कोशिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह वक्फ के मुद्दे का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति व्यवस्था बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा। परमेश्वर की यह टिप्पणी तब सामने आई है जब भाजपा आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज करने वाली है। पार्टी ने इस मुद्दे पर तीन विशेष टीमों का गठन किया है, जो जिलों का दौरा करेंगी और वक्फ नोटिस प्रभावितों से मुलाकात करेंगी। वहीं, उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी भाजपा पर आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे के जरिए सांप्रदायिक अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है। राज्य के गृह मंत्री परमेश्वर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, भाजपा इसे (वक्फ मुद्दे) सियासी हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ लोग सांप्रदायिक दंगे भड़काने की कोशिश कर सकते हैं और शांति व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हमारा आरोप यह है कि वे अपनी यात्रा का इस्तेमाल इस काम के लिए कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि भविष्य में क्या होगा, इस पर कुछ भी कहना अभी मुश्किल है। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस इस बात से डर रही है कि भाजपा राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने की कोशिश कर सकती है और इससे राष्ट्रपति शासन का रास्ता खुल सकता है, तो गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा यह संभव नहीं है।

राज्य पुलिस विभाग ने पूरी क्षमता से शांति बनाए रखी है। कुछ घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन आम तौर पर हम शांति बनाए रखने में सफल रहे हैं।

कर्नाटक के किसानों और अन्य लोगों ने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। इस मुद्दे पर बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को जारी सभी नोटिस को रद्द किया जाए और बिना उचित सूचना के संपत्ति दस्तावेज में किए गए बदलावों को भी रद्द किया जाए। भाजपा की ओर से यह दावा किए जाने पर कि लोकायुक्त की जांच ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर 40 फीसदी कमीशन के झूठे आरोप लगाए थे, कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें इस दावे के आधार के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा यह कहना गलत है कि कांग्रेस केवल 40 फीसदी कमीशन के आरोपों की वजह से सत्ता में आई। कांग्रेस ने 40 फीसदी कमीशन के अलावा भी कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया था, जैसे गारंटी योजनाएं व जनता से जुड़े अन्य मामले।

इससे पहले कर्नाटक भाजपा ने राज्य भर में भूमि अभिलेखों में अधिकारियों द्वारा किसानों और धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों को वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज करने के विवाद पर जानकारी जुटाने के लिए तीन तथ्यान्वेषी दल गठित किए हैं।

टीम को हमारी भूमि, हमारा अधिकार का नारा दिया गया है। टीम के सदस्य राज्य के निर्धारित जिलों का दौरा करेंगे और भूमि अभिलेखों में वक्फ बोर्ड से संबंधित संपत्तियों के नाम दर्ज करने के बारे में जानकारी जुटाएंगे। पहली टीम में केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर, पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली समेत अन्य शामिल हैं। टीम बीदर, कलबुर्गी, यादगीर, रायचूर, कोप्पल, गदग, विजयपुरा और बागलकोट जिलों का दौरा करेगी। दूसरी टीम में विपक्ष के नेता आर. अशोक, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई, वरिष्ठ भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और अन्य शामिल हैं। यह टीम चामराजनगर, मैसूरु, मांड्या, हासन, कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, चिक्कमगलूरु, शिवमोग्गा और उत्तर कन्नड़ जिलों का दौरा करेगी। तीसरी टीम में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि, और अन्य शामिल हैं। इस घटनाक्रम से राज्य में बहस छिड़ने की संभावना है।

हिट-एंड-रन मामला

ऑटो चालक की मौत के लिए कांग्रेस नेता का बेटा गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शिरवा पुलिस ने 13 नवंबर को सुबह करीब 5 बजे हुई हिट-एंड-रन घटना के सिलसिले में बेलापु से कांग्रेस नेता देवीप्रसाद शेट्टी के बेटे प्रज्वल शेट्टी को गिरफ्तार किया है, जिसमें ऑटो चालक मुहम्मद हुसैन की मौत हो गई थी। यह दुर्घटना उडुपी जिले के कौप तालुक के बेलापु के मिलिट्री कॉलोनी इलाके में हुई।

रिपोर्ट के अनुसार, हुसैन उस सुबह अपने दोपहिया वाहन से पुंचलकाडु से बेलापु जा रहे थे। जैसे ही वे मारिया बेकरी के पास पहुंचे, तेज गति और लापरवाही से चल रहे एक अज्ञात वाहन ने उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

टक्कर से हुसैन के पैर, हाथ और सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें पहले अजरकाड के सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए मणिपाल के केएमसी अस्पताल में

स्थानांतरित कर दिया गया। वाहन का चालक घायलों की मदद किए बिना या पुलिस को घटना की सूचना दिए बिना ही मौके से भाग गया।

बाद में दुर्घटना की गंभीरता को दर्शाने वाले सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किए गए, जिससे जांच में मदद मिली। शिरवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। घटना के बाद से फरार चल रहे प्रज्वल शेट्टी को आखिरकार शिरवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

मुडा साइट आवंटन मामला

पूर्व आयुक्त डी बी नटेश को लोकायुक्त पुलिस का नोटिस

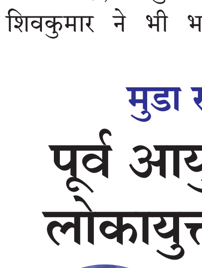

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ मुडा साइट आवंटन मामले में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व आयुक्त डी बी नटेश को नोटिस जारी किया। नोटिस भेज कर मंगलवार को विशेष अदालत में पेश होने को कहा गया। लोकायुक्त पुलिस 27 सितंबर को सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

मुडा घोटाला मामला : सीएम को अदालत ले जाने वाले कार्यकर्ता के खिलाफ एक और पुलिस शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक कांग्रेस प्रवक्ता एम लक्ष्मण ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई, जिसमें पुलिस से उन पर गुंडा अधिनियम लगाने और उन्हें निर्वासित करने की मांग की गई। मैसूरु के लक्ष्मीपुरम पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में लक्ष्मण ने आरोप लगाया कि स्नेहमयी कृष्णा एक गुंडा है और उसके खिलाफ 10 साल से 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है, जबकि स्नेहमयी कृष्णा प्रमुख हस्तियों को ब्लैकमेल करने में लिप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि उसकी धमकी के कारण एक महिला ने आत्महत्या कर ली है और उसके साथ संबंध होने का दावा करने वाले दो अजनबियों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से संबंधित मामले के संबंध में बड़ी फिरौती मांगी है। लक्ष्मण ने पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बदनाम करने के लिए स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस ने

उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस बीच, स्नेहमयी कृष्णा ने शनिवार को मैसूरु के पुलिस आयुक्त के समक्ष एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें झूठे आरोप लगाने और झूठी शिकायतें दर्ज कराने के लिए कांग्रेस नेता लक्ष्मण पर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि मुडा मामले में उनकी शिकायत के बाद, सिद्धरामैया ने अप्रत्यक्ष रूप से अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, और 60 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 14 साइटें वापस कर दी हैं। उन्होंने कहा सिद्धरामैया ने साइटें इसलिए नहीं लौटाईं क्योंकि मैं एक उपद्रवी व्यक्ति हूं, बल्कि यह मेरी कानूनी लड़ाई की वजह से है। अदालत ने कहा है कि मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता हूं और यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारियों ने नफरत से भरे हुए झूठे मामले दर्ज किए हैं। शनिवार को इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने उनके और उनके परिवार के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए इसकी आलोचना की। सिद्धरामैया कथित तौर पर सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा के खिलाफ धमकाने की रणनीति का सहारा ले रहे हैं, जो अदालत में लड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने अनुयायियों को झूठी शिकायतें दर्ज करने के लिए तैनात करके, वह कार्यकर्ता को चुप कराने का प्रयास कर रहे हैं। स्नेहमयी कृष्णा पर संपत्ति विवाद के सिलसिले में एक महिला को परेशान करने का भी आरोप लगाया गया है। उन्होंने आरोपों से इनकार करते हुए इसे अपनी भ्रष्टाचार विरोधी सक्रियता को दबाने का प्रयास बताया है।

कर्नाटक परिवहन विभाग 2025 की शुरुआत में

डीएल और आरसी के लिए क्यूआर कोड वाले स्मार्ट कार्ड करेगा पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनवरी या फरवरी 2025 की शुरुआत में, कर्नाटक परिवहन विभाग ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) के लिए चिप और क्यूआर कोड से लैस उन्नत स्मार्ट कार्ड लॉन्च करने के लिए तैयार है। वर्तमान में, डीएल और आरसी पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) कार्ड के रूप में जारी किए जाते हैं, जो कई वर्षों से उपयोग में हैं।

नए पेश किए गए स्मार्ट कार्ड एक महत्वपूर्ण सुधार को चिह्नित करेंगे, जिसमें उनकी स्थायित्व, उपयोग में आसानी और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई अत्याधुनिक तकनीक शामिल है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्यों ने पहले ही इसी तरह के स्मार्ट कार्ड सिस्टम को अपना लिया है। क्यूआर कोड और एम्बेडेड चिप से लैस स्मार्ट कार्ड बेहतर सुरक्षा सुविधाएँ और अधिक स्थायित्व प्रदान करेंगे। पारंपरिक पीवीसी कार्ड के विपरीत जो उपयोग के साथ खराब हो जाते हैं, नए कार्ड में लेजर-उत्कीर्णित अक्षर शामिल होंगे जो समय के साथ फीके और टूटने से बचाएंगे। नए कार्ड पॉलीकार्बोनेट (पीसी) सामग्री से बनाए जाएंगे, जो एक उच्च-श्रेणी की सामग्री है जो अपनी दीर्घायु और मजबूती के लिए जानी जाती है।

लेजर उत्कीर्णन तकनीक आवश्यक जानकारी के निर्बाध और छेड़छाड़-रहित भंडारण को सुनिश्चित करेगी। क्यूआर कोड को स्कैन करके, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों को कार्डधारक के प्राथमिक विवरण तक तुरंत पहुँच प्राप्त होगी, जिससे चेकपॉइंट, परिवहन विभाग के कार्यालयों या पुलिस स्टेशनों पर शारीरिक जाँच की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। अधिकारी ने कहा क्यूआर कोड को स्कैन करने से आवश्यक विवरणों तक त्वरित पहुँच प्राप्त होगी, जिससे ट्रैफिक अपराधों, दुर्घटनाओं या ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्रों की चोरी से जुड़ी स्थितियों में प्रक्रियाएँ सरल हो जाएँगी। क्यूआर कोड बुनियादी जानकारी प्रदान करता है, जबकि एक समर्पित चिप रीडर अधिकारियों द्वारा अधिकृत उपयोग के लिए अधिक व्यापक डेटा अनलॉक करेगा। स्मार्ट डीएल में धारक का नाम, फोटो, पता, वैधता अवधि, जन्म तिथि, रक्त समूह, मोबाइल नंबर और आपातकालीन संपर्क जानकारी जैसी जानकारी होगी। स्मार्ट आरसी सामने की तरफ पंजीकरण संख्या, पंजीकरण तिथि, वैधता अवधि, चेसिस और इंजन नंबर और मालिक के विवरण सहित आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करेगा। आरसी कार्ड के पीछे की तरफ एक क्यूआर कोड शामिल होगा जो वाहन के बारे में अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा, जैसे कि निर्माता, मॉडल, शैली, बैठने की क्षमता और संबंधित ऋण देने वाले संस्थान। अधिकारियों के अनुसार, कार्डों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से मुद्रित करने के बजाय बेंगलूरु में परिवहन आयुक्त के मुख्यालय में केंद्रीय रूप से मुद्रित किया जाएगा। केंद्रीकृत मुद्रण प्रणाली स्मार्ट कार्ड की गुणवत्ता को मानकीकृत करेगी, यह सुनिश्चित करेगी कि वे स्थायित्व और सुरक्षा के लिए समान विनिर्देशों को पूरा करते हैं। यह दृष्टिकोण उत्पादन प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित करेगा, देरी को कम करेगा, और पूरे राज्य में कुशल वितरण सुनिश्चित करेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए समय पर पहुँच संभव होगी और साथ ही रसद संबंधी चुनौतियों को कम किया जा सकेगा।

कर्नाटक सरकार ने केएसपीसीबी अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए नियमों में दी ढील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (केएसपीसीबी) के अध्यक्ष पद के लिए आवेदन मांगने वाले सरकार के नए विज्ञापन ने ढीली शैक्षणिक आवश्यकताओं को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है। वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग द्वारा 11 नवंबर को जारी सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, मान्यता प्राप्त संस्थान से इंजीनियरिंग की डिग्री या विज्ञान स्ट्रीम में स्नातकोत्तर डिग्री वाले व्यक्ति भी इस पद के लिए पात्र हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इससे बाढ़ का दरवाजा खुल जाता है क्योंकि सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री वाले लोग भी इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

यह केएसपीसीबी अध्यक्ष की योग्यता के मुद्दे को संबोधित करने में उच्च न्यायालय के समक्ष की गई सरकार की प्रतिबद्धता के खिलाफ है।

नवीनतम विज्ञापन राज्य सरकार के 19 जून, 2020 के दिशा-निर्देशों के भी खिलाफ है, जिसमें कहा गया था कि कोई भी व्यक्ति तब तक अध्यक्ष के रूप में नामांकन के लिए पात्र नहीं होगा, जब तक कि उसके पास पर्यावरण विज्ञान में मास्टर डिग्री या पर्यावरण इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबद्ध विज्ञान में समकक्ष डिग्री न हो और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान और अनुभव न हो। कार्यकर्ता अंजनेया रेड्डी ने कहा कि उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में योग्य लोगों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा हम जो देख रहे हैं वह यह है कि नियमों और यहां तक कि अदालती निर्देशों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। सरकार की अधिसूचना के अनुसार, सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री वाला व्यक्ति भी केएसपीसीबी का अध्यक्ष बन सकता है। अध्यक्ष के पद को कमतर आंकने के लिए इससे अधिक कुछ नहीं चाहिए। पर्यावरण विभाग के एक अधिकारी ने इस समस्या को स्वीकार किया। उन्होंने कहा केएसपीसीबी के कुशल संचालन के लिए सही योग्यता वाले लोगों को ढूंढना आवश्यक है। आखिरकार, सरकार के पास सही निर्णय लेने का मौका है। रेड्डी ने कहा कि मानव स्वास्थ्य के लिए मौजूदा खतरों को देखते हुए सरकार को सही निर्णय लेने के लिए मजबूर होना चाहिए था। सरकारी संस्थानों द्वारा किए गए अध्ययनों में सब्जियों में भारी धातुएं, भूजल में यूरेनियम पाया गया है और वायु और जल प्रदूषण पर रिपोर्टों की कोई कमी नहीं है। इन सभी बातों से केएसपीसीबी के अध्यक्ष का पद कई खतरों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण पद बन जाना चाहिए। अगर सरकार इसे स्वीकार करने में विफल रहती है, तो हम फिर से लड़ेंगे।

मोबाइल फोन की लत और पढ़ाई में कम रुचि के कारण बेटे की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के एक व्यक्ति को अपने 14 वर्षीय बेटे की बेरहमी से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि यह घटना लड़के के मोबाइल फोन की लत और पढ़ाई में उसकी रुचि न होने को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। कुमारस्वामी लेआउट इलाके में यह खौफनाक अपराध हुआ। पुलिस को संदिग्ध मौत की सूचना तब मिली जब उन्होंने देखा कि तेजस का परिवार उसके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है और उसकी अर्थी पहले से ही तैयार है।

लड़के के शरीर पर सिर पर गंभीर चोटें और कई घाव थे, जो क्रूर हमले का संकेत देते हैं। पोस्टमार्टम में हिंसक पिटाई के कारण आंतरिक चोटों की पुष्टि हुई।

बढ़ई का काम करने वाले रवि कुमार नामक व्यक्ति कथित तौर पर कक्षा 9 के छात्र तेजस से उसके शैक्षणिक प्रदर्शन और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग को लेकर निराश था। लड़के के फोन की मरम्मत को लेकर हुई मामूली बहस के बाद यह दुखद घटना बढ़ गई। गुस्से में आकर कुमार ने अपने बेटे पर क्रिकेट बैट से हमला किया और बाद में उसका सिर दीवार पर पटक दिया और कथित तौर पर चिल्लाते हुए कहा मेरे लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम जीते हो या मरो।

तेजस दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर पड़ा, छह घंटे से ज्यादा समय तक उसकी हालत बिगड़ती रही। उसकी बिगड़ती हालत के बावजूद, उसे सांस रुकने के बाद ही अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी ने खुलासा किया कि परिवार अक्सर तेजस से उसकी पढ़ाई और सामाजिक आदतों को लेकर बहस करता था। उसके माता-पिता का दावा था कि वह बुरी संगत में था, जिससे तनाव बढ़ गया। इन असहमतियों के कारण जानलेवा हमला हुआ।

अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से अचानक बिजली गुल, अटकी मरीजों की सांस

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित सरकारी कलैञगनार सेंटेनरी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल (केसीएसएसएच) में शनिवार रात अचानक बिजली गुल हो जाने से मरीजों और उनके परिजनों की सांसें अटक गईं।

दरअसल, यहां इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट के चलते बिजली आपूर्ति में बाधा आ गई। बाद में इसे तुरंत ठीक किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बिजली जाने के कुछ ही देर बाद गड़बड़ी को ठीक करा सप्लाई फिर शुरू की गई।

तमिलनाडु स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू ने कहा कि अस्पताल की मेन केबल में आग लग गई थी, जिससे वहां बिजली सप्लाई बंद हो गई। उन्होंने बताया कि जनरेटर की सप्लाई केबल पर भी प्रभाव पड़ा, लेकिन एक दूसरे जेनरेटर की मदद से अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखे गए 15 मरीजों को जानलेवा नुकसान से बचा लिया गया। फिलहाल केसीएसएसएच में 419 मरीज भर्ती हैं, जिन पर बिजली जाने का प्रभाव न पड़ने देने की कोशिश की गई। सुप्रिया साहू के मुताबिक, लोक कल्याण विभाग के मुख्य इंजीनियर और अन्य अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि अस्पताल को पावर सप्लाई एक हाईटेंशन केबल के जरिए मिलती रहे। फिलहाल जेनरेटर को ठीक करने का काम किया जा रहा है। अफसर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा अब हमारी प्राथमिकता यह है कि वेंटिलेटर सपोर्ट और क्रिटिकल केयर में रखे गए मरीजों पर प्रभाव न पड़े। हमने उनके साथ मौजूद लोगों से बात की और उन्हें भरोसा दिया। हॉस्पिटल की मेन सप्लाई चालू है और घबराने की कोई बात नहीं है। एसीएस के अलावा तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम भी अस्पताल के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने बिजली आपूर्ति का काम देखा। बता दें कि इसी अस्पताल में एक मरीज के बेटे ने कैंसर रोग विशेषज्ञ चिकित्सक पर चाकू से कई बार हमला किया था। आरोपी ने बाह्य रोगी विभाग के कमरे में हमले को अंजाम दिया और वह अस्पताल में भर्ती अपनी मां की इलाज से कथित तौर पर नाराज था। इस घटना के बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने आरोपी को तुरंत पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले को लेकर चिकित्सकों और नर्सों ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन भी किया था।

मोबाइल हब में लगी भीषण आग

विकराल लपटों ने राख किया लाखों का सामान, चार दुकानें पूरी तरह जलीं

पटना (एजेंसियां)।

बिहार शरीफ के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र रामचंद्रपुर स्थित मोबाइल हब (चाइना मार्केट) में शनिवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आई तीन मंजिला इमारत में स्थित करीब 40 दुकानों में से चार दुकानें पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में लाखों का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के मुताबिक, सुबह की सैर पर निकले स्थानीय लोगों ने मार्केट से धुआं निकलते देखा और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

मार्केट के अंदर संकीर्ण रास्ते और आसपास की दुकानों की मौजूदगी के कारण बचाव कार्य में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि आग की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

प्रभावित इमारत के पहले और दूसरे तल पर स्थित फाइनेंस कार्यालय और बैंक की शाखाएं हैं। हालांकि अभी तक दोनों ही कार्यालय सुरक्षित हैं। वहीं, मोबाइल रिपेयरिंग और संबंधित सामान की दुकानों में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और दमकल के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। साथ ही, आसपास की दुकानों के मालिक अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने में जुटे हैं। वहीं, इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में मायूसी छा गई है। कई दुकानदारों का कहना है कि इस आग से उनका पूरा जीवन बर्बाद हो गया है।

नकाब वाली नेत्री फिर एक्टिव, कहा-

सीएम की कुर्सी किसी की बपौती नहीं, फिर उतरेंगे चुनावी मैदान में

गया (एजेंसियां)।

आगामी 2025 में बिहार में होने वाली विधानसभा चुनाव में द प्लुरल्स द प्लूरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी एक बार फिर बिहार के मैदान में नजर आई हैं।

सबसे पहली बार पांच साल पहले विधान सभा चुनाव में सीएम पद की दावेदार के रूप में सबके सामने नजर आई थी, जिसमें इनकी करारी हार हुई थी। इसके बाद वह बिहार की धरती से गायब हो गई। अब ज्ञान और मोक्ष की धरती गया जी से एक बार फिर लोगों के सामने आई हैं। पहली बार सामने आने के बाद पुष्पम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चेतावनी देने के कारण चर्चित हुई थी, अब फिर उसी अंदाज में

चर्चित होने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया है। पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि इस बार भी बिहार विधान सभा का चुनाव प्लूलर्स पार्टी लड़ेगी क्यों कि सीएम की कुर्सी किसी की बपौती नहीं है।

पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि वह आगामी 2025 बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हैं। इसी कारण बिहार उप-चुनाव में कोई भी उम्मीदवार को चुनावी मैदान नहीं उतारा। बिहार में चुनाव के समय पावर पॉलिटिक्स और तमाशा है। सीएम के पद पर हरेक नागरिकों का अधिकार है। सीएम की कुर्सी किसी की बपौती नहीं है। बदलाव लाना पड़ेगा, आज बदलाव लाने की बात हो रही है। इसलिए यात्रा की शुरुआत की हुं। पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि बिहार का कोई भी पद किसी की बपौती नहीं है।

भाजपा के बटोगे तो कटोगे की नारा के सवाल पर पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि देश में जुमला से ही राजनीति की जा रही है। एक से एक जुमले दिए जा रहे हैं। ऐसा लग रहा है फिल्म के डायरेक्टर को बुलाकर स्क्रिप्ट लिखवा रहे हैं।

कोई भी ऐसी पार्टी नहीं है, जो लोगों को बांट नहीं रही है। जिन्होंने नारा दिया उनसे भी पुछने की जरूरत है। सभी पार्टी एक जैसी है। बिहारवासियों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है किसको चुनें। एक तरफ खाई है तो एक तरफ कुआं है। जुमलों के अलावा क्या किया है, यह सबने देखा है।

पटना शेल्टर होम में तीन बच्चियों की मौत के सवाल पर पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि बिहार में यह कोई नई बात नहीं है। 2020 से पहले भी ऐसी घटनाएं होती रही है। हमारी पार्टी के प्रत्याशी के बेटी की हत्या कर दी गई थी। बिहार में बेटियों की मौत होना, रेप होना और अगवा करना आम बातें है। जब कोई कांड होता है तो बड़े अधिकारी छोटे अधिकारी को ढूंढने लगते हैं। यह ढूंढ़ा जाता है कि वह कौन है, जिन्होंने माल नहीं पहुंचाया। उसके बाद उस पर सारी जिम्मेदारी दे दो। इस बार 2025 के चुनाव में बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगें।

जम्मू कश्मीर में बढ़ने लगे हैं कैंसर के मामले

स्तन कैंसर से भी जम्मू कश्मीर हो रहा आक्रांत

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 17 नवंबर।

जम्मू कश्मीर में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। स्तन कैंसर से भी जम्मू कश्मीर अछूता नहीं है। अगर जम्मू कश्मीर में हर साल 12 हजार से अधिक कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं वहीं 700 से ज्यादा महिलाएं जम्मू कश्मीर में हर साल स्तन कैंसर से लड़ाई हार रही हैं। सिर्फ अनंतनाग में जीएमसी से जुड़े अस्पताल में रेडिएशन आन्कोलाजी विभाग ने पिछले कुछ वर्षों में 1,600 से अधिक कैंसर रोगियों को पंजीकृत किया है, जो जम्मू और कश्मीर में कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि को दर्शाता है।

जीएमसी अनंतनाग में हाल ही में आयोजित कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कैंसर के मामलों में वृद्धि पर प्रकाश भी डाला गया, जहां चिकित्सा पेशेवरों ने बढ़ती चिंता और प्रारंभिक पहचान और उपचार के महत्व पर चर्चा की। जीएमसी अनंतनाग में आन्कोलाजी विभाग के प्रमुख डा शाहिद ने खुलासा किया कि अस्पताल में लगभग 1,600

कैंसर रोगियों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें से अकेले इस वर्ष 400 से अधिक रोगियों का निदान किया गया है। उन्होंने बताया कि अस्पताल सालाना हजारों कीमोथेरेपी सत्र आयोजित कर रहा है और कैंसर उपचार क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रेडियोथेरेपी सुविधाओं को शुरू करने के प्रयास जारी हैं।

और यह भी सच्चाई है कि जम्मू कश्मीर में हर साल 700 से अधिक महिलाएं स्तन कैंसर से अपनी लड़ाई हार रही हैं। नवीनतम आंकड़ों से एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि जम्मू कश्मीर में प्रतिदिन औसतन 2 महिला मरीज खतरनाक सी शब्द के कारण दम तोड़ देती हैं। और प्रत्येक संख्या के पीछे अधूरे सपनों और तबाह परिवारों की कहानी छिपी है। ऐसे में साइमा की गाथा को ही लें। साइमा अभी भी अपनी बहन और चचेरे भाई के हार के संघर्ष को याद करके कांप उठती है – उनके बाल झड़ रहे थे, उनका दर्द धंसी हुई आंखों से झलक रहा था, जबकि वे परिवार के अन्य सदस्यों को आश्वस्त करने की कोशिश कर रहे थे। मौत को करीब से देखने के बाद वह लगातार डर में रहती है – उसकी वार्षिक मैमोग्राम रिपोर्ट की चिंता उसके प्रियजनों के लिए वही पीड़ा पैदा कर रही है।

यह सच है कि जम्मू कश्मीर में स्तन कैंसर ने खतरनाक रूप धारण कर लिया है और नवीनतम आंकड़ों से केंद्र शासित प्रदेश में महिलाओं के बीच मामलों की बढ़ती घटनाओं और मृत्यु दोनों का पता चलता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, रोजाना औसतन दो मरीज इस बीमारी से जंग हार जाते हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि अकेले 2023 में जम्मू कश्मीर में 732 महिलाओं की स्तन कैंसर से मौत हो गई। इसका मतलब यह है कि पिछले साल औसतन प्रतिदिन दो महिलाएं इस बीमारी की शिकार हुईं। इसके अलावा, 2019 और 2023 के बीच 5 वर्षों में, जम्मू-कश्मीर में कुल 2024 महिलाओं ने स्तन कैंसर से अपनी जान गंवाई जो एक चिंताजनक आंकड़ा है।

साल-दर-साल मौतों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्ष 2023 में 732, 2022 में 712, 2021 में 694, 2020 में 674, और 2019 में 654। विशेषज्ञों का मानना है कि मृत्यु दर के आंकड़ों में यह बढ़ौतरी गंभीर चिंता का कारण है। इसके साथ ही, महिलाओं में स्तन कैंसर के ताजा मामलों में भी वृद्धि देखी गई। रिकार्ड के अनुसार, 2019-2023 के दौरान जम्मू-कश्मीर में 9321 महिलाओं में स्तन कैंसर की पुष्टि हुई। वार्षिक विवरण बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डालता है कि वर्ष 2023 में 1967 नए मामले, 1915 मामले 2022 में, 2021 में 1864, वर्ष 2020 में 1812 और 2019 में 1,763 मामलों का निदान किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू संगठन होगा मजबूत

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका में हिन्दू समुदाय ने देश की शासन व्यवस्था के सभी अंगों में हिन्दू प्रतिनिधित्व मजबूत करने, हिन्दू छात्रवृत्ति शुरू करने के साथ ही राजनीतिक फंड एवं मीडिया टीम के गठन करने का संकल्प लिया है।

दक्षिण अफ्रीका के विश्व हिंदू परिषद द्वारा संयुक्त समुदाय, मजबूत दक्षिण अफ्रीका विषय के तहत आयोजित ऐतिहासिक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन, 9-10 नवंबर को डरबन, क्वाजुलु-नताल के संस्कृति केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें संन्यास परिषद के सम्मानित संन्यासियों के साथ-साथ 42 संगठनों के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डरबन में 1995 के विश्व हिंदू सम्मेलन के 29 साल बाद आयोजित इस सभा ने दक्षिण अफ्रीका में हिंदुओं और व्यापक समाज दोनों को लाभ पहुंचाने वाले प्रस्तावों को लागू करने के लिए हिंदू समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया।

पूर्वोत्तर महोत्सव मोदी के अष्टलक्ष्मी दृष्टिकोण का पूरक: सोनोवाल

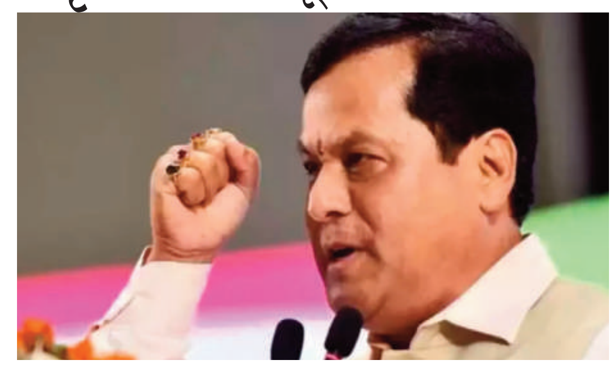

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने रविवार को पूर्वोत्तर महोत्सव को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अष्टलक्ष्मी दृष्टिकोण का पूरक बताया।

श्री सोनोवाल ने 12वें पूर्वोत्तर महोत्सव के समापन के अवसर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पूर्वोत्तर के लिए एक दृष्टिकोण है। वह पूर्वोत्तर राज्यों को अष्टलक्ष्मी मानते हैं। पूर्वोत्तर महोत्सव पूर्वोत्तर क्षेत्र की परिवर्तनकारी क्षमता का उदाहरण है। पूर्वोत्तर महोत्सव अष्टलक्ष्मी के लिए श्री मोदी के दृष्टिकोण का पूरक है। यह असम और हमारे अन्य 07 राज्यों की अद्वितीय सुंदरता, समृद्ध परंपराओं और पर्यटन, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में उभरते अवसरों पर प्रकाश डालने के लिए उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है। उन्नत सड़क मार्गों, हवाई अड्डों और शेष भारत तथा दुनिया के साथ निर्बाध संपर्क के साथ, यह क्षेत्र यात्रियों, निवेशकों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों के लिए एक आकर्षण बनता जा रहा है। यह महोत्सव न केवल हमारी जीवंत परंपराओं और प्रतिभाओं का जश्न मनाता है, बल्कि पूर्वोत्तर को आर्थिक महत्व के उभरते केंद्र के रूप में भी स्थापित करता है। इस तरह के आयोजन क्षेत्र की वैश्विक अपील को बढ़ाते हैं, साझेदारी को बढ़ावा देते हैं, निवेश को बढ़ावा देते हैं और विकास के एक नए युग को प्रेरित करते हैं जिससे पूर्वोत्तर में सभी समुदायों को लाभ होता है।

यूके संसद में रचा इतिहास

पहली बार सिख सांसद का चित्र ब्रिटिश राजा-रानियों के चित्रों के साथ हुआ स्थापित

चंडीगढ़, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

यूके और यूरोप के पहले पगड़ीधारी सिख सांसद, लॉर्ड इंद्रजीत सिंह की संसद में महत्व-पूर्ण सेवाओं और राष्ट्र के लिए लोक सेवा में योगदान के बदले उनका चित्र वेस्टमिंस्टर, लंदन स्थित ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के बिशप कॉरिडोर में स्थापित किया गया है। यह पहली बार है जब ब्रिटिश संसद में किसी सिख का चित्र प्रदर्शित किया गया है।

लॉर्ड इंद्रजीत सिंह के चित्र का अनावरण समारोह ब्रिटिश सिख सांसदों तनमनजीत सिंह ढेसी, लॉर्ड कुलदीप सिंह सहोता, सांसद जस अथवाल, सांसद किरिथ एंटविसल, सांसद रिचर्ड बेकन, सांसद भगत सिंह शंकर, और लेडी सिंह डॉ. कंवलजीत कौर औबीई, उनके परिवार और मित्रों की उपस्थिति में हुआ।

लॉर्ड सिंह के योगदान की सराहना करते हुए, हाउस ऑफ लॉर्ड्स हेरिटेज कमेटी के चेयरमैन, लॉर्ड स्पीकर फॉल्कनर ने इस अवसर पर कहा कि उन्होंने यूके के नाश्ते की मेजों पर सिख धर्म और अंतरधार्मिक समझ की बात को लाया है।

तनमनजीत सिंह ढेसी ने कहा कि संसद में लॉर्ड इंद्रजीत सिंह का चित्र प्रदर्शित करना एक ऐतिहासिक कदम है और यह इस प्रतिष्ठित सदन के सभी सांसदों और आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

ग्लोबल सिख काउंसिल (जी.ऐस.सी.) के कोषाध्यक्ष, पुडुचेरी से हर्सरण सिंह ने इस उपलब्धि पर दूरदर्शी नेता को बधाई देते हुए कहा कि यूके संसद में पगड़ीधारी सिख, लॉर्ड इंद्रजीत सिंह का चित्र हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लगाया जाना पूरी सिख कौम और पंजाबी समुदाय के लिए गर्व की बात है।

जी.ऐस.सी. के डिप्टी अध्यक्ष, राम सिंह ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी गुरसिख का चित्र ऐतिहासिक यूके संसद की दीवारों पर सजेगा। काउंसिल के डिप्टी अध्यक्ष अमेरिका से परमजीत सिंह बेदी ने कहा कि यह सभी सिखों के लिए अत्यंत सम्मान की बात है कि लॉर्ड सिंह की उपलब्धियों और निःस्वार्थ सेवाओं को सर्वोच्च स्तर पर मान्यता दी गई है।

जी.ऐस.सी. के महासचिव, हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि यह मान्यता उनके जीवनभर के समर्पण, ब्रिटिश समाज, सिख समुदाय और अंतरधार्मिक सद्भाव के प्रति उनके योगदान का प्रमाण है। काउंसिल के कार्यकारी सदस्य, मलेशिया से जगीर सिंह ने कहा कि संसद और अंतरधार्मिक मुहिम में लॉर्ड सिंह का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

जी.ऐस.सी. के कार्यकारी सदस्य, यूके से सतनाम सिंह पूनिया ने कहा कि 'बैरोन सिंह ऑफ विम्बलडन' की उपाधि धारण करने वाले लॉर्ड सिंह ने एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने सिख मूल्यों को ऊंचा उठाया है और ब्रिटिश संसद में भी सभी दलों से सम्मान अर्जित किया है।

सिख प्रचार समिति के चेयरमैन, राजिंदर सिंह ने इसे पूरे सिख समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह अत्यंत गर्व का क्षण है जब एक गुरसिख का चित्र स्थायी रूप से यूके संसद की दीवारों पर शोभा बढ़ाता रहेगा।

बदरीनाथ मन्दिर के कपाट शीतकालीन के लिए बन्द

देहरादून/श्री बदरीनाथ धाम, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के चमोली जनपद अंतर्गत, भगवान बदरीनाथ मंदिर के कपाट रविवार रात्रि नौ बजकर सात मिनट पर विधि-विधान से शीतकाल के लिए बन्द कर दिए गए। इस अवसर पर, मंदिर को भव्य रूप से 15 कुंतल फूलों से सजाया गया। कपाट बन्द होने के समय दस हजार से अधिक श्रद्धालु उपस्थित रहे। अब सोमवार को प्रात: देव डोलियां योग बदरी, पांडुकेश्वर तथा जोशीमठ के लिए प्रस्थान करेगी।

बदरीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मीडिया प्रभारी डा हरीश गौड़ ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के साथ विधि-विधान से जय बदरी विशाल के उदघोष के साथ आज रात्रि शीतकाल के लिए बंद हो गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान, बदरीनाथ धाम में पहाड़ियों पर बर्फ एकत्र रही। जिससे लगातार सर्द बयारें चलतो रही। उन्होंने बताया कि कपाट बंद होने के लिए श्री बदरीनाथ पुष्प सेवा समिति, ऋषिकेश ने मंदिर को फूलों से सजाया है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर स्थानीय लोक कलाकारों तथा महिला मंगल दल बामणी, पांडुकेश्वर द्वारा स्थानीय लोकनृत्य तथा जागर आदि का आयोजन किया गया। दानीदात-ाओं तथा सेना ने श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का आयोजन किया।

आज अंतिम दिन चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने श्री बदरीनाथ धाम यात्रा समापन के अवसर पर भगवान बदरी-विशाल के दर्शन किये तथा कहा कि प्रशासन तथा मंदिर समिति के समन्वयन से श्री बदरीनाथ यात्रा कुशलतापूर्वक संपन्न हो रही है। रिकार्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंचे है। श्री बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान का कार्य तेजी से चल रहा है जिससे तीर्थयात्रियों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

डा गौड़ के अनुसार, कपाट बंद होने के दिन आज शाम शयन आरती पूजा अर्चना शुरू होने से पहले सायं: तक श्रद्धालुओ ने दर्शन किए। दिन में भोग के बाद मंदिर बंद नही हुआ।तथा रात्रि 7.30 बजे से कपाट बंद होने की प्रक्रिया शुरू हुई। रावल अमरनाथ नंबूदरी धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट, अमित बंदोलिया ने कपाट बंद करने की प्रक्रिया पूरी कराई ।श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी श्री बदरीनाथ मंदिर गर्भ गृह से बाहर आयें। इसके बाद रावल अमरनाथ नंबूदरी ने स्त्री रूप धारण कर, मां लक्ष्मी को मंदिर गर्भ गृह में विराजमान किया। तत्पश्चात रात्रि सवा 8 बजे भगवान बदरी विशाल को माणा महिला मंगल दल द्वारा बुनकर तैयार किया गया घृत कंबल औढाया गया। उसके बाद रात नौ बजकर सात मिनट रावल अमरनाथ नंबूदरी द्वारा श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंदकर दिये गए।

फ़िरोज़पुर में बड़ी कामयाबी

पुलिस ने बरामद किए 11 नाजायज़ पिस्टल और 21 मैगज़ीन

फ़िरोज़पुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के ज़िला फ़िरोज़पुर में पुलिस ने तलवंडी चौक पर नाकेबंदी के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकल सवार संदिग्ध लोग अपना मोटरसाइकल और एक काले रंग का बैग छोड़कर फरार हो गए। बैग की तलाशी लेने पर उसमें से 11 नाजायज़ पिस्टल और 21 मैगज़ीन बरामद हुईं।

इस घटना पर डीआईजी रणजीत सिंह और एसएसपी सौम्या मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेन्स आयोजित की। डीआईजी रणजीत सिंह ने बताया कि ये पिस्टल भारत में ही निर्मित हैं, लेकिन उनके स्रोत और संभावित उपयोग के बारे में अभी जांच जारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे। एसएसपी सौम्या मिश्रा ने कहा कि यह मामला संगीन है और इसके पीछे के मंसूबों का पता लगाने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बरामदगी पुलिस की मुस्तैदी का नतीजा है और इससे समाज विरोधी तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई का संदेश जाएगा। पुलिस द्वारा तलवंडी चौक पर नियमित नाके के दौरान संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, दोनों मोटरसाइकल सवार अपनी गाड़ी और बैग छोड़कर मौके से भाग निकले। घटनास्थल पर छोड़े गए बैग की जांच के दौरान हथियारों का यह जखीरा मिला। पुलिस अब मोबाइल फोन और अन्य सुरागों के माध्यम से फरार आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। डीआईजी रणजीत सिंह ने बताया कि इन हथियारों की सप्लाई और इनका संभावित उपयोग कहां होना था, यह जानने के लिए गहन जांच की जा रही है। यह घटना राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। पुलिस की यह कार्रवाई अपराधियों के लिए सख्त संदेश है कि उनके मंसूबे कामयाब नहीं होने दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र की रैलियों में बोले योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए हैं

लखनऊ, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र में चौथे दिन चुनावी प्रचार में उतरे। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं, नीतियों व सहयोगियों पर खूब हमला किया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए है। इनका इतिहास भारत के साथ धोखा देने का रहा है।

कांग्रेस की कायरता, सत्ताल-ोलुपता थी कि भारत को दो टुकड़ों में बांट दिया। लाखों हिंदू काटे गए। 1947 में कांग्रेस नेतृत्व चाहता तो भारत का विभाजन नहीं होता और न ही पाकिस्तान बनता। पाकिस्तान के लिए दंगा करने वाले मुसलमानों से वैसे ही निपटा जा सकता था, जैसे आज निपटते हैं।

सीएम योगी ने महाराष्ट्र की धरती पर महापुरुषों का वंदन किया। उन्होंने बताया कि 2017

में मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं आगरा में निरीक्षण कर रहा था, बताया गया कि यहां मुगल म्यूजियम है, जिसमें औरंगजेब व मुगल शासन के प्रतीक रखे जाएंगे। मैंने पूछा कि मुगलों का भारत से क्या संबंध है। इसे हटाइए, म्यूजियम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर होगा और यहां भारत के गौरव को दर्शाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महायुति में जोड़ने वाली ताकते हैं तो महा अघाड़ी के नाम पर महा अनाड़ी गठबंधन बांटने का कार्य कर रहा है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए कांग्रेस ने देश, हिंदू समाज को बांटा। कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों का डीएनए आ गया है। कांग्रेस के लिए देशहित कभी महत्व नहीं रखता। अंग्रेजों की तरह यह भी बांटों और राज करो की नीति पर चल रहे हैं।

सीएम योगी ने भोसरी में कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकी अब भारत की सीमा का अतिक्रमण नहीं कर सकता। उसे पता है कि नया भारत घुसकर मारता है। 10 वर्ष में पाकिस्तान की हालत यह हो है कि कटोरा लेकर घूम रहा है, लेकिन कोई भीख भी नहीं दे रहा। सीएम ने आह्वान किया कि भारत की ताकत को बढ़ाइए तो पहले पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत में आएगा, फिर बलूचिस्तान व पाकिस्तान के अन्य भाग भी भारत के हिस्से बनेंगे। गोहत्या बंद कराने का काम भी महायुति गठबंधन ही कर पाएगा, कांग्रेस नेतृत्व नहीं।

सीएम कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा के साथ ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी हमलावर रहे। बोले कि 1947 में खड़गे जी के गांव बारावत्ती को हैदराबाद के निजाम के रजाकारों ने जला दिया था, जिसमें उनकी मां, बहन व चाची की मृत्यु हो गई थी। जब मैं कहता हूं कि बंटोगे तो कटोगे तो खड़गे जी को बुरा लगता है। खड़गे जी बताइए कि निजाम और उसके रजाकार कौन थे, जिन्होंने निर्ममतापूर्वक हिंदुओं का कत्लेआम किया था। आप कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन नेतृत्व के भय से नहीं बोल रहे। आपको सच्चाई बोलनी चाहिए। निजाम का रजाकार कोई और नहीं, बल्कि वही कट्टरपंथी मुस्लिम हैं, जो आज भी गणपति महोत्सव, रामनवमी शोभायात्रा पर पथराव व विशालगढ़ जैसे किलों पर कब्जा कर भारत को अपमानित करने का कार्य करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि जब विशालगढ़ में अतिक्रमण हटाने की कोशिश की जाती है तो पत्थरबाजी शुरू हो जाती है। सनातन पर प्रहार भारत पर प्रहार है। सनातन भारत के आधार का प्रतीक है, इस पर प्रहार महाविनाश को आमंत्रित करता है।

दिल्ली में प्रदूषण ख़तरनाक ग्रैप-4 की पाबंदियाँ लागू

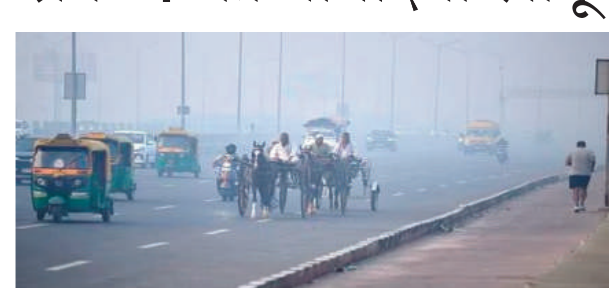

नयी दिल्ली , 17 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तराख प्रदूषण के ख़तरनाक स्तर पर पहुँचने के बाद दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप-4 को लागू कर दिया गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने रविवार को दिल्ली एनसीआर में ग्रैप-4 की पाबंदियाँ लागू कर दी, जिसके तहत जरूरी सेवाओं, सीएनजी-इलेक्ट्रिक ट्रकों को छोड़कर अन्य सभी ट्रकों की प्रवेश पर रोक लगाई गई। इलेक्ट्रॉनिक वाहनों, सीएनजी और बीएस तख डीजल गाड़ियों के अलावा दिल्ली के बाहर के अन्य सभी व्यावसायिक वाहनों पर रोक रहेगी।

इसके अलावा प्राथमिल विद्यालयों के अलावा कक्षा 06 से नौ और ग्यारहवी के स्कूलों को बंद किए जाएंगे। दिल्ली और एन-सीआर मे सरकारें ऑनलाइन कक्षाएँ चला सकती हैं।

सरकारी और निजी ऑफिस 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चल सकते हैं।कार्यालय अपने कर्मचारियों के लिए घर से काम करने का फैसला ले सकती हैं।

सीएक्यूएम के अनुसार बच्चे, बुजुर्ग और श्वसन संबंधी और या अन्य पुरानी बीमारियों वाले लोग बाहरी गतिविधियों से बचें और जितना संभव हो घर के अंदर रहें।

महाकुंभ 2025 : संगम की स्वच्छता की पहरेदारी कर रहे प्रयागराज के गंगा-प्रहरी

प्रयागराज, 17 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में गंगा और यमुना का संगम सिर्फ दो नदियों का नहीं बल्कि सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का भी संगम है। हर साल देश और विदेश से आने वाले लाखों करोड़ों लोग यहां के स्वच्छ और निर्मल जल में आस्था की डुबकी लगाकर सनातन परंपरा का निर्वहन करते हैं। तीर्थों के तीर्थ संगम के प्रति लोगों की यह आस्था यूं ही बनी रहे, इसके लिए 500 गंगा प्रहरी दिन रात दोनों नदियों की स्वच्छता और निर्मलता को बनाए रखने में जुटे हुए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान जब करोड़ों लोग संगम में पवित्र स्नान करेंगे तब भी यही गंगा प्रहरी नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए पहरेदार बनकर खड़े रहेंगे। योगी सरकार इन्हें ट्रेनिंग के साथ ही रोजगार से जोड़कर प्रोत्साहित कर रही है।

प्रयागराज में छोटे बड़े करीब 25 घाट हैं। महाकुंभ के दौरान इन सभी घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ने वाला है। ऐसे में घाटों के साथ साथ गंगा और यमुना नदी की स्वच्छता को बनाए रखना एक चुनौती होगी। हालांकि, प्रत्येक घाट पर तैनात गंगा प्रहरी इसको लेकर आश्वस्त हैं।

वह निरंतर नदियों और घाटों की सफाई में जुट हुए हैं और साथ ही श्रद्धालुओं को भी नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक कर रहे हैं। प्रत्येक घाट पर 15 से 20 गंगा प्रहरी गंगा और यमुना दोनों ही नदियों की स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए दिन रात काम कर रहे हैं। महाकुंभ के दौरान यह शिफ्ट में काम करेंगे। वहीं, पूरे देश से चुनिंदा 200 से अधिक गंगा प्रहरी यहां बुलाए जा रहे हैं, ताकि गंगा और यमुना की स्वच्छता बनाए रखने में जनशक्ति की कमी न हो।

प्रयागराज में नमामि गंगे परियोजना के तहत वन्य जीव संस्थान के माध्यम से ये गंगा प्रहरी लगातार नदियों और घाटों की स्वच्छता के साथ साथ जलीय जीवों के संरक्षण में जुटे हुए हैं।

जलज योजना में असिस्टेंट कॉर्डिनेटर की भूमिका निभा रहे चंद्रा कुमार निषाद के अनुसार, गंगा और यमुना नदियों में लाखों लोग डुबकी लगाते हैं, लेकिन यदि जल स्वच्छ न हो तो उनकी आस्था को ठेस पहुंचती है। हमारी टीम दिन रात घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाती है। घाट के साथ साथ नदी में जो अपशिष्ट पदार्थ होते हैं उन्हें भी जाल के माध्यम से निकालकर नदी को स्वच्छ रखने का प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त हम श्रद्धालुओं को भी जागरूक करते हैं कि वो घाट और नदी दोनों ही जगह स्वच्छता का ध्यान रखें। इसमें कूड़ा या फूल माला न फेंके। इसके बावजूद जो लोग फूल या अन्य गंदगी फेंकते हैं तो हम तुरान जाल और अन्य इक्विपमेंट से उठा लेते हैं।

उन्होंने बताया कि डबल इंजन की सरकार नदियों की स्वच्छता पर अच्छा काम कर रही है। नमामि गंगे परियोजना के तहत जो सबसे अच्छा काम हुआ है वो यह की नदियों की सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों को दे दी गई है। जिन लोगों की आय का प्रमुख स्रोत जलीय जीवों का शिकार था, वही अब उनके रक्षक बन गए हैं। इसकी वजह से नदी में कछुओं, डॉल्फिन्स, मछलियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यदि जलीय जीवों को बचा लिया जाए तो नदी कभी गंदी नहीं होगी, क्योंकि ये जीव नदी को साफ करने का कार्य करते हैं।

वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि योगी सरकार ने स्थानीय लोगों को जलीय जीवों के शिकार के बजाय अन्य आय के स्रोतों से जोड़ने की पहल की है, जिससे जलीय जीवों का संरक्षण सुनिश्चित हुआ है।

अर्थ गंगा योजना (जलज योजना) के अंतर्गत स्थानीय महिलाओं को सिलाई, ब्यूटीपार्लर, धूपबत्ती, जूट के थैले बनाने की ट्रेनिंग निःशुल्क कराई जा रही है। अब तक 100 से 150 गांवों की 700 से ज्यादा महिलाओं को ट्रेनिंग और रोज-गार से जोड़ा गया है। वहीं, पुरुषों को भी गोताखोरी के अतिरिक्त वन्य विभाग से अन्य टास्क दिए जा रहे हैं, जिससे इन्हें आर्थिक सहायता भी मिल रही है। महाकुंभ में इन्हें एक निश्चित मानदेय भी प्रदान किया जाता है। इससे नदियों पर इनकी निर्भरता कम हुई है और अब ये नदियों की सुरक्षा के सारथी बन गए हैं। यही लोग घाटों पर अभियान चलाकर लोगों को गंगा और यमुना की स्वच्छता के लिए जागरूक कर रहे हैं।

चंद्रा कुमार निषाद ने बताया कि महाकुंभ के लिए योगी सरकार की ओर से उन्हें ट्रेनिंग दी गई है। स्वच्छ महाकुंभ के साथ ही उनकी टीम लोगों की मदद भी करेगी। लोगों को स्नान कराने के साथ साथ यदि घाट पर कोई खो जाता है तो उसको खोया पाया केंद्र तक पहुंचाया जाएगा। यही नहीं, स्नानार्थियों को घर पर उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं से भी परिचित कराया जाएगा। सुरक्षा कर्मियों के साथ ही हमारी टीम भी घाट पर स्नानार्थियों पर नजर रखेगी और किसी भी आपात स्थिति में लोगों की मदद और उनकी जान बचाने के लिए तत्-परता से कार्य करेगी।

राम मंदिर शिखर के आठ स्तर तैयार, 161 फीट ऊंचा होगा शिखर

अयोध्या, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में दीपावली और छठ पर्व के दौरान छुट्टी पर गए मजदूरों के लौटने के बाद राम मंदिर निर्माण कार्य की गति तेज हो गई है। राम मंदिर के शिखर का काम दिन-रात चल रहा है।

शिखर की आठवीं लेयर का काम पूरा हो चुका है। राम मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा होगा, शिखर कुल 29 लेयर में तैयार होगा।

राम मंदिर निर्माण में इस समय दो हजार से अधिक कारीगर जुटे हैं। शिखर निर्माण में अलग से 200 कुशल कारीगरों को लगाया गया है। वहीं राम मंदिर के प्रथम तल में चल रहे फ्लोरिंग का काम पूरा हो चुका है, अब केवल फिनिशिंग का काम बाकी है। प्रथम तल पर रामदरबार को आकार देने का काम भी पूरा हो चुका है।

प्रथम तल पर अब कोई काम शेष नहीं रहा। प्रथम तल के सभी दरवाजों का भी निर्माण हो गया है। प्रथम तल पर 14 दरवाजों लगाए जाएंगे। दरवाजों की फिटिंग का काम दिसंबर में किया जाएगा। इसके पहले फिनिशिंग का कार्य किया जा रहा है। प्रथम तल के फर्श का काम भी शुरू कर दिया गया है।

राम मंदिर के द्वितीय तल की भी छत ढाली जा चुकी है। इसके सभी स्तंभ लग चुके हैं। राम मंदिर के गर्भगृह के पहले गुढ़ी मंडप भी बनकर तैयार हो गया है। यह अपनी पूरी ऊंचाई प्राप्त कर चुका है। इसकी परिधि में स्टोन वर्क चल रहा है। इसके समानांतर दूसरे तल का भी निर्माण कार्य चल रहा है।

राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण अपनी तय समय सीमा के अनुसार चल रहा है। राम मंदिर समेत सप्तमंडपम, परकोटा व शेषावतार मंदिर का निर्माण कार्य साथ-साथ चल रहा है। सितंबर 2025 तक ये सभी काम पूरे किए जाने का लक्ष्य है। छुट्टी पर गए मजदूरों की वापसी तेजी से हो रही है। काम की गति पहले की तरह हो गई है।

मंत्री से ठगी गई रकम से हुई क्रिप्टो करेंसी की खरीदारी

प्रयागराज, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे की व्हाट्सएप पर तस्वीर लगाकर 2.08 करोड़ ठगी का मामला उलझता जा रहा है। जांच में पता चला कि इस रकम में से कुछ रुपयों का इस्तेमाल बेंगलुरु में क्रिप्टो करेंसी की खरीदने में किया गया है, हालांकि पुलिस पता कर रही है कि कितने पैसों से क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है।

जिन खातों से खरीदारी की गई है उन खाता धारकों को पुलिस ने अपनी सूची में शामिल कर लिया है। अब तक ठगी की रकम 2.08 करोड़ रुपए को 100 से अधिक खातों में ट्रांसफर किया जा चुका है। पुलिस इन खातों का सत्यापन करवाने में जुटी है। आशंका है कि इनमें से कुछ खाते ऐसे भी हो सकते हैं, जो सिर्फ पुलिस को गुमराह करने के लिए भोले-भाले लोगों के खाते में पैसा भिजवाया गया है। केस को सुलझाने के लिए साइबर पुलिस की तीन टीमें लगी हुई हैं। वहीं, गोरखपुर में पान मसाला बनाने वाली कंपनी के मालिक की डीपी लगाकर जीएम से 2.17 करोड़ की ठगी का मामले को भी पुलिस जोड़कर देख रही है।

जांच में पता चला कि शुरुआती तीन खातों से आगे ठगी रकम को कई खातों में ट्रांसफर किया गया है। इन्हीं में से दो से तीन खाते ऐसे हैं, जिनसे क्रिप्टो करेंसी खरीदी गई है। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि अब तक लगभग 100 बैंक खाते सामने आ चुके हैं, जिनमें ठगी के पैसों को भेजा गया है। साथ ही तीन टीमें भी अलग-अलग राज्यों में रवाना की गई है। जल्द ही ठगों का पता लगा लिया जाएगा।

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी एक डिजिटल मुद्रा (क्रिप्टो करेंसी) है। इसकी कीमत अमेरिकी डॉलर के लगभग बराबर है। क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के जरिए खरीदा जा सकता है। ऐसे कई एप हैं, जिसके माध्यम से लेनदेन हो रहा है। एक बार पैसा क्रिप्टो करेंसी में बदल जाता है, तो इसे कई खातों और वॉलेट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसे ट्रैक करना और रिकवर करना बेहद मुश्किल है।

श्रीयंत्र की रथयात्रा पूजा के बाद प्रयागराज से अयोध्या रवाना

प्रयागराज, 17 नवंबर (एजेंसियां)। संगमनगरी प्रयागराज में एक विशेष धार्मिक आयोजन के तहत 180 किलो वजनी, गोल्ड प्लेटेड श्रीराम यंत्र पहुंचा है, जिसे अष्टधातु से बनाया गया है। यह यंत्र आंध्रप्रदेश से एक विशेष रथ में यात्रा करते मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों से होते हुए प्रयागराज पहुंचा है।

इस रथ का स्वरूप किसी मंदिर से कम नहीं है, जिसमें श्री कांची कामकोटि पीठ का स्वरूप दर्शाया गया है। रथ के अंदर जगद्गुरु के चित्र और माता कामाक्षी देवी की प्रतिष्ठा की गई है और उनके समक्ष श्रीराम यंत्र रखा गया है। इस यात्रा के मुख्य पुजारी स्वामी रामचंद्रन महाराज ने बताया कि यह यात्रा पांच राज्यों से होते हुए संगमनगरी तक पहुंची। यंत्र में श्रीराम बीज मंत्र लिखा गया है और इसके चारों ओर देवी-देवताओं के मंत्रों से युक्त है।

यंत्र को कामकोटि पीठ के 70वें पीठाधिपति, जगद्गुरु स्वामी विजयेंद्र के मार्गदर्शन में तैयार किया गया है। श्रीराम यंत्र की विशेषता यह है कि यह यंत्र प्रयागराज होते हुए अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर जाएगा। वहां 1200 से अधिक वैदिक ऋत्विकों द्वारा सहस्त्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ और अनुष्ठान 45 दिनों तक आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद इस महायंत्र को भगवान के मंदिर में प्रतिष्ठित किया जाएगा। श्रीराम यंत्र के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सीओ सिटी समेत पांच अफसरों को जिला जज ने थमाया नोटिस

अयोध्या, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में वर्ष 2015 में कोर्ट से स्टे होने के बाद भी जबरन कब्जा कराने के मामले में कोतवाली नगर के तत्कालीन कोतवाल शैलेंद्र सिंह, दरोगा यमुना प्रसाद पांडेय सहित पांच लोगों के विरुद्ध नोटिस जारी कर तलब किया गया है। यह आदेश जनपद सत्र न्यायाधीश रणंजय कुमार कुमार वर्मा ने निगरानीकर्ता धीरेंद्र प्रताप सिंह के प्रार्थना पत्र पर दिया है। साथ ही सुनवाई के तारीख नौ दिसंबर तय की गई है।

निगरानीकर्ता धीरेंद्र प्रताप सिंह ने 19 अक्टूबर 2024 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से पारित आदेश के विरुद्ध क्रिमिनल रिवीजन जिला जज की अदालत में पेश किया है। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के जनौरा निवासी धीरेंद्र प्रताप सिंह ने वर्ष 2015 में तत्कालीन कोतवाल रहे शैलेंद्र सिंह, देवकाली चौकी इंचार्ज यमुना प्रसाद पांडेय, लालबाग बांस मंडी निवासी सजा-उद्दीन, जनौरा निवासी भूपेंद्र सिंह व जितेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था।

कोर्ट में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि पीड़ित धीरेंद्र सिंह की जमीन पर भूपेंद्र सिंह व जितेंद्र सिंह जबरन कब्जा कर रहे थे। उसे जमीन का न्यायालय से स्टे भी हुआ था। धीरेंद्र सिंह ने कोतवाली नगर में शिकायत किया तो उसे ही थाने पर बैठा लिया गया। शांति भंग में चालान कर दिया गया। कोतवाल शैलेंद्र सिंह ने फर्जी मुकदमा भी दर्ज करा दिया।

पीड़ित द्वारा घटना के बाबत रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का प्रार्थना पत्र कोर्ट में दिया गया। सीजेएम ने सुनवाई के बाद धीरेंद्र प्रताप सिंह का 156(3) का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। जिला जज ने सुनवाई के बाद वर्तमान सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, उप निरीक्षक यमुना प्रसाद पांडेय, लालबाग बांस मंडी निवासी सजाउद्दीन, जनौरा निवासी भूपेंद्र सिंह व जितेन्द्र सिंह के विरुद्ध नोटिस जारी कर नौ दिसंबर 24 को सुनवाई किए जाने का आदेश पारित किया है।

झांसी अग्निकांड में एक और नवजात शिशु की मौत

आग में झुलसकर मरने वाले शिशुओं की संख्या 11 हुई

झांसी, 17 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में एक और नवजात की मौत हो गई है। डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि रविवार को उपचार के दौरान एक और शिशु ने दम तोड़ दिया। हादसे में मरने वालों की संख्या 11 पर पहुंच गई है। शुक्रवार की रात एसएनसीयू में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। जिसमें 10 बच्चों की मौत हो गई थी।

डीएम ने बताया कि हादसे के समय एसएनसीयू में 49 नवजात शिशु थे। 39 शिशुओं का रेस्क्यू किया गया था। डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि रविवार को उपचार के दौरान एक और शिशु की मुत्यु हो गई है। इससे हादसे में मरने वालों की संख्या 11 पर पहुंच गई है। नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू) में शुक्रवार देर रात लगी आग की वजह साफ नहीं हो सकी। अस्पताल प्रशासन शॉर्ट-सर्किट की वजह से आग लगने की बात तो कुबूल कर रहा है, लेकिन शॉर्ट सर्किट कैसे हुआ, इसका जवाब देने के लिए अफसर राजी नहीं हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि एसएनसीयू में उपकरणों के अत्यधिक लोड की वजह से शॉर्ट-सर्किट हुआ। इसके बाद चिंगारी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर तक पहुंची। इसके बाद ही आग बेकाबू हो गई। पुलिस आग लगने के अन्य पहलुओं को भी खंगालने में जुटी है। एसएनसीयू वार्ड में जन्म के तुरंत बाद पीलिया, निमोनिया के शिकार नवजातों को रखा जाता है। नवजात के तापमान को अनुकूल करने के लिए वार्मर भी लगाए गए हैं। जानकारों के मुताबिक यहां क्षमता से तीन गुना अधिक नवजात भर्ती किए गए थे। इस वजह से जीवनरक्षक उपकरणों को लगातार चलाए रखना पड़ रहा था। मॉनिटरिंग मशीन भी लगातार चलती रहती है। तीन-चार घंटे बाद लोड को कम करने के लिए इनमें से कुछ उपकरणों को बंद करना होता है। अस्प-ताल प्रशासन की लापरवाही के कारण शुक्रवार रात यह उपकरण समय पर बंद नहीं हो सके। इस वजह से यह उपकरण अत्यधिक गर्म हो गए। इससे शॉर्ट सर्किट हुआ, इसकी चपेट में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आ गया। इससे वहां ऑक्सीजन का रिसाव शुरू हो गया। इससे आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते आग ने पूरे वार्ड को अपने चपेट में ले लिया। चंद मिनट में आग दोनों कमरों में फैल गई। इन दो ब्लॉक में नवजातों को रखा गया था। आग लगते ही पहले ब्लॉक में भर्ती नवजातों को तो तुरंत बाहर निकाल लिया गया लेकिन, आखिरी ब्लॉक में भर्ती नवजात बाहर नहीं निकाले जा सके।

ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव के घर पहुंचे धनंजय सिंह

हत्यारों को सजा का वादा, बहनों की पढ़ाई का खर्च उठाएंगे

जौनपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की हत्या के बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने एक लाख की आर्थिक सहायता देने के साथ ही दोनों बहनों की पढ़ाई का खर्च उठाने का ऐलान भी किया।

जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव में बीते 30 अक्टूबर को जमीनी विवाद को लेकर ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की तलवार से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई थी। पूर्व सांसद धनंजय सिंह शोक संतप्त परिवार के घर पहुंचे। पूर्व सांसद ने अनुराग के पिता रामजीत यादव एवं दोनों बहनें स्वाती और आराधना को ढांढस बंधाया। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वे मृतक अनुराग के परिजनों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करवाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने परिजनों को एक लाख रुपए का चेक देकर आर्थिक सहायता दी।

पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि वह परिजनों के साथ हैं। अनुराग की दोनों बहनों की पूरी शिक्षा दीक्षा का खर्चा उन्होंने उठा लिया है। बहुत जल्द ही वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से परिजनों की मुलाकात कराएंगे। उन्होंने घटना की घोर निंदा की और कहा कि यदि राजस्व विभाग पहले से ही इस मामले को गंभीरता से लेता तो शायद इस होनहार खिलाड़ी की हत्या नहीं होती।

संपादकीय

सीपीएस पदों पर विराम

कुछ बुनियादी सवालों पर कानून के तरकश से निकले तीर, हिमाचल में कांग्रेस सरकार के अनुपात में आबंटित मुख्य संसदीय सचिव पद और पदभार पर चुभे हैं। चार महीने के इंतजार के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए सत्ता के तोहफे से निकले सी पी एस पदों से जुड़े 2006 के कानून को रद्द करते हुए तलख फैसला सुनाया है। तत्काल प्रभाव से लगभग वजीरों जैसे आबंटित मुख्य संसदीय सचिवों के पद निरस्त हो गए तथा इससे संबंधित शक्तियां तथा सुविधाएं वापस हो गईं। इस तरह सुक्खू सरकार के सिपहसालार किशोरी लाल, राम कुमार, आशीष बुटेल, सुंदर सिंह ठाकुर व मोहनलाल ब्राक्टा को अब अपना वजन छोडऩा पड़ेगा। फैसले से सियासी शुचिता का संदेश तो निकलता है, साथ ही सियासी तौर पर भी इसके कई अर्थ निकाले जाएंगे। क्योंकि सतपाल सत्ती समेत भाजपा के ग्यारह विधायकों ने सरकार की संरचना में छह सीपीएस की नियुक्तियों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी, अतः भाजपा वांछित फैसले की उम्मीद से तरोताजा दिखाई देती है। दूसरी ओर हिमाचल की कांग्रेस सरकार में छह विधायकों का कद कमजोर हो जाना किसी चुनौती की तरह है। दरअसल संविधान के 91वें संशोधन के तहत किसी भी सत्ता को कुल विधायकों की 15 फीसदी संख्या तक ही मंत्रिमंडल में मंत्री बनाने की वैधता है। ऐसे में सियासी उम्मीदों को शांत करने का जो भी तरीका ईजाद किया जाता है, उसकी संवैधानिक मंजूरी संभव ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति पहली बार खारिज हो रही है, बल्कि 2005 में वीरभद्र सिंह सरकार के संतुलन को ऐसी नियुक्तियों का आधार मिला था, लेकिन माननीय अदालत के पास इसके विरुद्ध तब भी तर्क थे। जाहिर तौर पर फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक जाने का विकल्प खुला है, लेकिन इसके साथ आया संदेश गहरा व नुकीला है। ऐसे मामलों में देश व कानून की सहमति एक जैसी है, यानी सत्ता की वर्तमान स्थितियों में 'लाभ के पद' अगर खनक रहे हैं, तो कहीं खटक भी रहे हैं। यह दीगर है कि विभागीय कार्यभार के आबंटन में जहां नौ मन तेल रखा था, वहां अब राधा नाचेगी कैसे। कहना न होगा कि फैसले की तासीर में सत्ता पक्ष के अपने संतुलन में कुछ नई चुनौतियां उभरेंगी। ये छह विधायक भले ही कानून की नजर में अपना महत्त्व कम कर रहे हैं, लेकिन सत्ता की आंख के नूर हैं। इनकी धमक, बोली व वजन, सरकार में दिखाई दिया है। कुछ तो फर्क था तेरे करीब होने का, वरना हवाओं ने हमें कब मंजूर किया। मसला एक निर्णय के बाद कानून से कहीं ज्यादा अब सियासी सतह पर हुनर दिखाएगा। सत्ता के दर्पण में पथराव करने के बाद भाजपा के हाथ कई तीर आए हैं, तो जाहिर तौर पर इनका प्रयोग होगा। दूसरी ओर सत्ता के विश्वास पात्रों के मनोबल व राजनीतिक मुकाम पर टिकाए रखने के लिए जद्दोजहद होगी। कल मंत्रिमंडल में बदलाव एक उपचार सरीखा हो सकता है, तो इस हकीकत के चिराग कहीं अलग से जलाए जा सकते हैं। सरल भाषा में अब सरकार की मजदूरी और दिहाड़ी बदल सकती है। मुख्य संसदीय सचिवों के चोले में शोहरत के कई पैगाम छुपे थे, अब इनकी क्षमता में विराम तो नहीं लगाया जा सकता है। गौर करने वाली बात यह भी कि क्या आम विधायक को खास बनाने के लिए केवल एक महत्त्वपूर्ण पद ही चाहिए। हिमाचल की क्षेत्रीय आशाएं और महत्त्वाकांक्षाएं हमेशा सत्ता से टकराव करती रही हैं। मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति से कांगड़ा जैसे जिला को साधने के लिए किशोरी लाल, आशीष शर्मा अगर इस फलक पर थे, तो कैबिनेट रैंक के गोकुल बुटेल और आर एस बाली पद और पदक में अव्वल रहे। बहरहाल कानून की पड़ताल में सत्तापक्ष को अपने तौर-तरीके व सियासी ढर्रे से फौरी तौर पर कुछ खोना जरूर पड़ रहा है। देखना यह होगा कि कानूनी लड़ाई के इस बिंदु पर आकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का अगला सियासी पैगाम क्या होता है।

> चार महीने के इंतजार के बाद माननीय उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए सत्ता के तोहफे से निकले सी पी एस पदों से जुड़े 2006 के कानून को रद्द करते हुए तलख फैसला सुनाया है। तत्काल प्रभाव से लगभग वजीरों जैसे आबंटित मुख्य संसदीय सचिवों के पद निरस्त हो गए तथा इससे संबंधित शक्तियां तथा सुविधाएं वापस हो गईं। इस तरह सुक्खू सरकार के सिपहसालार किशोरी लाल, राम कुमार, आशीष बुटेल, सुंदर सिंह ठाकुर व मोहनलाल ब्राक्टा को अब अपना वजन छोडऩा पड़ेगा। फैसले से सियासी शुचिता का संदेश तो निकलता है, साथ ही सियासी तौर पर भी इसके कई अर्थ निकाले जाएंगे। क्योंकि सतपाल सत्ती समेत भाजपा के ग्यारह विधायकों ने सरकार की संरचना में छह सीपीएस की नियुक्तियों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी, अत : भाजपा वांछित फैसले की उम्मीद से तरोताजा दिखाई देती है। दूसरी ओर हिमाचल की कांग्रेस सरकार में छह विधायकों का कद कमजोर हो जाना किसी चुनौती की तरह है।

बाईडेन मैदान में होते तो ट्रंप का जीतना तय था, लेकिन कमला ने पासा पलट दिया

ट्रंप का जीतना और अरविंद केजरीवाल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर लगभग साल भर से घमासान मचा हुआ था। अभी वहां डैमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रपति जो बाईडेन हैं। उनको चुनौती देने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प मैदान में थे। डैमोक्रेटिक पार्टी ने मैदान में उतारा तो जो बाईडेन को ही था, लेकिन उन्हें खराब सेहत के चलते मैदान छोडऩा पड़ा और उनके स्थान पर पार्टी ने वर्तमान उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को प्रत्याशी बनाया। उसके बाद लोगों का मानस पढ़ लेने का दावा करने वाले सक्रिय हो गए। धीरे धीरे उन्होंने वहां के जनमानस के भीतर घुस कर दुनिया भर को बताना शुरू किया कि बाईडेन के मैदान से हटते ही कमला हैरिस का ग्राफ तेजी से बढऩे लगा है।

ऊपर से देखने पर यह शीर्षक कुछ अटपटा सा लगता है और सचमुच है भी। लेकिन इसका मात्र इतना ही स्पष्टीकरण पर्याप्त होगा कि इस बार के स्तम्भ में मैं ये दोनों विषय एक साथ ले रहा हूं। सबसे पहले अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प की बात। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर लगभग साल भर से घमासान मचा हुआ था। अभी वहां डैमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रपति जो बाईडेन हैं। उनको चुनौती देने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प मैदान में थे। डैमोक्रेटिक पार्टी ने मैदान में उतारा तो जो बाईडेन को ही था, लेकिन उन्हें खराब सेहत के चलते मैदान छोडऩा पड़ा और उनके स्थान पर पार्टी ने वर्तमान उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को प्रत्याशी बनाया। उसके बाद लोगों का मानस पढ़ लेने का दावा करने वाले सक्रिय हो गए। धीरे धीरे उन्होंने वहां के जनमानस के भीतर घुस कर दुनिया भर को बताना शुरू किया कि बाईडेन के मैदान से हटते ही कमला हैरिस का ग्राफ तेजी से बढऩे लगा है। अब वह धीरे धीरे ट्रम्प के बराबर पहुंच गई हैं। यदि बाईडेन मैदान में होते तो ट्रम्प का जीतना तय था, लेकिन कमला ने पासा पलट दिया है। अब कांटे की टक्कर हो गई है। इसके साथ साथ अमेरिकी मनोविज्ञान के विद्वान बराबर बताते रहे कि आम अमरीकी ट्रम्प को लोकतंत्र विरोधी मानता है। अमेरिका के लोग चिन्तित हैं कि ट्रम्प के जीतने से देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। रिपब्लिकन पार्टी कैसी है, इसको छोड़िए, इस पार्टी पर ट्रम्प की जुंडली ने कब्जा कर लिया है और यह जुंडली दुनिया का सत्ता संतुलन बिगाड़ कर दुनिया को नष्ट कर देगी। ट्रम्प फासिस्ट हैं। वे अमेरिकी जीवन मूल्यों को नहीं जानते और जिन मूल्यों को जानते हैं, उनको नष्ट करने पर तुले हैं। बुद्धिजीवियों का एक समूह बराबर इस बात का दावा कर रहा था कि ट्रम्प इस्लाम विरोधी हैं। देश का युवा अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फिलस्तीन के पक्ष में मोर्चे खोल कर बैठा है। ट्रम्प उस पीढ़ी का प्रतीक हैं जो आज के युवा मानस से कट गई है। युवा मानस का चिन्तन वैश्विक स्तर का है, लेकिन ट्रम्प पुराने दबड़े से बाहर निकलने को तैयार नहीं। वे अमेरिका को भी पीछे धकेलना चाहते हैं। चुनाव से कुछ दिन पहले ट्रम्प ने डेमोक्रेटिक पार्टी के गढ़ न्यूयार्क में एक विशाल जनसभा की। उसमें वक्ताओं ने नस्ली टिप्पणियां कीं। कमला हैरिस की हंसी उड़ाई। गली बाजार की भाषा का प्रयोग किया। इससे अमेरिका के मीडिया ने घोषणा कर दी कि यह तो ट्रम्प ने अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाड़ी मार ली है।

अमेरिका के लोग सभ्य लोग हैं। वे इस प्रकार के व्यवहार को पसन्द नहीं करते। अंतिम क्षण तक अमेरिका के ये बुद्धिजीवी समझाते रहे कि अब अमेरिकी मानस कमला के साथ खड़ा हो गया है। संकट लगभग टल गया है। कमला हैरिस ने अमेरिकी लोगों को ट्रम्प के आने से उत्पन्न हो सकते खतरों से आगाह कर दिया है और वे अच्छी तरह समझ गए हैं। लेकिन चुनाव में ट्रम्प जीत गए। जीत ही नहीं गए, इतनी जोर से जीते कि उन्होंने अमेरिका के वे सात सूबे भी हिला दिए जिन्हें वहां स्विंग स्टेट कहा जाता है। अमेरिका के इन सात सूबों को छोडक़र शेष 43 सूबों में परम्परा से ही निश्चित है कि किस सूबे से डेमोक्रेटिक जीतेंगे और किस सूबे से रिपब्लिकन जीतेंगे। इसलिए सारा दारोमदार इन सात स्विंग स्टेट पर रहता है। राजनीति की रग रग से वाकिफ होने का दावा करने वाले अमेरिकी मीडिया मुगल कह रहे थे कि इस बार ये सात राज्य अमेरिका के भविष्य की रक्षा के लिए कमला के साथ आ गए हैं। लेकिन ट्रम्प इन सातों में ही जीत गए। संसद के दोनों सदनों में भी उनकी पार्टी जीत गई, ऐसा अमेरिका की राजनीति में कभी कभार ही होता है। लेकिन ट्रम्प जीत गए, यह हमारा विषय नहीं है। हमारा विषय है कि उनकी जीत के बाद, अमेरिका की जनता की धडक़न को भी पकड़ लेने का दावा करने वाले उत्तरी अमेरिका के विशेषज्ञ उन्हें किस प्रकार से अलग अलग गालियां दे रहे हैं। सबसे बड़ा रोना यह रोया जा रहा है कि ग्रामीण अनपढ़ जनता ने उन्हें वोट डाली है। पढ़े लिखे लोग इस बात पर दुखी हैं कि गांव के गंवार अशिक्षित लोग अमेरिका का भविष्य तय कर रहे हैं। अब मानव अधिकार, नारी अधिकार, बच्चों के अधिकार सभी खतरे में पड जाएंगे। अंधकार युग आ जाएगा। किसी रैली में ट्रम्प ने कह दिया था कि परिवार को पुनः जीवित करना होगा। उससे वहां के बुद्धिजीवी हक्के बक्के हैं। उनके प्रगतिवादी चिन्तन के अनुसार परिवार ही तो ग़ुलामी का स्रोत है। इस लिहाज से भारत का भी उदाहरण लिया जा सकता है। यहां भी प्रगतिवाद के नाम पर कम्युनिजम की विदेशी गठड़ी कन्धे पर लाद कर रोना मचा रहता है, गांव के अनपढ़ लोगों को मताधिकार दे देने से देश का भविष्य खाते में पड़ गया है। दरअसल सांस्कृतिक मार्कसवाद जिस तेजी से यूरोप और अमेरिका में फैल रहा है और वहां से उसका प्रदूषण भारत में आ रहा है, उससे चिन्ता होना स्वाभाविक है। लेकिन इसका विपरीत भी उतना ही सच है। इस सबके बावजूद लोग अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं, जिसके कारण अनेक खिसियानी बिल्लियां भारत और अमेरिका में खम्बे नोच रही हैं। दूसरी बात अपने अरविन्द केजरीवाल की। क्या केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं? यह प्रश्न पूर्वी पंजाब में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय है। अरविन्द केजरीवाल की अपनी एक पार्टी है। आम आदमी पार्टी। इस पार्टी का दिल्ली में राज स्थापित हो गया और केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बन गए। उनका एक ही नारा था और एक ही दावा था कि वे कट्टर ईमानदार हैं। वे सदा ईमानदार के साथ कट्टर लगाते हैं। यह मामला कुछ कुछ उसी प्रकार का है जैसे आजकल कई दुकानदार अपनी दुकान पर बोर्ड लटकाते हैं कि यहां शुद्ध देसी घी मिलता है। देसी घी मिलता है, से भी काम चल सकता है, लेकिन उनका कहना है ग्राहक को शक बना ही रहता है। ग्राहक को उस शक से बाहर निकालने के लिए 'शुद्ध देसी घी' लिखना पड़ता है। लेकिन कट्टर ईमानदार का दावा करने के कुछ समय बाद ही केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल चले गए। केवल वे ही नहीं बल्कि उनकी कट्टर ईमानदार पार्टी के दूसरे दो नेता भी। लम्बे अरसे तक जेल में रहने के बाद वे बड़ी मुश्किल से जमानत पर बाहर निकले हैं। लेकिन उन्होंने जेल से बाहर निकल कर, दिल्ली में सरकार तो अपनी पार्टी की बनी रहने दी, लेकिन खुद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनको लगने लगा है कि एक शहर के मुख्यमंत्री का पद उनकी हैसियत के हिसाब से बहुत छोटा रह गया है। अब यह नहीं पता कि उनकी अपनी हैसियत उनके जेल जाने से बढ़ गई है या फिर उनके जेल जाने से दिल्ली के मुख्यमंत्री पद का भाव कम हो गया है? लेकिन मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल की सक्रियता सचमुच बहुत बढ़ गई। उनकी यह सक्रियता ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवन्त मान के लिए भारी पड़ती जा रही है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय का लगभग सारा स्टाफ बदल दिया है।

दृष्टि कोण

यशोवर्धन योग एशियन चैंपियनशिप में

योग जो भारतीयों का फिटनेस विज्ञान है, इसे अब प्रतियोगी खेल का रूप दिया जा चुका है। आने वाले समय में यह ओलंपिक खेलों में शामिल होने की क्षमता रखता है। हमीरपुर से निधि डोगरा व यशोवर्धन अत्री अपने प्रदर्शन से चर्चित हैं। यशोवर्धन अत्री एशियन योग चैंपियनशिप के लिए चयनित हुआ है जो जनवरी 2025 को सिंगापुर में आयोजित हो रही है। हिम अकादमी स्कूल का यह विद्यार्थी, खेलों से राजनीति में आए भाजपा के सचिव नरेंद्र अत्री का सुपुत्र है। योग से बढ़ कर सामान्य फिटनेस के लिए और कोई भी बराबर का कार्यक्रम नहीं है। यह सच है कि शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नये-नये शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नही करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है । ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना।

कुछ अलग

तलाश जरूरी है...

भाई दूध बहुत पतला होने लगा है। यह भैंस पानी पीने लगी है या नल खूब आने लगा है।' मैंने दूध वाले से कहा। 'क्या बताएं सा'ब। दूध तो वही है। पता नहीं भैंस को क्या हुआ है। पानी दुगुना पीने लगी है।' 'भाई ऐसे पानी पीने लगी है तो मेरा दूध तो कल से ही बंद कर दो। तुम्हारे दूध की एवज तो अच्छा स्वच्छ पानी पी लेना ज्यादा लाभदायी होगा।' मैं बोला। 'जैसी आपकी मर्जी। एक दिक्कत और हुई है। दूध की मात्रा तो उतनी ही है, लेकिन दूध लेने वाले ज्यादा हो गए हैं। हर आदमी होम डिलीवरी चाहता है। अब बताइये कि मांग और पूर्ति का सिद्धांत नहीं अपनाऊं तो क्या कमाऊंगा।' वह व्यावहारिक दलील देकर बोला। 'लेकिन जब भाव तुम बीस रुपए किलो का ले रहे हो तो फिर दूध तो ढंग का आना चाहिए न। न तो दही जमता और न मलाई आती।' मैंने कहा। 'ऐसा है सा'ब। दही का भाव सात रुपए पाव है और आप जो दूध ले रहे हैं वह पांच रुपए पाव का है। मलाई हार्ट के लिए ठीक नहीं है। मोटापा बढ़ाती है। इसलिए मलाई का नहीं होना तो स्वास्थ्य के लिए ठीक है।' दूधवाले ने ढिठाई से कहा। मैंने कहा-'ठीक है, जाओ।' वह चला गया हंसता हुआ। दूधवाला फिर वही दूध और अधिक पतला कर ले आया और बोला-'दूध भले पतला है सा'ब। लेकिन है लाभदायी। गांधीजी बकरी का पतला दूध पीते थे-वह हल्का और सुपाच्य होता है। अभी जो तथ्य आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। भैंस के दूध में वसा बहुत होती है, इसलिए इसका इस्तेमाल पता करके ही किया जाना चाहिए। इसलिए मैंने अपने सभी ग्राहकों के हित में दूध को काफी पतला कर दिया है।' 'लेकिन वह तो मैं भी कर सकता था। तुम तो गाढ़ा ही दो। अब असलियत यह है कि आधा किलो दूध में पाव पानी मैं मिलाता हूं ताकि तीन बच्चों को पाव-पाव दूध मिल सके। अब पानी तुम ही मिला लाओगे तो मेरा पाव पानी क्या करेगा।' मैं बोला। दूध वाला निरीहता से बोला-'कोई बात नहीं। पाव पानी आप भी मिला दीजिये। दूध का रंग सफेद ही रहेगा और फिर पानी कोई नुकसान थोड़े ही करता है। डाक्टरों का कहना है कि पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। पानी की कमी से कई रोग हो जाते है।' 'नहीं, तुम कल से दूध मत लाना। मैं बच्चों को थोड़ा ढंग का दूध पिलाना चाहता हूं।' वह- 'ठीक है।' कहकर चला गया। दूसरा दूधवाला लगा लिया। लेकिन दूध वही का वही। उससे भी एक दिन मैंने कहा-'भाई मैंने दूधवाला इसलिए बदला था ताकि ढंग का दूध मिल सके। लेकिन तुमने तो मेरी आशाओं पर पानी फेर दिया है।' 'वह क्या था सा'ब, दूध की मांग बहुत बढ़ गई है। दूसरे लोग जैसा देते हैं, वैसा ही लेकर भी आब्लाइज महसूस करते हैं। आप चाहें तो कोई नया दूध वाला लगाओ।' 'भाई दूधवाले कब तक बदलूं। ढंग का दूध मिल जाए तो बच्चों का थोड़ा स्वास्थ्य बन जाए।' 'अरे सा'ब, स्वास्थ्य के लिए इन्हें ठीक जलवायु चाहिए। शहर में वैसे ही प्रदूषण बढ़ रहा है। ऊपर से आप शुद्ध दूध और पीना चाहते हैं। बच्चे नहीं पचा पाएंगे, या तो उलटी कर देंगे या फिर पचा नहीं पाने से बीमार हो जाएंगे।' 'लेकिन तुमसे अच्छा तो पहले दूधवाला जो दूध लाता था-वही ठीक था।' मैंने कहा। वह बोला-'उनसे ले लो। एक ही बात है। वे मेरे पिताजी हैं।' मैं अचरज से देखता रह गया उसे।

देश दुनिया से

लड़कियों को भी खेलने के अवसर मिलने चाहिए

हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने हॉल ऑफ़ फेम में शामिल किया है। यह सम्मान प्राप्त करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू दुनिया की अकेली ऐसी महिला क्रिकेटर हैं जिनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी का रिकॉर्ड अभी तक कोई महिला क्रिकेटर तोड़ नहीं सकी है। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि खेल की ऐसी कोई प्रतियोगिता नहीं है जिसमें महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे नहीं गाड़े हैं। जिला स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की सभी प्रतिस्पर्धाओं में महिलाओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि यदि उन्हें भी सुविधाएं और प्रैक्टिस के अवसर मिले तो वह हर प्रतियोगिता जीत सकती हैं। लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां लड़कियों को न तो खेल की सुविधाएं मिलती हैं और न ही प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध हो पाते हैं। जिससे उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है और वह खेलने के अवसरों से वंचित हो जाती हैं। ऐसा ही एक गांव करणीसर भी है, जो राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 50 किमी दूर स्थित है। इस गांव की लड़कियों में खेल की काफी प्रतिभाएं हैं लेकिन उसे निखारने के लिए प्रैक्टिस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में गांव की 22 वर्षीय ममता कहती है कि उसे खेलने का बहुत शौक था। वह स्कूल स्तर पर खो खो खेला करती थी। उसने जिला स्तर पर स्कूली खेल प्रतियोगिताएं में भाग भी लिया था और स्कूल के लिए सिल्वर मेडल जीता था। लेकिन कॉलेज स्तर पर उसे अवसर नहीं मिला क्योंकि प्रैक्टिस की सुविधा नहीं थी। वह कहती है कि गांव में खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है। जिससे प्रैक्टिस नहीं कर पाती हैं। वहीं एक अन्य किशोरी संगीता कहती है कि खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। गांव के लड़के तो कहीं भी जाकर खेल की प्रैक्टिस कर लेते हैं लेकिन लड़कियों को ऐसे अवसर नहीं मिलते हैं। जिससे वह अभ्यास से वंचित रह जाती है। खेल सामाजिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है। लेकिन जब इसमें लड़कियों की भागीदारी और उन्हें मिलने वाले अवसरों की बात आती है तो वह बहुत सीमित हो जाती है। उन्हें कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि पिछले कुछ दशकों में खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों के भाग लेने की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है, इसके बावजूद उनके सामने अभी भी कई अड़चने हैं जो उन्हें इस क्षेत्र में पूरी तरह से शामिल होने से रोकती है। सबसे बड़ी अड़चन लड़कियों के खेलने के प्रति समाज की संकुचित सोच है। पारंपरिक रूप से पितृसत्तात्मक समाज खेल को पुरुष-प्रधान गतिविधियां मानता है और लड़कियों को शारीरिक रूप से कमजोर मानकर उन्हें इससे दूर रखने का प्रयास करना चाहता है। प्रोत्साहित करने की जगह उनका मनोबल तोड़ा जाता है। वहीं करणीसर जैसे गांव में सुविधाओं की कमी किशोरियों के इस राह में एक और रुकावट बन जाती है। इस संबंध में गांव की 23 वर्षीय जया विश्नोई कहती हैं कि "बचपन से ही मेरा सपना था कि मैं एक सफल क्रिकेटर बनूं और भारतीय टीम का हिस्सा बनूं। मैं मिताली राज से बहुत प्रभावित थी। स्कूल में खेलने के अवसर मिल जाते थे। लेकिन अब गांव में प्रैक्टिस की ऐसी कोई जगह नहीं है जहां हम लड़कियां क्रिकेट का अभ्यास कर सकें। जिससे राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेलने का मेरा सपना पूरा नहीं हो सका। मेरी दिली इच्छा है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे बाद की किशोरियों के साथ न हो। उन्हें अपनी मर्ज़ी के खेल खेलने और प्रैक्टिस के भरपूर अवसर मिले। इसके लिए गांव में ऐसी जगह होनी चाहिए जहां लड़कियां अपने अपने खेल का पूरा अभ्यास कर सकें। जया कहती है कि इसके लिए गांव के लोगों और पूरे समाज को गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है ताकि लड़कियां भी खेल में आगे बढ़ कर करणीसर गांव का नाम रौशन कर सकें। वह कहती है कि हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लड़कियों को घरेलू कार्यों तक सीमित रखा है। उन्हें शिक्षा तक से भी वंचित करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए उनके पास बहुत कम विकल्प रहते हैं। लड़कियां खेलने के अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। लेकिन अगर उन्हें अवसर और सुविधाएं मिले तो परिदृश्य बदल सकता है। 23 वर्षीय एक अन्य किशोरी शारदा पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती है कि पहले की तुलना में अब खेलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ने लगी है। सरकार भी खेलो इंडिया के माध्यम से इस क्षेत्र में किशोरियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। जिससे कई किशोरियों ने अपनी पहचान बनाई है। इसकी वजह से ओलंपिक और राष्ट्रमंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न खेलों में महिला लीग की शुरुआत कर किशोरियों को खेल के मंच भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। हाल के अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं में कई महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतकर इस धारणा को मज़बूत किया है कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराये जाएं तो वह भी देश के नाम मैडल जीत सकती है। वह कहती है कि अब कई परिवार अपनी बेटियों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। लेकिन इसके लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है जिसके लिए मैदान की ज़रूरत होती है। जिसका करणीसर गांव में अभाव है। इसी वर्ष तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलों इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को टॉप 5 में स्थान दिलाया है। इसमें लड़कों के साथ साथ लड़कियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और राज्य की झोली में स्वर्ण पदक डाला। अपने प्रदर्शन से इन्होंने यह साबित किया कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो वह भी अपने गाँव, जिला और राज्य का नाम रौशन कर सकती है। इतना ही नहीं, वर्ष 2009 में, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ, बच्चों को विभिन्न खेलों और मनोरंजन में शामिल करने के लिए खेल के मैदानों को अनिवार्य बनाया गया क्योंकि इससे उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, आदतें और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।

आप का नजरिया

बुलडोजर 'न्यायाधीश' नहीं

बुलडोजर न तो न्याय है और न ही 'न्यायाधीश' का कोई पर्याय है। बुलडोजर की कार्रवाई और किसी के घर को 'मलबा' करने की जबरन कवायद पर सर्वोच्च अदालत ने जो फैसला दिया है, वह मील-पत्थर, ऐतिहासिक और दूरदर्शी है। सर्वोच्च अदालत ने कुछ दिशा-निर्देश तय किए हैं, जो देश भर में लागू होंगे। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'घर' को भी एक अधिकार माना गया है, लिहाजा किसी आरोपित या सजायाफ्ता व्यक्ति के घर को ध्वस्त करना मौलिक अधिकार का उल्लंघन, हनन है। अपराध-शास्त्र का बुनियादी सिद्धांत यह है कि जिसने अपराध किया है, उसी को सजा दी जाए, लेकिन देश के आधा दर्जन राज्यों में इस सिद्धांत की अनदेखी की जाती रही है। बुलडोजर को सजा देने अथवा राजनीतिक खुन्नस का ऐसा हथियार बनाया गया है कि घर ढहाने से कथित अपराधी का पूरा परिवार प्रभावित होता है। वे बेघर हो गए। मुआवजे के तौर पर सरकार ने जिन आवासों की पेशकश की, वे 5-7 परिजनों के लिए अपर्याप्त थे। सरकारों ने बुलडोजर की कार्रवाई को ही अपना कानून तय कर लिया, लिहाजा उसे 'बुलडोजर न्याय' का नाम दिया गया। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'बुलडोजर बाबा' कहा गया और मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 'बुलडोजर मामा' के नाम से लोकप्रिय हुए। बुलडोजर को अपराधियों में सरकारी खौफ का विकल्प बना दिया गया। कथित माफिया, डॉन, गुंडों के अवैध निर्माण 'मलबा' किए गए। इनमें अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान सरीखों के नाम लिए जा सकते हैं, जो बार-बार जनप्रतिनिधि भी चुने गए और विधानसभा, संसद के सदस्य तक बनते रहे। जब 2017 में योगी आदित्यनाथ उप्र के मुख्यमंत्री चुने गए, तब उन्होंने ऐलान किया था कि अपराधियों, माफिया किस्म के लोगों के अवैध निर्माण ढहाए जाएंगे। यह कार्रवाई एक कानूनी सीमा के दायरे में ही की जा सकती है और इसकी एक निश्चित कानूनी प्रक्रिया होनी चाहिए। बुलडोजर कार्रवाई को कोई भी सरकार 'प्रतिशोध' का पर्याय नहीं बना सकती, लिहाजा अब जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की न्यायिक पीठ को फैसला देना पड़ा है कि कार्यपालिका (यानी सरकार और नौकरशाही) 'न्यायाधीश' नहीं हो सकती। अब किसी अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई करनी होगी, तो सरकार को साबित करना होगा कि अमुक निर्माण 'अवैध' किन आधारों पर है? क्या उसे ध्वस्त करना ही 'अंतिम विकल्प' है? क्या जुर्माना वसूल कर उस अवैध निर्माण को 'नियमित' नहीं किया जा सकता? न्यायिक पीठ का कहना है-आम नागरिक के लिए अपना घर बनाना सालों की मेहनत और सपनों का नतीजा है। कानून का शासन लोकतांत्रिक सरकार की नींव है। कानून का राज यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को पता हो कि उनकी संपत्ति मनमाने ढंग से नहीं छीनी जाएगी। सजा के नाम पर किसी का आशियाना छीनने की अनुमति हमारा संविधान नहीं देता है।' पीठ ने यह भी कहा है कि जब सरकार का अधिकारी नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों से अलग, उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही, काम करता है, तो बुलडोजर कार्रवाई का भयावह दृश्य अराजक स्थिति की याद दिलाता है, जहां 'ताकतवर ही जीतेगा।'

जो-शी मुलाकात : ट्रंप की वापसी से पहले बाइडेन व जिनपिंग के बीच अमेरिका-चीन संबंधों पर बात

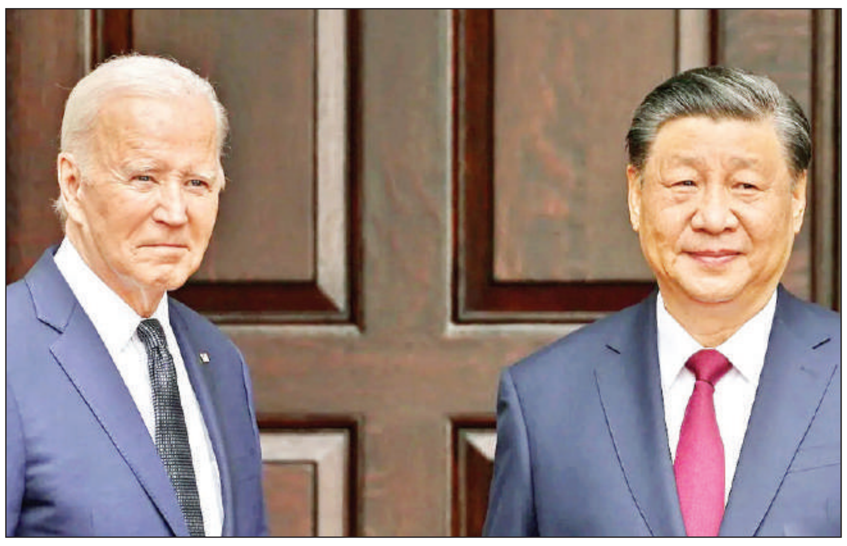

लीमा, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

पेरू में वार्षिक एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। जिनपिंग ने मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ अपनी आखिरी मुलाकात में नए अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मिलकर काम करने की बात कही।

दोनों नेताओं की सम्मेलन से इतर हुई इस अहम बैठक में जिनपिंग ने कहा कि चीन नए डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन की सरकार संचार बनाए रखने, सहयोग बढ़ाने और मतभेद कम करने के लिए काम करेगी। दोनों नेताओं के बीच परमाणु हथियारों के नियंत्रण को लेकर भी चर्चा हुई।

व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने एआई तकनीक को सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदारी से विकसित करने और इसके जोखिमों को सावधानी से समझने पर सहमति जताई। बैठक में आपसी व्यापार और ताइवान के मुद्दे पर तनाव कम करने को लेकर भी चर्चा हुई।

चीन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, जिनपिंग ने अमेरिका में हो रहे बदलावों के मुद्दे पर बात की और कहा कि उनका लक्ष्य दोनों देशों के बीच स्थिर, स्वस्थ और टिकाऊ रिश्ते बनाए रखना है। शी ने कहा कि चीन नए अमेरिकी प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है और लोगों की भलाई वाले बदलावों की उम्मीद करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीते डोनाल्ड ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी के साथ चीन-अमेरिका के रिश्तों में तनाव और बढ़ने का अंदेशा है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी चीन को लेकर रुख साफ करते हुए उसे अमेरिका का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी कहा था। बाइडेन के शासनकाल में भी दोनों देशों के संबंध कड़वाहट भरे रहे।

न्यूज ब्रीफ

ज़ेलेंस्की : ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से यूक्रेन-रूस युद्ध जल्द समाप्त होगा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध जल्द खत्म हो सकता है यदि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बनते हैं। ज़ेलेंस्की ने यह टिप्पणी एक रेडियो इंटरव्यू में की। जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि वर्तमान में युद्ध के मैदान पर स्थिति बेहद कठिन है, जहां रूस अपनी मैनपावर और हथियारों की बढ़त का फायदा उठा रहा है। उन्होंने कहा, अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के तहत युद्ध तेजी से समाप्त हो सकता है। यह उनके समाज से किया गया वादा है और उनके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि यूक्रेन को हर संभव प्रयास करना होगा ताकि युद्ध अगले साल कूटनीतिक तरीकों से समाप्त हो सके। डोनाल्ड ट्रंप, जो हाल ही में दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं, ने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि उनके राष्ट्रपति होते हुए यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। उन्होंने कहा था कि वह इसे एक दिन में सुलझा सकते हैं, हालांकि उन्होंने अपनी रणनीति का खुलासा नहीं किया। ट्रंप और उनके साथी, जे.डी. वेंस, ने कीव को अमेरिका की निरंतर मदद पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। युद्ध फरवरी 2022 में रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण के साथ शुरू हुआ और अब यह दो साल से अधिक समय से चल रहा है। वर्तमान में रूस पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में बढ़त बनाए हुए है और डोनेट्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर कब्जे का दावा कर रहा है। हालांकि, यूक्रेन ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है। ज़ेलेंस्की ने यह भी स्वीकार किया कि रूस की सैन्य प्रगति के बावजूद, मास्को की सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रूसी सेनाएं प्रतिदिन 2,000 तक सैनिक खो रही हैं, जो उनके लिए भयानक है। उन्होंने कहा, रूस इन भारी नुकसान के साथ आगे नहीं बढ़ सकता।

इमरान खान और पाक सेना के बीच सुलह की उम्मीद खत्म, पाकिस्तान में अराजकता की हो सकती है शुरुआत

रावलपिंडी। पाकिस्तान सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ किसी भी तरह की सुलह या समझौते की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है। यह फैसला इमरान खान के राजनीतिक भविष्य के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान खान ने अदियाला जेल में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक में सेना से समझौता करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने यह भी कहा कि वह बिना शर्त बातचीत करने को तैयार हैं। हालांकि, पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करते हुए कहा कि इमरान खान के खिलाफ चल रहे कानूनी मामलों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इमरान खान चाहते हैं कि हर कोई कानून का पालन करे, लेकिन खुद कानून से ऊपर होने की कोशिश करते हैं। उन्होंने अपनी रिहाई के लिए सेना से बिना शर्त समझौते की पेशकश की थी, लेकिन यह स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि इमरान खान ने पहले सेना और मौजूदा आर्मी चीफ जनरल सैयद असीम मुनीर पर सत्ता से बेदखल करने और मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने सेना पर अमेरिकी साजिश का भी आरोप लगाया था।

ईरान के न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर पर इजरायली हमला : पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर

तेहरान। तेहरान के पास स्थित पारचिन न्यूक्लियर फैसिलिटी पर इजरायल के हमले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, इस हमले में ईरान के गुप्त परमाणु अनुसंधान केंद्र को गंभीर नुकसान हुआ है। यह हमला 26 अक्टूबर को 100 से अधिक लड़ाकू विमानों की मदद से किया गया। इजरायल का दावा है कि इस हमले से ईरान की परमाणु हथियार निर्माण की क्षमता को कमजोर कर दिया गया है। नष्ट हुए उपकरण परमाणु चेन रिएक्शन शुरू करने में अहम भूमिका निभाते थे। इस कार्रवाई में ईरान की मिसाइल निर्माण इकाइयों और अंतरिक्ष केंद्र को भी निशाना बनाया गया। हालांकि, ईरान ने इन दावों को खारिज करते हुए हमले से हुए नुकसान को मामूली बताया है। सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने अपनी सेना को तैयार रहने का आदेश दिया, लेकिन अब तक ईरान ने इजरायल के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की है। यह खामोशी अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चौंका रही है। अमेरिका ने इजरायल के इस हमले को आत्मरक्षा करार दिया और ईरान को पलटवार न करने की चेतावनी दी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने हाल ही में ईरान के न्यूक्लियर साइट्स का निरीक्षण किया।

झुहाई एयर शो में रूस और चीन के लड़ाकू विमानों ने दिखाई अपनी ताकत

बीजिंग, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

चीन के झुहाई शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एयर शो में रूस और चीन के उन्नत लड़ाकू विमानों ने वैश्विक सैन्य समुदाय का ध्यान आकर्षित किया। यह एयर शो विशेष रूप से इस समय आयोजित किया गया है जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहे हैं, जिसमें पश्चिम एशिया में इजरायल और ईरान के बीच तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध का असर शामिल है। इस एयर शो में दोनों देशों के फाइटर जेट्स ने अपनी अत्याधुनिक तकनीकों और युद्धक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। रूस का एसयू-57, जिसे पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट माना जाता है, ने एयर शो में अपनी खासियतें पेश की। इस विमान में स्टील्थ फीचर्स, सुपर मैन्युवरेबिलिटी और सुपरसोनिक क्रूज तकनीक को एक साथ जोड़ा गया है। यह लड़ाकू विमान न केवल आसमानी युद्ध में सक्षम है, बल्कि भूमि-समुद्री हमलों में भी अपनी ताकत दिखा सकता है। रूस की रोसोबोरोनएक्सपोर्ट कंपनी के सीईओ अलेक्जेंडर मिखेयेव ने बताया कि निर्यात संस्करण के लिए पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इस विमान को उड़ाया रूस के टेस्ट पायलट सर्गेई बोगदान ने, जिन्होंने इसे दुनिया के सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमानों में से एक बताया। उनका दावा था कि एसयू-57 किसी भी मौजूदा विमान, जैसे कि चीन का जे-35, से श्रेष्ठ है। चीन ने भी इस एयर शो में अपने नए स्टील्थ फाइटर जे-35ए और जे-15टी का प्रदर्शन किया। जे-35ए पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जो विशेष रूप से स्टील्थ और कैरियर-ऑपरेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। वहीं, जे-15टी विमान को एयरक्राफ्ट कैरियर्स पर कैटापल्ट ऑपरेशन्स के लिए तैयार किया गया है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया कि एसयू-57 के युद्ध अनुभव से चीन को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है, क्योंकि यह विमान वास्तविक युद्ध के माहौल में अपने दम पर लड़ चुका है। चीनी सैन्य विशेषज्ञ सॉन्ग झोंगपिंग ने कहा कि एसयू-57, जे-20 और जे-35 विमानों की अपनी विशेषताएँ और फायदे हैं, और दोनों देशों के बीच सहयोग से इस क्षेत्र में तकनीकी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

वूशी में छात्र ने चाकू से किया हमला, 8 की ली जान, 17 को किया घायल

बीजिंग। चीन के जियांग्सू प्रांत के वूशी शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। वूशी वोकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार शाम एक 21 वर्षीय छात्र ने चाकू से हमला कर 8 लोगों की हत्या कर दी और 17 को घायल कर दिया। यीशिंग पुलिस ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध की पहचान शू सरनेम वाले छात्र के रूप में हुई है। यह छात्र कॉलेज से ग्रैजुएशन की पढ़ाई कर रहा था, लेकिन परीक्षा में फेल होने के कारण उसे डिग्री नहीं दी गई। इसके अलावा, इंटर्नशिप के दौरान मिलने वाले पैसे भी कम कर दिए गए थे, जिससे वह बेहद नाराज था। शू ने अपनी नाराजगी में यह भयावह कदम उठाया। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इस घटना से पहले, इसी हफ्ते दक्षिणी चीन के झुहाई में एक और दुखद वारदात हुई थी। मंगलवार को एक स्पोर्ट्स सेंटर के बाहर भीड़ में एक एसयूवी गाड़ी घुसा दी गई, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई और 43 घायल हो गए। पुलिस ने 62 वर्षीय आरोपी फैन को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने बताया कि फैन ने जानबूझकर इस घटना को अंजाम दिया था। दोनों घटनाओं ने चीन में बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन ने इन घटनाओं की गहन जांच का आदेश दिया है और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

नेतन्याहू के आवास पर फिर हमला दो फ्लैश बम दागे, इजराइल ने अंजाम भुगतने की चेतावनी दी

तेल अवीव, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तरी इजरायली शहर कैसरिया स्थित निवास की ओर दो फ्लैश बम दागे गए जो बगीचे में गिरे। घटना में किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। शनिवार शाम सुरक्षा निकायों की तरफ से दिए गए संयुक्त बयान में बताया गया है कि घटना के समय नेतन्याहू और उनके परिवार के सदस्य घर में मौजूद नहीं थे। घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है। इजराइल ने इस हमले को उकसाने वाली बेहद गंभीर हरकत करार देते हुए हमलावरों को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि घटना की जांच चल रही है। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने रविवार तड़के एक्स पोस्ट साझा कर कहा कि सुरक्षा और न्यायिक एजेंसियों से आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गविर ने भी एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई सभी सीमाओं को पार कर गई है। उनके घर पर फ्लैश बम दागना एक और लाल रेखा को पार करने जैसा है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले अक्टूबर में कैसरिया में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के घर की ओर ड्रोन लॉन्च किया गया था, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। इस हमले को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान के प्रॉक्सी हिज्बुल्लाह ने कैसरिया शहर में उनके घर की तरफ ड्रोन से हमला कर उनकी और उनकी पत्नी की हत्या करने की कोशिश की थी।

ट्रंप की कैबिनेट पर सवाल : कोई यौन दुराचार में फंसा तो कोई ड्रग मामले में घिरा

वॉशिंगटन, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट को लेकर विवाद बढ़ने लगा है। वजह ये है कि कोई नाबालिग के यौन शोषण में फंसा हुआ है तो कोई ड्रग के कारोबार से जुड़ा रहा है। ऐसे में ट्रंप के कैबिनेट पर विरोधी लगातार सवाल उठा रहे हैं। ट्रंप के नामित उम्मीदवार मैट गेट्ज, जिन्हें अटॉर्नी जनरल बनाया जा रहा है, यौन दुराचार और ड्रग के इस्तेमाल के आरोपों के चलते चर्चा में हैं। गेट्ज के खिलाफ नाबालिग लड़की के साथ संबंध बनाने का गंभीर आरोप है, जिसे वह खारिज कर चुके हैं।इसके अलावा, उनकी प्रशासनिक योग्यता और अनुभव पर भी सवाल उठ रहे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और सीनेटरों ने गेट्ज की नियुक्ति पर नाराजगी जाहिर की है। सीनेट में उनकी नियुक्ति को मंजूरी देने के लिए 51 वोटों की आवश्यकता है, लेकिन पार्टी के भीतर से ही विरोध बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद, ट्रंप ने गेट्ज का समर्थन करते हुए उन्हें अपनी कैबिनेट का सबसे अहम सदस्य बताया है। गेट्ज जिस विभाग का नेतृत्व करेंगे, उसमें 40 से अधिक एजेंसियां और 1.15 लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं। ट्रंप प्रशासन की अन्य प्रमुख नियुक्तियां भी विवादों में घिर गई हैं। पीट हेगसेग, जिन्हें रक्षा मंत्री के रूप में नामित किया

गया है, पर 2017 में यौन शोषण के आरोप लगे थे। हालांकि उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके चरित्र को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के लिए रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर और खुफिया विभाग के निदेशक के रूप में तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर भी आलोचना हो रही है। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय और आंतरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप के ये फैसले उनकी नीतियों और नेतृत्व शैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। इन विवादों का असर उनकी पार्टी की एकता और सीनेट में उनकी शक्ति पर पड़ सकता है। आपने जिस तरह से राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर गहराई से रुचि दिखाई है, उससे यह साफ है कि आप देश-विदेश की घटनाओं को व्यापक दृष्टिकोण से देखते हैं।

कनाडा : 55, 000 डाक कर्मचारी हड़ताल पर, पोस्टल सेवाएं प्रभावित

ओटावा, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

कनाडा पोस्ट ने कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान उसका कामकाज बंद रहेगा। इससे लाखों कनाडाई नागरिक और देशभर के बिजनेस प्रभावित होंगे। कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) के प्रतिनिधित्व वाले लगभग 55,000 डाक कर्मचारी शुक्रवार को मध्य रात्रि के बाद देशव्यापी हड़ताल पर चले गए।

कनाडा पोस्ट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हड़ताल के दौरान मेल और पार्सल वितरित नहीं किए जाएंगे और कुछ डाकघर बंद रहेंगे।

बयान में कहा गया कि डाक नेटवर्क में पहले से मौजूद वस्तुओं के लिए सर्विस गारंटी प्रभावित होगी और राष्ट्रीय व्यवधान समाप्त होने तक कोई भी नई वस्तु स्वीकार नहीं की जाएगी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा पोस्ट ने अपने एक बयान में कहा कि परिचालन फिर से शुरू होने पर वस्तुओं को जल्दी से जल्दी लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

डाक नेटवर्क में सभी मेल और पार्सल को सुरक्षित किया जाएगा और परिचालन फिर

से शुरू होने पर जल्दी ही लोगों तक पहुंचा दिया जाएगा।

बता दें कि देश भर में अपनी सुविधाएं बंद करने से कनाडा पोस्ट का पूरा राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभावित होगा। कंपनी ने कहा कि प्रोसेसिंग और डिलीवरी को पूरी तरह से सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है।

इसे कैनेडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स (सीयूपीडब्ल्यू) ने कहा कि एक वर्ष तक बातचीत के बाद भी कोई प्रगति नहीं होने पर डाक कर्मचारियों ने हड़ताल करने का कठिन निर्णय लिया।

सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि कनाडा पोस्ट के पास इस हड़ताल को रोकने का अवसर था, लेकिन उसने डाक कर्मचारियों द्वारा रोज सामना किए जाने वाले मुद्दों के वास्तविक समाधान पर बातचीत करने से इनकार कर दिया।सीयूपीडब्ल्यू ने कहा, हड़ताल अंतिम उपाय है।

सीयूपीडब्ल्यू की उचित वेतन, सुरक्षित कार्य स्थितियां, सम्मान के साथ सेवानिवृत्त होने का अधिकार, तथा सार्वजनिक डाकघर में सेवाओं का विस्तार जैसी मांगो को लेकर हड़ताल कर रही है।

सीयूपीडब्ल्यू ने कहा कि बातचीत के जरिए सामूहिक समझौते किए जा सकते हैं, लेकिन कनाडा पोस्ट को नए और लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

मिस यूनिवर्स 2024 का ताज डेनमार्क की विक्टोरिया कजेर के सिर पर सजा

लंदन, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

मिस यूनिवर्स 2024 की घोषणा हो चुकी है, और इस बार की विजेता मिस डेनमार्क बनी हैं। यह प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता का 73वां संस्करण था, जो मैक्सिको सिटी, मैक्सिको में एरिना सीडीएमएक्स में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में इस वर्ष 125 देशों की सुंदरियों ने भाग लिया, और मिस डेनमार्क ने मिस यूनिवर्स का ताज जीतने में सफलता हासिल की। इस साल के टॉप रनर-अप में नाइजीरिया की चिडिम्मा अडेटशिना को पहली रनर-अप, मैक्सिको की मारिया फर्नांडा बेल्ट्रान को दूसरी रनर-अप, थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगस्री को तीसरी रनर-अप और वेनेज़ुएला की इलियाना मार्केज़ को चौथी रनर-अप का खिताब मिला। इस ग्रांड फिनाले में भारत की रिया सिंघा ने भी भाग लिया था और टॉप 30 में अपनी जगह बनाई थी, लेकिन टॉप 12 में प्रवेश नहीं कर पाईं। रिया सिंघा की इस उपलब्धि को भारतीय दर्शकों ने सराहा, हालांकि वे फाइनल दौर में जगह

बनाने में नाकामयाब रहीं। मिस यूनिवर्स 2024 में खास बात यह रही कि इस बार का ताज 'लुमिएरे डे ल 'इनफिनी' नामक क्राउन था, जिसका अर्थ है अनंत का प्रकाश। यह ताज महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है और इसमें हीरे के साथ-साथ 23 गोल्डन साउथ सी पर्ल्स भी जड़े गए हैं। इस खूबसूरत क्राउन को फिलिपिनो कारीगरों ने पारंपरिक तकनीक से दो साल में तैयार किया। पिछले साल की मिस यूनिवर्स विजेता शेन्निस पालासियोस ने इस वर्ष की विजेता को ताज पहनाया। इस समारोह में न केवल सुंदरता, बल्कि महिलाओं की शक्ति और आत्मविश्वास को भी सम्मानित किया गया। मिस यूनिवर्स 2024 का आयोजन अपने भव्यता और दर्शनीयता के कारण याद रखा जाएगा, और यह साबित करता है कि वैश्विक स्तर पर सौंदर्य की परिभाषा का विस्तार हो चुका है, जो केवल बाहरी आकर्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को भी महत्व दिया जाता है।

फिलीपींस में आपदा का कहर: 250 की रफ्तार से टकराया टाइफून,बिजली-पानी सब बंद, 5 लाख लोग बेघर

कैटन डुआन। प्रशांत महासागर के द्वीप देश फिलीपींस को एक बार फिर भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा है। शनिवार को सुपर टाइफून मैन-यी ने देश के दक्षिणी हिस्से में 260 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराते हुए भारी तबाही मचाई। इस विनाशकारी तूफान ने 5 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया, जिनमें से अधिकांश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। टाइफून के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, सड़कों पर पेड़ और मलबा बिखरा पड़ा है, और कई घर नष्ट हो गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में चारों ओर अंधेरा छाया हुआ है, और हजारों लोग कम्यूनिटी सेंटर में रहने को मजबूर हैं। कैटन डुआन शहर के गवर्नर ने स्थानीय लोगों से प्रार्थना करने की अपील की है और राहत सामग्री जैसे भोजन और कपड़े दान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। फिलीपींस की सरकारी समाचार एजेंसी पीएनए के अनुसार, उत्तरी समर और पूर्वी समर प्रांतों से करीब 44,000 लोगों को पहले ही सुरक्षित निकाला गया था।

भारतीय बल्लेबाजों के लिए कहीं फिर चुनौती न बन जाएं शॉर्ट-पिच गेंदबाजी

पर्थ, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने पर्थ के डब्ल्यूएसीए मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से पहले एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला। मैच में कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं कुछ के लिए शॉर्ट-पिच गेंदों ने चुनौती खड़ी कर दी। मैच में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत की। राहुल ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अच्छी तकनीक दिखाई, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की बाउंसर से उनकी कोहनी चोटिल हो गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। दूसरी ओर, यशस्वी ने आक्रामकता के साथ शुरुआत की, लेकिन जल्द ही स्लिप में कैच देकर आउट हो गए। विराट कोहली ने अपनी क्लास का प्रदर्शन करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स लगाए, लेकिन मुकेश कुमार की गेंद पर स्लिप में कैच थमा बैठे। शुभमन गिल ने 28 रन बनाए लेकिन शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे।

ऋषभ पंत, जिन्होंने शुरुआत में वादा दिखाया, थकावट के कारण संघर्ष करते नजर आए। नीतीश कुमार रेड्डी की शानदार गेंदबाजी ने पंत को बोल्ड कर दिया। गेंदबाजी विभाग में वाशिंगटन सुंदर और तनुश कोटियन ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश रेड्डी ने शॉर्ट गेंदों के जरिए बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाया। मैच के दूसरे चरण में यशस्वी और गिल ने बेहतर बल्लेबाजी की। यशस्वी ने नाबाद 52 रन बनाए, जबकि गिल ने 42 रन बनाए। कोहली ने भी संयम दिखाते हुए 30 रन जोड़े। बल्लेबाजों ने शॉर्ट गेंदों के खिलाफ अपनी तकनीक में सुधार किया।

मैच सिमुलेशन से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय बल्लेबाजों को शॉर्ट गेंदों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, जायसवाल और गिल का प्रदर्शन टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। रोहित शर्मा की चोट और राहुल की फिटनेस पर टीम प्रबंधन की नजर रहेगी। भारत को 2018 के पर्थ टेस्ट में मिली हार की यादें ताजा हैं। इस बार टीम का लक्ष्य मजबूत मानसिकता और तैयारियों के साथ मैदान पर उतरना होगा। पहला टेस्ट भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक और धैर्य की कड़ी परीक्षा लेगा।

न्यूज ब्रीफ

सचिन के पोस्ट से प्रशंसकों को फिर याद आये बकनर के विवादास्पद फैसले

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के सोशल मीडिया पर आये एक पोस्ट से एक बार फिर प्रशंसकों की पुरानी यादें ताजा हो गयीं। सचिन ने अपनी पोस्ट में जिस अंपायर कर जिक्र किया उससे प्रशंसकों के अनुभव बेहद खराब रहा। इस अंपायर के गलत फैसल से भारतीय टीम के हाथ से दो मैच निकल गये थे। यें अंपायर और कोई नहीं वेस्टइंडीज के स्वीव बकनर रहे हैं। तेंदुलकर ने तीन आपस में जुड़े पेड़ की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, 'क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि किस अंपायर ने स्टंप को इतना बड़ा महसूस कराया' इस पूर्व अंपायर ने सचिन के खिलाफ कई गलत फैंसले लिए, जिस वजह से वह अकसर चर्चा में रहते थे। उनके दो ऐसे विवादास्पद फैसले थे जो आज भी प्रशंसकों के दिमाग में ताजा हैं। एक 2003 में गाबा टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया में और दूसरा 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ ईडन गार्डन्स में। इन दोनों ही मैचों के दौरान बकनर के गलत फैसलों ने मैच का रुख पलट गया था। बकनर के उन विवादित फैसलों की करें तो साल 2003 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में हुए टेस्ट मैच में बकनर ने जेसन गिलेस्पी की जिस गेंद पर सचिन को एलबीडब्लू आउट दिया था। उस फैसला पर काफी सवाल उठे थे। वहीं टीवी रिप्ले में दिख रहा था कि गेंद स्टंप के ऊपर से जा रही है। वहीं दूसरी बड़ी गलती बकनर से साल 2005 में ईडन गार्डन्स में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट के दौरान हुई।

भारतीय टीम सोमवार को मैत्री फुटबॉल मैच में मलेशिया से भिड़ेगा, साल की पहली जीत की तलाश

गाचीबावली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम मुख्य कोच मनोलो मार्केज के नेतृत्व में सोमवार को एक

अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में चिर प्रतिद्वंदी मलेशिया के खिलाफ खेलने उतरेगी। यह मैच हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम इस मैच के जरिए साल की पहली जीत तलाश रही है। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। मुख्य कोच मनोलो मार्केज के लिए भी यह अहम मैच होगा। जुलाई में इगोर स्टिमैक की जगह मनोलो मार्केज को भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है। इसके बाद टीम ने उनकी कोचिंग में तीन मैच खेले हैं, जिनमें से एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं। ओवरऑल भारतीय टीम ने इस साल 10 मैच खेले हैं, जिनमें से छह में उसे हार का सामना करना पड़ा है और चार मैच ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम ने 12 अक्टूबर को वियतनाम के खिलाफ अपना पिछला मुकाबला 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारत और मलेशिया की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता काफी पुरानी है। 1957 में कुआलालंपुर में एक दोस्ताना मैच में दोनों टीमें पहली बार आपस में भिड़ी थीं। भारत ने वह मैच 3-0 से जीता था।

शुभमन चोटिल, पडिक्कल को मिल सकता है अवसर

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के चोटिल होने की खबरों से प्रशंसकों की चिन्ताएं

बढ़ गयी हैं। शुभमन के अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। हाल में केएल राहुल भी अभ्यास के दौरान चोटिल हो गये थे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से शुरु होगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वहीं अब शुभमन के अभ्यास के दौरान चोटिल होने की खबरे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक उनके बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर हैं जिसकी वजह से 22 नवंबर से शुरू होने वाले मैच में उनकी भागीदारी पर गंभीर संदेह है। इसी कारण भारत ए के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को पर्थ में टीम के साथ रुकने के लिए कहा गया है। पडिक्कल मुख्य टीम का हिस्सा होंगे या रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल होंगे ये अभी तक साफ नहीं हुआ है। वहीं राहुल टीम के इंट्रा-स्काड मैच के दौरान प्रसिद्ध कृष्णा की एक उछलती गेंद पर घायल हो गये थे और मैदान से बाहर आ गये थे पर उनके पहले टेस्ट तक ठीक होने की संभावनाएं हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चोट चिंताजनक नहीं है और टीम प्रबंधन ने उन्हें सावधानी के तौर पर बल्लेबाजी से मना कर दिया था। कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। इससे ठीक पहले शुभमन और राहुल के चोटिल होने से भारतीय टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

आईपीएल नीलामी में बचे 574 खिलाड़ी 81 खिलाड़ियों का दो करोड़ है बेस प्राइस

366 भारतीय और 208 विदेशी, तीन खिलाड़ी एसोसिएट देशों के भी शामिल

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 संस्करण के लिए आगामी मेगा प्लेयर नीलामी 24 और 25 नवंबर, 2024 को जेद्दा सऊदी अरब में होगी। बोली के लिए इंग्लैंड के जोस बटलर के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, भारत के अर्शदीप सिंह, ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क, भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, स्पिनर युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी तैयार हैं। यह सभी खिलाड़ी दो करोड़ रुपए के बेस प्राइस के साथ रजिस्टर हुए हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग ने 2025 संस्करण के लिए बहुप्रतीक्षित खिलाड़ी नीलामी सूची जारी हो चुकी है। इसमें कुल 574 खिलाड़ी सऊदी अरब में मेगा नीलामी में शामिल होंगे। नीलामी सूची में शामिल 574 खिलाड़ियों में से 366 भारतीय और 208 विदेशी दावेदार हैं, जिनमें एसोसिएट देशों के तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। नीलामी में 318 भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ी और 12 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे।

नीलामी इस बार खास होगी क्योंकि ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स, श्रेयस अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स और केएल राहुल को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रिटेन नहीं किया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि दो करोड़ रुपए उच्चतम आरक्षित मूल्य है, जिसमें 81 खिलाड़ियों ने उच्चतम ब्रैकेट में रहने का विकल्प चुना है। 27 खिलाड़ी हैं जिनका आरक्षित मूल्य 1.50 करोड़ है, जबकि 18 खिलाड़ी 1.25 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य के साथ मेगा नीलामी में शामिल हो रहे हैं।

नीलामी की शुरुआत में दो मार्की प्लेयर सेट होंगे। बटलर, श्रेयस अय्यर, पंत, रबाडा, अर्शदीप सिंह और स्टार्क मार्की सेट एक में होंगे, जबकि मोहम्मद शमी, चहल, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मिलर, मोहम्मद सिराज और केएल राहुल मार्की सेट 2 में होंगे। फ्रेंचाइजी ने कुल 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है और कुल मिलाकर 558.5 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

पिछले साल की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और उद्घाटन सीजन के विजेता राजस्थान रॉयल्स ने छह-छह खिलाड़ियों को सुरक्षित करते हुए पूर्ण रिटेंशन का विकल्प चुना था। चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जाइंट्स, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने 4, 3 और 2 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

आईपीएल खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर 4 नवंबर को बंद हो गया है, जिसमें कुल 1574 खिलाड़ियों जिसमें 1165 भारतीय और 409 विदेशी ने टूर्नामेंट के 2025 संस्करण के लिए मेगा नीलामी का हिस्सा बनने के लिए साइन अप किया था।

गांगुली को उम्मीद, रोहित शीघ्र टीम से जुड़ेंगे

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को उम्मीद है कि कप्तान रोहित शर्मा शीघ्र ही भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर को बेटे को जन्म दिया इै। इसी कारण रोहित अभी अपने परिवार के साथ ही रहना चाहते हैं। इसी कारण वह पर्थ में 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से भी बाहर रहेंगे। इसी को लेकर गांगुली ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोहित शर्मा जल्द ही टीम में शामिल होंगे, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। उनकी पत्नी ने शुक्रवार को एक बेटे को जन्म दिया है, इसलिए मुझे मालूम था कि वह अपने घर जाएंगे पर मेरा मानना कि जितनी जल्दी हो सके ऑस्ट्रेलिया में जाकर टीम से जुड़ेंगे। साथ ही कहा कि और अगर मैं उनकी जगह होता, तो पर्थ टेस्ट जरुर खेलता। गांगुली ने साथ ही कहा, ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले जाने वाले पहले टेस्ट में अभी एक सप्ताह का समय है। इसलिए अभी भी उनके पास परिवार के साथ समय बिताकर टीम से जुड़ने का समय है। वह एक बेहतरीन कप्तान हैं जिनकी टीम को जरुरत है। रोहित ने दूसरी बार पापा बनने के बाद सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को ये खुशखबरी दी थी।

वैभव आईपीएल मैगा नीलामी के लिए शामिल किये जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में इस बार बिहार के 13 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। इससे अब वैभव आईपीएल नीलामी में शामिल किये जाने वाले इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। बीसीसीआई की ओर से नीलामी के लिए जारी खिलाड़ियों की सुची में वैभव का नाम देखकर सभी हैरान हैं। आईपीएल मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सउदी अरब के जेद्दा में होगी। इसमें इस बार कुल 574 खिलाड़ियों को छांटा गया है। समस्तीपुर के रहने वाले वैभव बिहार की ओर से रणजी में सलामी बल्लेबाज हैं। वैभव का नाम आईपीएल सूची में 491वें नंबर पर हैं। वह अनकैप्ड खिलाड़ियों के वर्ग (यूबीए9) में शामिल हैं। जिसमें 68वें सेट के खिलाड़ियों में उनका नाम शामिल है। उन्होंने इसी साल जनवरी में बिहार की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद अंडर 19 क्रिकेट सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके पहले ही मैच में वैभव ने शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा था। वैभव का फर्स्ट क्लास मैचों में प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नही रहा है पर वैभव ने अबतक 5 प्रथमश्रेणी मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाये हैं। इसमें उनका सबसे बेहतर स्कोर 41 रन रहा है। वैभव को आगामी अंडर 19 एशिया कप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

जीएसएल 2024 : गुडाकेश मोती गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम में शामिल हुए

जॉर्ज टाउन, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पिन गेंदबाज गुडाकेश मोती एक्सॉनमोबिल गुयाना ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2024 के लिए गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम का हिस्सा होंगे। 2021 में फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण करने के बाद से ही मोती अमेजन वॉरियर्स के लिए एक अहम खिलाड़ी रहे हैं। वह 2023 में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और 2024 सीपीएल फाइनल में अमेजन वॉरियर्स के लिए खेले थे। मोती सीपीएल 2024 के दौरान वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने सिर्फ 18.64 की औसत से 17 विकेट चटकाए थे। वह गुयाना के अपने साथी खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड और कीमो पॉल के साथ मिलकर वॉरियर्स की मजबूत टीम में शामिल हो गए हैं।

जॉनसन और एलिस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 में पाक को हराया

सिडनी, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पेंसर जॉनसन और नेथन एलिस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 13 रन से हराकर 3 मैचों की टी20 सीरीज पर कब्जा कर लिया है। इस मैच में पाकिस्तान की टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 16 रनों की जरूरत थी पर उसके बल्लेबाज इतने रन नहीं बना पाये। ऑस्ट्रेलयाई तेज गेंदबान नेथन एलिस ने अंतिम ओवर में पाक बल्लेबाजों को पेवेलियन भेज दिया। एलिस ने चार गेंदों में ही पाक के बचे हुए बल्लेबाजों को पेवेलियन भेज दिया। इस प्रकार पाक का ऑस्ट्रेलिया को टी20 सीरीज जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया। पाक को अंतिम ओवर में जीत के लिए 16 रन की जरूरत थी और उसकी अंतिम जोड़ी मैदान पर थी। हारिस रउफ और इरफान खान अंतिम ओवर में एलिस का सामना नहीं कर पाये। हारिस ने एलिस की पहली गेंद पर एक रन लिया। इसके बाद दूसरी और तीसरी गेंद पर इरफान एक भी रन नहीं ले सके जबकि चौथी गेंद पर इरफान रन आउट हो गए। इस तरह पाक की पारी सिमट गयी।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 26 रन देकर पांच विकेट लिए। जॉनसन ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में 148 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम अंतिम ओवर में 134 रनों पर ही आउट हो गयी। पाक की ओर से उस्मान खान ने सबसे अधिक 52 रन और इरफान खान ने 37 रन बनाए पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। कप्तान मोहम्मद रिजवान भी 16 रन ही बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम को मैथ्यू शॉर्ट 32 रन और जैक फ्रेजर मैकगुर्क 20 रन ने अच्छी शुरुआत दी।

वहीं पाक तेज गेंदबाज हारिस राउफ 22/4) और अब्बास अफरीदी 17/3 ने इसके बाद अच्छी गेंदबाजी कर अपनी टीम को वापसी करायी। आरोन हार्डी ने अंत में 23 गेंद में 28 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को ठीक-ठाक स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर आजम 03 एलिस का शिकार बने। इसके बाद केवल उस्मान और इरफान के बीच ही 58 रन की साझेदारी हुई। स्पिनर एडम जम्पा ने अपने अंतिम ओवर में दो विकेट लिए।

ऋषभ की खेल में वापसी को चमत्कार मानते हैं शास्त्री

मेलबर्न, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि जिस प्रकार से विकेटकीपर बल्लेबा ऋषभ पंत ने भीषण कार हादसे के बाद वापसी की है वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। ऋषभ ने एक साल से भी अधिक समय के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करते हुए उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। शास्त्री ने हादसे के बाद के समय में याद करते हुए कहा कि जब उन्होंने ऋषभ को अस्पताल में देखा था तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वह वापसी कर पायेंगे। उस समय उनके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। ऐसे में उनकी सफल वापसी चमत्कार ही कही जाएगी। इस आक्रामक क्रिकेटर पंत ने आईपीएल के पिछले सत्र में से खेल में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी वह भारतीय टीम में शामिल थे।

हादसे के बाद लगा था कभी वापसी नहीं कर पायेगा

शास्त्री ने कहा, 'अगर आपने भी उसे तब देखा होता तो आप उससे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं करते। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। वह बहुत दर्द की स्थिति में था। उसके चोटिल होने के एक महीने बाद मैं उसे अस्पताल में देखने गया था। उसे काफी चोट लगी थी और पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। शास्त्री ने कहा, 'उसका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था और हर जगह टांके लगे थे। उस स्थिति से ठीक होकर क्रिकेट खेलना एक चमत्कार है। फिर आगे बढ़ना और विश्व कप विजेता टीम में खेलना और टेस्ट टीम का हिस्सा बनना वास्तव में और भी उल्लेखनीय उपलब्धि है।

भारतीय टीम अभी 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया में है और इस सीरीज में इस बल्लेबाज से काफी उम्मीदें है। ऑस्ट्रेलिया में इस बल्लेबाज का औसत 62 का है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरे में टीम की सफलता में शानदार भूमिका निभाई थी। सड़क दुर्घटना की चोट से वापसी करने के बाद से वह अपने पहले वाले अंदाज में खेल रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'वह शानदार लय के साथ ऑस्ट्रेलिया आया है। वह ऐसा खिलाड़ी जिसका खौफ ऑस्ट्रेलिया की टीम में है। जब वह अस्पताल में था तब हालांकि इस बात की बेहद कम संभावना थी कि वह इस दौरे का हिस्सा बनेगा।

शास्त्री ने कहा, 'अब जब आप उनसे बात करते हैं तो खेल के प्रति उनके मन में सम्मान और भी बढ़ जाता है। अपनी वापसी के बाद से वह इस खेल को और अधिक महत्व देता है। मैंने उसे टेस्ट क्रिकेट के मुताबिक फिटनेस हासिल करने के लिए काफी कड़ी मेहनत करते हुए देखा है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी में मामूली तेजी का रुख

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

एक दिन की मामूली तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया है। चांदी के भाव में आज मामूली तेजी नजर आ रही है। आज सोना 110 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये से लेकर 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,500 रुपये से लेकर 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 89,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सर्दी के मौसम में मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली । देश में सर्दी के मौसम में सॉफ्ट आयल की मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती दिखी। बाजार सूत्रों के मुताबिक सरकार ने खाद्यतेलों के आयात शुल्क में वृद्धि की है, जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दाम मजबूत हो गए हैं। इस बढ़ती मांग के परिणामस्वरुप सरसों की आवक कम हो रही है। हरियाणा में सहकारी संस्थाओं ने ज्यादातर सरसों की खरीद कर ली है, लेकिन इससे आवक में अभी भी कमी है। सूत्रों का कहना है कि सरसों की संभलकर बिक्री की जानी चाहिये ताकि खाद्यतेल बाजार में सभी चीजों का उपलब्धता बना रहे। विदेशों में भी खाद्य तेलों के निर्माण में बढ़ोतरी की वजह से खाद्य तेलों की मांग बढ़ी है। सोयाबीन तेल के भी दाम में सुधार देखा गया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 85 रुपये के सुधार के साथ 6,700-6,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 25 रुपये की तेजी के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 2,310-2,410 रुपये और 2,310-2,435 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। डीओसी की स्थानीय मांग के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,360 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमश: 125 रुपये, 175 रुपये और 75 रुपये बढ़कर क्रमश: 14,650 रुपये, 14,400 रुपये और 10,675 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन का भाव जहां 275 रुपये के सुधार के साथ 6,725-7,000 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 425 रुपये की तेजी के साथ 15,675 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 70 रुपये की तेजी दर्शाता 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने निवेश विनिर्माण क्षमता बढ़ाने 20 अरब डॉलर का किया निवेश

ADITYA BIRLA GROUP

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने अपनी एक बड़ी घोषणा की है, जिसमें 20 अरब डालर का भारी निवेश किया गया है ताकि वह विभिन्न सेक्टर्स में टॉप 2 कंपनियों में से एक बन सके। यह निवेश विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया गया है। ग्रुप की योजना है कि अगले दशक में अपनी सीमेंट उत्पादन क्षमता को 20 करोड़ टन तक बढ़ाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पिछले 36 वर्षों में 10 करोड़ टन की क्षमता विकसित की है और अब उसे और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदित्य बिड़ला ग्रुप का व्यवसाय स्केल और दीर्घकालिक विकास पर आधारित है और वे हर व्यवसाय में नंबर एक या दो बनने की चाहत रखते हैं। उन्होंने अपने व्यवसाय के लंबे समय की दृष्टि से इस निवेश के महत्व को बताया।

प्राइमरी मार्केट में इस सप्ताह सिर्फ 3 आईपीओ की लॉन्चिंग, 3 कंपनियों के शेयरों की भी होगी लिस्टिंग

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

सोमवार से शुरू हो रहे हैं कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में तुलनात्मक तौर पर कम हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 3 कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इन कंपनियों में से सिर्फ एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में भी इस सप्ताह की शुरुआत में बोली लगाने का मौका रहेगा। लिस्टिंग की बात करें, तो इस सप्ताह 3 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। आने वाले सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 19 नवंबर को एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाला है। इस आईपीओ के तहत 102 से 108 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 138 शेयर का है। आईपीओ 22 नवंबर को क्लोज होगा, जबकि 27 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसी तरह लैमोजेक इंडिया का 61.20 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 200 रुपये का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग अगले सप्ताह 26 नवंबर को होगी। कंपनी के शेयर 29 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 22 नवंबर को सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी का लक्ष्य 99.07 करोड़ रुपये जुटाने का है। इसकी क्लोजिंग अगले सप्ताह 26 नवंबर को होगी। आईपीओ के तहत 214 से 226 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की 29 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इनके अलावा पिछले सप्ताह 13 नवंबर को ओपन हुए ओनिक्स बायोटेक के 29.34 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक पैसे लगाने का मौका है। ये आईपीओ अभी तक 10 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। आईपीओ के तहत 58 से 61 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 13 नवंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के आईपीओ में भी कल तक पैसे लगाए जा सकते हैं। 1,114.72 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए 259 से 273 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 54 शेर का है। कंपनी के शेयर 21 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किए जाएंगे। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान तीन कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग होने वाली है। सप्ताह के पहले दिन ही नीलम लिनेन्स एंड गारमेंट्स के शेरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी।

विदेशी संपत्ति, आय का खुलासा न करने पर 10 लाख का जुर्माना: आयकर विभाग

नई दिल्ली । देश में आयकर विभाग ने करदाताओं को एक चेतावनी जारी की है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी विदेश में स्थित संपत्ति या विदेशी आय का खुलासा नहीं करता है तो उसे कालाधन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। विभाग ने अपने अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान के तहत एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है जिसका मकसद है करदाता को समझाना कि वे इस वर्ष के आईटीआर में अपनी विदेशी संपत्ति और आय का विवरण दें। कर विभाग की ओर से दी गई चेतावनी के अनुसार करदाता को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति और आय का विवरण अनिवार्य रूप से भरना होगा, भले ही उनकी आय कम हो या विदेश से प्राप्त हो। अधिक जानकारी के लिए करदाताओं को अपने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। विभाग ने कहा है कि उन व्यक्तियों को सूचित किया जाएगा जिन्होंने पहले ही अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है और उन्हें विदेशी संपत्ति या आय के बारे में जानकारी नहीं भरने की सुझाव दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसे कर अधिरोपण अधिनियम, 2015 के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। इसलिए करदाताओं को सुझाव दिया जा रहा है कि वे अपने आईटीआर को समय पर और सही जानकारी के साथ भरें ।

हुंदै मोटर इंडिया ने सीएनजी वाहनों पर दांव लगाया मांग में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां) ।

कंपनी के सीएनजी मॉडल की हिस्सेदारी बिक्री में 2023-24 वित्त वर्ष में 11.4 प्रतिशत तक बढ़ी

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने सीएनजी वाहनों पर दांव लगाते हुए बताया कि देश के ग्रामीण और शहरी बाजारों में सीएनजी विकल्पों की मांग में तेजी की उम्मीद है। एचएमआईएल के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी की सीएनजी मॉडल की हिस्सेदारी बिक्री में 2023-24 वित्त वर्ष में 11.4 प्रतिशत तक बढ़ गई है। कंपनी ने एक्सटर और ग्रैंड आई10 नियोस मॉडल में हाई-सीएनजी डुओ पेश किया है जो ग्राहकों की मांगों को पूरा करता है। इससे कंपनी ने 2024 तक सीएनजी मॉडलों में उच्चतम सीएनजी पैठ हासिल करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इससे जुड़े ग्राहकों के लिए तीन साल की वारंटी प्रदान करने का भी ऐलान किया। एचएमआईएल ने बताया कि उसने शहरी और ग्रामीण बाजारों में सीएनजी मॉडल की पहुंच में वृद्धि देखी है, इससे भविष्य में और वृद्धि की उम्मीद है। साथ ही एचएमआईएल के प्रतिनिधित्व ने बताया कि कंपनी द्वारा अपने सीएनजी सिस्टम में इकाई बिक्री में बड़ी उछाल देखी जा रही है। इसके साथ ही वह बताया कि वर्तमान में भारत में 7,000 से अधिक सीएनजी स्टेशन हैं और 2030 तक यह आंकड़ा लगभग 17,500 पर पहुंचाने का लक्ष्य है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि सीएनजी विकल्पों की मांग में सुरक्षित और उच्च माइलेज वाले वाहनों की पहचान हो रही है और कंपनी उसके मपाचारिकी को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। आखिरकार, एचएमआईएल ने आंकड़े से दिखाया कि उनकी सीएनजी मॉडलों की पोपुलैरिटी बिक्री में दृष्टिगत बढ़ा रही है और वह ग्राहकों को उच्च डुओ क्वालिटी और सीएनजी पैठ की गारंटी देने के लिए तैयार है।

भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 25000 करोड़ के पार

सीपीडी का निर्यात भी अक्टूबर माह में 11.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली,17 नवंबर (एजेंसियां) ।

रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने अक्टूबर माह में भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में 9.18 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इस बढ़ोतरी के फलस्वरूप निर्यात राशि 2,998.04 मिलियन अमरीकी डॉलर यानी 25,194.41 करोड़ रुपये हो गई है। जीजेईपीसी ने बताया कि कटे और पॉलिश किए गए हीरे की मांग में सुधार के कारण निर्यात में इस तरह की वृद्धि देखी गई है। सीपीडी (कट और पॉलिश्ड डायमंड) का भी निर्यात अक्टूबर माह में 11.32 प्रतिशत बढ़कर 1,403.59 मिलियन अमरीकी डॉलर (11,795.83 करोड़ रुपये) हो गया है, जो पिछले साल की रिकॉर्ड की तुलना में अधिक है। जीजेईपीसी के एक अधिकारी ने इस वृद्धि को उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य माना और उम्मीद जताई कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर भी आशावाद जताई है और उसके वादे के प्रति भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में व्यापार, व्यवसाय और आपूर्ति श्रृंखलाओं में पुनरुद्धार के समर्थन से रत्न और आभूषणों की वैश्विक मांग को बढ़ावा मिलेगा। इस सफलता के साथ भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग ने नए भागों में विस्तार के लिए कदम उठाने का निश्चय किया है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ घटा

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान वाली घरेलू कंपनी बनी रही

मुंबई, 17 नवंबर (एजेंसियां) ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में हलचल देखने को मिली है। पिछले सप्ताह इन कंपनियों के कुल मूल्यांकन में 1,65,180.04 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई है। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सबसे अधिक नुकसान झेला। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे थे। इस दौरान निजी क्षेत्र की एचडीएफसी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। एसबीआई का मूल्यांकन 34,984.51 करोड़ रुपये घटकर 7,17,584.07 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 27,830.91 करोड़ रुपये घटकर 5,61,329.10 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 22,057.77 करोड़ रुपये घटकर 17,15,498.91 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर 5,82,764.02 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का एमकैप 11,215.87 करोड़ रुपये घटकर 8,82,808.73 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 4,079.62 करोड़ रुपये घटकर 5,74,499.54 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 2,832.38 करोड़ रुपये घटकर 8,85,599.68 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 13,681.37 करोड़ रुपये बढ़कर 7,73,962.50 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप 416.08 करोड़ रुपये बढ़कर 15,00,113.36 करोड़ रुपये हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नाइजीरिया के...

साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देते हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी वार्ता के बाद हमारे संबंधों में एक नया अध्याय शुरू होगा। पीएम मोदी ने लगभग 60,000 की संख्या वाले भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत-नाइजीरिया संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बताया और उनके कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए टीनूबू को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि बाढ़ से प्रभावित नाइजीरियाई लोगों के लिए भारत 20 टन राहत सामग्री भेज रहा है। उन्होंने पिछले साल भारत द्वारा आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ के जी-20 का स्थायी सदस्य बनने का भी उल्लेख किया और इसे एक महत्वपूर्ण परिणाम बताया।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले, मोदी और टीनूबू ने राष्ट्रपति भवन में आमने-सामने की बैठक की। इस दौरान सबसे पहले प्रधानमंत्री का औपचारिक स्वागत भी किया गया। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद दोनों पक्षों की तरफ से कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा नाइजीरिया में हैं। अबुजा से वे जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील जाएंगे। आखिरी में पीएम मोदी गुयाना का दौरा करेंगे। अक्टूबर 2007 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अफ्रीकी राष्ट्र की यात्रा के दौरान भारत-नाइजीरिया संबंधों को रणनीतिक-साझेदारी का दर्जा दिया गया था। नाइजीरिया छह दशकों से अधिक समय से भारत का करीबी साझेदार रहा है। नई दिल्ली ने 1960 में नाइजीरिया के स्वतंत्र होने से दो साल पहले नवंबर 1958 में लागोस में अपना राजनयिक सदन स्थापित किया था। पश्चिम अफ्रीका में सबसे बड़े लगभग 60,000 के बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की उपस्थिति दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों के महत्व को बढ़ाती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, 200 से अधिक भारतीय कंपनियों ने नाइजीरिया के सभी महत्वपूर्ण विनिर्माण क्षेत्रों में लगभग 27 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश किया है और ये कंपनियां संघीय सरकार के बाद दूसरी सबसे बड़ी नियोक्ता हैं। भारत दो मोर्चों पर नाइजीरिया का विकास भागीदार बनकर उभरा है, रियायती ऋण (100 मिलियन अमरीकी डॉलर) के माध्यम से विकास सहायता प्रदान करके और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नाइजीरिया के राष्ट्रपति से कहा, मैं भारत और नाइजीरिया के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए आपकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मुझे खुशी है कि पिछले साल भारत की अध्यक्षता में नाइजीरिया पहली बार अतिथि देश के रूप में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल हुआ, साथ मिलकर हमने अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता प्रदान की। मुझे लगता है कि यह ऐतिहासिक था। यह खुशी की बात है कि नाइजीरिया को ब्रिक्स में भागीदार देश का दर्जा दिया गया है। मैं नाइजीरिया को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।

अब सच...

फिल्म में विक्रांत मैसी एक पत्रकार की भूमिका में दिखे हैं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर स्लो ओपनिंग मिली लेकिन वीकेंड आते ही इसे देखने के लिए दर्शकों में इंट्रेस्ट बढ़ रहा है।

मणिपुर के...

अमित शाह कि जगह अब इन सभाओं को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और स्मृति इरानी संबोधित करेंगे। मणिपुर में अस्थिर हालात पर केंद्रीय गृह मंत्रालय लगातार नजर बनाए हुए है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को मणिपुर में शांति व्यवस्था बहाल करने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। गृह मंत्री कल भी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।मणिपुर के जिरीबाम से सोमवार से लापता छह लोगों में से एक महिला और दो बच्चों के शव नदी में तैरते पाए गए थे। रविवार सुबह यह दावा किया जा रहा है कि यहां एक और महिला का शव मिला है। दावा है कि असम के कछार जिले में बराक नदी से पुलिस ने शव बरामद किया है, जो जिरीबाम की सीमा पर है। यह शव उस जगह से नीचे की ओर है, जहां तीन अन्य शव बरामद किए गए थे। हालांकि, शव की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन यह भी छह लापता लोगों में से एक का शव होने का संदेह है।इसे लेकर मणिपुर में उग्र भीड़ ने इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में शनिवार रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन और विधायकों व कांग्रेस के एक विधायक के आवास में आग लगा दी। साथ ही सुरक्षाबलों ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के पैतृक आवास में घुसने की प्रदर्शनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया।

एनपीपी ने एनडीए...

मणिपुर में फिलहाल भाजपा नीत सरकार पर एनपीपी के समर्थन लेने के बाद भी कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि 60 विधानसभा सीट वाले राज्य में भाजपा के पास 37 सीटें हैं।

इस तरह से भाजपा राज्य में बिना किसी समर्थन के सरकार चला सकती है, क्योंकि बहुमत के लिए भाजपा को किसी से समर्थन की जरूरत नहीं है। वहीं अन्य पार्टियों की बात करें तो इसमें नगा पीपुल्स फ्रंट के पांच सीटें, एनपीपी सात, जनता दल (यू) एक, निर्दलीय उम्मीदवार तीन, कांग्रेस के पास पांच सीटें और कुकी पीपुल्स अलायंस के पास विधानसभा में दो सीटें हैं। पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में रह-रहकर हिंसा की खबरें आ रही हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अफसरों के साथ मणिपुर की हालत को लेकर अहम बैठक भी की है। इस बैठक में अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, इसके अलावा गृह मंत्री कल इस मुद्दे पर विस्तृत बैठक करेंगे।

कैलाश गहलोत...

आपा सरकार बच नहीं सकती है। उन्होंने केजरीवाल पर झूठे वादे करने और दिल्ली के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल खोखले वादों से जनता को गुमराह करते रहते हैं और दिल्ली की प्रगति के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया है। गहलोत ने पार्टी की विफलताओं को स्वीकार करने की शालीनता दिखाई है। उनका इस्तीफा एक ऐसा साहस और जवाबदेही का संकेत है, जो आप के नेतृत्व में पूरी तरह से गायब है। गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी की गिरती साख का मजबूत संदेश है और यह बताता है कि आपा आंतरिक भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन से ग्रस्त है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों से पारदर्शी और प्रभावी नेतृत्व की आवश्यकता को पहचानने का आग्रह किया तथा यहां और देश की वास्तविक प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बांग्लादेशियों को...

उन्होंने आरोप लगाया कि, हेमंत सोरेन, जो जमानत पर बाहर हैं, फिर से जेल जाएंगे। वह 5,000 करोड़ रुपए के खनन घोटाले, 236 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले और कई अन्य घोटालों में लिप्त हैं। हेमंत सोरेन सरकार ने फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई और लोगों में अशांति पैदा की। अब उनके जाने का समय आ गया है। हम यहां सरकार बनाएंगे।

भैरव अष्टमी 22 नवंबर को, इस दिन व्रत रखने से सभी कार्य सिद्ध होंगे

ब्रह्म योग, इंद्र योग और रवि योग में 22 नवंबर को भैरव अष्टमी मनाई जाएगी। भैरव अष्टमी को देवाधिदेव महादेव के रूद्र रूप काल भैरव की पूजा की जाती है। भैरव अष्टमी का व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर काल भैरव देव की पूजा की जाती है। भैरव अष्टमी का व्रत को करने से साधक को विशेष कार्य में सफलता और सिद्धि मिलती है। तंत्र विद्या सीखने वाले साधक कालाष्टमी पर काल भैरव देव की कठिन उपासना करते हैं।

धार्मिक कथाओं के अनुसार इस दिन भगवान काल भैरव का जन्म हुआ था। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव की पूजा विधि-विधान के साथ की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान काल भैरव पूजा-पाठ, दान करने से प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी देते हैं।

कालाष्टमी भैरव अष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 22 नवंबर को शाम छह बजकर सात मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का समापन 23 नवंबर को शाम सात बजकर 56 मिनट पर होगा। काल भैरव देव की पूजा निशा काल में होती है। इसलिए 22 नवंबर को कालाष्टमी मनाई जाएगी। इस दिन मासिक कृष्ण जन्माष्टमी भी मनाई जाएगी।

कालाष्टमी पर शुभ योग

इस दिन ब्रह्म योग के साथ ही इंद्र योग का निर्माण होगा। इसके अलावा, रवि योग भी बनेगा। इन योग में भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

काल भैरव मंदिरों में तैयारियां शुरू

भैरव अष्टमी में सप्ताहभर शेष है। ग्वालियर के प्रमुख भैरव मंदिर नया बाजार चौराहा, सराफा बाजार, माधवगंज, स्टेशन पुल के नीचे मंशापूर्ण हनुमान मंदिर व सिटी सेंटर स्थित महाबली हनुमान मंदिर विराजित भैरव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गईं हैं। मंदिरों की साफ-सफाई की जा रही है। हनुमान जी की तरह भैरवजी की प्रतिमा सिंदुर का चोला अर्पित किया जाता है। मूंग व उड़द की दाल के मंगौड़े, ईमरती, कचौड़ी का भोग विशेष अर्पित होता है। भैरव अष्टमी के साथ 56 भोग व भंडारों का भी आयोजन किया जाएगा।

6 दिसंबर को विवाह पंचमी

जानें सही डेट और पूजा मुहूर्त

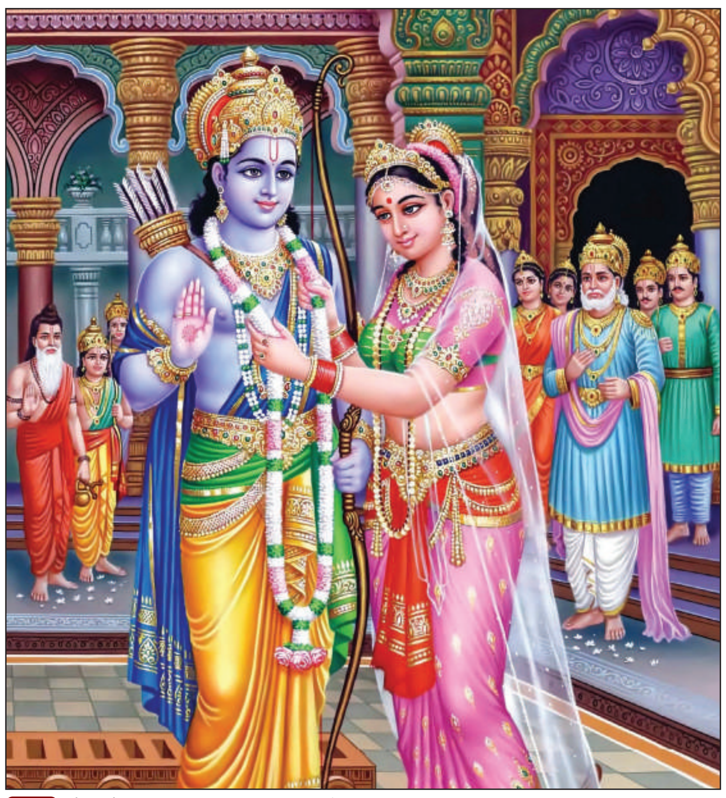

मार्गशीर्ष यानी अगहन मास के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था. यही वजह है कि इस दिन को लोग विवाह पंचमी के रूप में मनाते हैं. हिंदू धर्म में इसकी विशेष महत्ता है. इस दिन किए गए धार्मिक कार्य, राम-सीता का विवाह अनुष्ठान वैवाहिक जीवन के तमाम कष्टों का नाश करता है. विवाह पंचमी 2024 में कब है, नोट कर लें डेट, पूजा मुहूर्त.

विवाह पंचमी

विवाह पंचमी 6 दिसंबर 2024 को है. इस दिन भगवान राम और माता सीता जी की विवाह वर्षगांठ मनाई जाएगी. मनचाहा जीवनसाथी और सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद पाने के लिए इस दिन राम और सीता जी की विशेष पूजा करनी चाहिए.

विवाह पंचमी मुहूर्त

मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 5 दिसंबर 2024 को प्रात: 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 6 दिसंबर 2024 को प्रात: 12 बजकर 07 मिनट पर समाप्त होगा.

सुबह 07.00 - सुबह 10.54

शाम का मुहूर्त - शाम 06.06 - शाम 05.24

विवाह पंचमी का धार्मिक महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार विवाह पंचमी के दिन न सिर्फ भगवान श्री राम और सीता का विवाह हुआ था बल्कि इसी दिन गोस्वामी श्री तुलसी दास जी ने रामायण का अवधी संस्करण पूरा किया था.

मान्यता है कि विवाह पंचमी के दिन भगवान श्री राम और माता जानकी की पूजा और तुलसीदास जी रचित श्री रामचरितमानस की सिद्ध चौपाइयों का जाप करने पर साधक को मनचाहे फल की प्राप्ति होती है.

विवाह पंचमी पूजा विधि

* विवाह पंचमी पूजा के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करके नए कपड़े पहनकर पूजा की चौकी तैयार करें.
* चौकी पर एक कपड़ा बिछाकर पूजा सामग्री रखें
* राम और सीता की मूर्तियां स्थापित कर उन्हें दूल्हे और दुल्हन की तरह तैयार करें.
* फल, फूल व अन्य पूजा सामग्री के साथ दोनों देवताओं की पूजा आराधना करें. मान्यता है इससे विवाह में विलंब नहीं होता.

साल का आखिरी पूर्णकालिक गुरु पुष्य योग 21 को

खरीदारी का महा मुहूर्त

इस वर्ष का अंतिम पूर्णकालिक गुरु पुष्य योग 21 नवंबर, गुरुवार को रहेगा। इस दिन गुरुवार के साथ पुष्य नक्षत्र का संयोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक रहेगा, जिससे यह पूर्णकाल योग अत्यधिक फलदायी माना जा रहा है। इस योग में रवि योग और अमृत सिद्धि योग का भी संयोग है, जो इसे और भी उत्तम फलकारी बनाते हैं। यह विशेष योग स्थिरता प्रदान करने वाला है और इस दिन पीली धातु, पीले अनाज, पीले वस्त्र, मांगलिक कार्यों के लिए वस्तुएं, धार्मिक सामग्री, पुस्तकें, साहित्य और सामाजिक-धार्मिक कार्यों के लिए संकल्प जैसी चीजें खरीदना शुभ रहेगा।

चार शुभ योग देंगे चार गुना फल

मध्य प्रदेश के ग्वालियर के पंडित विनोद गौतम ने बताया कि गुरु पुष्य नक्षत्र का यह महा मुहूर्त विशेष रूप से खरीदारी में स्थिरता प्रदान करेगा, जो विवाह और मांगलिक कार्यों के लिए उपयुक्त माना गया है।

इस दिन के चार शुभ योग- गुरु पुष्य योग, रवि योग, अमृत सिद्धि योग और शुभ योग, चार गुना फल प्रदान करेंगे। यह दिन भूमि, भवन, सोना, पीतल की मूर्तियां, मंदिर, पूजा की सामग्री की खरीदारी के लिए अत्यधिक लाभकारी रहेगा।

मार्गशीर्ष माह का महत्वपूर्ण दिन

हिंदू पंचांग के अनुसार, 16 नवंबर से मार्गशीर्ष माह की शुरुआत हो गई है। इस दौरान विवाह पंचमी समेत अन्य प्रमुख त्योहार मनाए जाएंगे। इस बीच, गुरु पुष्य होने के कारण 21 नवंबर का दिन भी अहम है।

इससे पहले 15 अक्टूबर को देशभर में कार्तिक पूर्णिमा मनाई गई। इस अवसर पर प्रमुख शहरों में धार्मिक मेले का शुभारंभ हुआ। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

प्रात: काल से शुरू हुआ मुख्य स्नान का क्रम शाम तक चलता रहा। श्रद्धालुओं ने मुख्य स्नान करने के बाद भगवान के दर्शन किए। स्नान घाट पर सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए।

इसी दिन, गुरु नानक जयंती के रूप में प्रकाश पर्व भी मनाया गया। प्रमुख गुरुद्वारों में पहुंचने वाले सिख समुदाय के लोगों ने गुरु ग्रंथ को मत्था ठेका और श्रद्धालुओं ने लंगर चखा। सिख धर्म के संस्थापक और सिखों के पहले धर्मगुरु गुरु नानक देव की जयंती गुरुद्वारे में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गई।

गुरु नानक का जन्म कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 1526 ई. में हुआ था। यही कारण है हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है।

11 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी मनाई जाएगी

हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन मोक्षदा एकादशी मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि मोक्षदा एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण ने अपने परम शिष्य अर्जुन को गीता ज्ञान दिया था। अतः मोक्षदा एकादशी तिथि पर गीता जयंती भी मनाई जाती है।

शुभ मुहूर्त - वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 11 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 42 मिनट पर शुरू होगी और 12 दिसंबर को देर रात 01 बजकर 09 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। अतः 11 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी मनाई जाएगी।

मोक्षदा एकादशी महत्व- सनातन धर्म में एकादशी पर्व का विशेष महत्व है। इस शुभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है। इसके साथ ही एकादशी का व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को अश्वमेघ यज्ञ समान फल की प्राप्ति होती है। भगवान कृष्ण की कृपा भक्तों पर बरसती है। उनकी कृपा से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

शुभ योग- ज्योतिषियों की मानें तो मोक्षदा एकादशी पर सर्वप्रथम वरीयान योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही रवि योग का भी संयोग बन रहा है। इसके अलावा, भद्रावास का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है। इन योग में जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशियों का आगमन होगा।

पंचांग -सूर्योदय - सुबह 07.04 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 05.25 मिनट पर

चन्द्रोदय- दोपहर 02.05 मिनट पर

चंद्रास्त- रात 03 बजकर 33 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05.15 मिनट से 06.09 मिनट तक...

विजय मुहूर्त - दोपहर 01.58 मिनट से 02.39 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05.22 मिनट से 05.50 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11.48 मिनट से 12.42 मिनट तक

सूर्य देव ने अपने मित्र मंगल की वृश्चिक राशि में किया प्रवेश अगले 30 दिन होगा इतना शुभ, खुद नहीं कर पाएंगे भरोसा

ग्रहों के राजा भगवान सूर्यदेव ने 16 नवंबर, शनिवार को तुला राशि को छोड़कर अपने मित्र मंगल की वृश्चिक राशि में प्रवेश कर लिया। साथ ही बुध के साथ मिलकर बुधादित्य राजयोग का निर्माण भी किया। इस गोचर के दौरान सूर्य व बृहस्पति के बीच समसप्तक योग बना। साथ ही वेशी योग का प्रभाव में भी रहा।

सूर्य के इस राशि परिवर्तन का सभी 12 राशियों पर शुभ और अशुभ असर होगा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के ज्योतिषाचार्य पंडित रवि शर्मा ने बताया कि वर्ष के अंत में सूर्य का गोचर कई राशियों के लिए सौभाग्य लेकर आएगा।

सूर्य के गोचर का विभिन्न राशियों पर असर

मेष राशि: इस राशि के जातक अगले 30 दिनों तक अधिक आत्मविश्वास और जवान अनुभव करेंगे। नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी, व्यापार वृद्धि का योग है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा व धन लाभ होगा।

वृष राशि: सूर्य गोचर के प्रभाव से वृष राशि के जातकों के लिए नौकरी व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहने की संभावना है। सरकारी नौकरी पाने के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक दृष्टि लाभकारी, विपरीत लिंग के मित्रों और रिश्तेदारों से लाभ होगा।

मिथुन राशि: आपकी कुंडली के तीसरे भाव के स्वामी सूर्य छठे भाव में गोचर करने जा रहे हैं। जिससे आपके रोग व शत्रुओं का उचित न्याय संगत समाधान होगा। कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, जीवन साथी के साथ संबंध मजबूत रहेंगे व सेहत अच्छी रहेगी।

कर्क राशि: सूर्य का गोचर आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। सफलता मिलेगी, उधार दिया हुआ पैसा वापस आएगा जिससे, आर्थिक रूप से लाभकारी रहेगी।

सिंह राशि: आपकी मानसिक स्थिति पर बहुत अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। सकारात्मक रहेंगे, तनाव कम होगा, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, धन लाभ होगा, परिवार का सहयोग रहेगा व जीवन में खुशियां बढ़ेंगीं।

कन्या राशि: आपकी राशि से तृतीय पराक्रम भाव में सूर्य का गोचर होगा, जो आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा। साहसिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ होगा व सामाजिक उन्नति बढ़ सकती है।

तुला राशि: धन भाव स्थान पर गोचर से लाभ होगा। राजनीतिक करियर में सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी में लाभ व अटके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

वृश्चिक राशि: सूर्य इसी राशि में गोचर कर रहे हैं, इस कारण आपको अपने काम में सफलता मिलेगी। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सरकारी कामकाज के लिए उपयुक्त है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी उत्पन्न होने की संभावना है।

धनु राशि: सूर्य के गोचर के दौरान आध्यात्मिक क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ होगा। नए निवेश लाभदायक रहेंगे। निजी जीवन व प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखेंगे। आर्थिक उन्नति होगी।

मकर राशि: सूर्य के गोचर के प्रभाव से आप अपने कार्यों में सफल होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। दोस्तों के सहयोग से सभी जरूरी कार्य पूर्ण हो सकते हैं।

कुंभ राशि: व्यापार में लाभ होगा। यदि नई कार, फ्लैट या अपार्टमेंट खरीदना चाहते हैं तो सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है। पिता तथा गुरुजनों का सहयोग मिलेगा। इस दौरान आपकी रुचि अध्यात्म में बढ़ेगी।

मीन राशि: इस राशि के जातक इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बाहर निकलेंगे। आर्थिक उन्नति की संभावना है। कुछ नवीन कार्यों के बनने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

कंस, शकुनि, कृष्ण समेत महाभारत के ये 5 मामा थे बड़े प्रतापी

महाभारत में कई महत्वपूर्ण किरदार रहें. लेकिन बात जब महाभारत के मामाश्री की हो तो कंस और शकुनि मामा का नाम सबसे पहले लिया जाता है. आज भी लोग कुछ घटनाओं पर कंस और शकुनि मामा के उदाहरण देते हैं.

लेकिन महाभारत काल में एक-दो नहीं बल्कि पांच ऐसे मामा थे जिनकी खूब चर्चा होती है. अपने कारनामों से ये महाभारत के प्रतापी मामा कहलाते हैं. आइये जानते हैं महाभारत के 5 प्रतापी मामाश्री के बारे में-

कंस मामा -: कंस मामा की चर्चा हर जगह होती है. जनपद मगध के सम्राट और जरासंध के दामाद कंस भगवान श्रीकृष्ण के मामा थे. कंस जोकि पूर्व जन्म में कालनेमि नामक राक्षस था और भगवान विष्णु ने उसका वध किया था. कंस को लेकर ऐसी भविष्यवाणी हुई कि उसकी बहन देवकी के पुत्र के हाथों की उसकी मृत्यु होगी. इसके बाद कंस ने अपनी बहन और जीजा को बंदी बनाकर कारावास में रखा और एक-एक कर इसकी संतानों को जन्म के बाद ही हत्या करता गया. लेकिन देवकी और वसुदेव की आठवीं संतान श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर दिया.

शकुनि मामा -: महाभारत में मामाश्री शकुनि बहुत प्रसिद्ध है. महाभारत युद्ध की नींव ही शकुनि ने रखी. उसके छलपूर्वक पासे के कारण पांडव और कौरवों के बीच युद्ध हुआ. लेकिन इसी युद्ध में शकुनि भी मारा गया.

शल्य मामा -पांडवों के मामा का नाम शल्य था. कौरव भी इन्हें मामा कहते थे. शल्य बहुत बड़े रथी यानी रथ चलाने वाले थे. महाभारत युद्ध में दुर्योधन ने शल्य मामा को छलपूर्वक अपनी ओर से युद्ध लड़ने के लिए राजी कर लिया और उन्हें कर्ण का सारथी बनाया.

कृपाचार्य -कृपाचार्य अश्वत्थामा के मामा थे. अश्वत्थामा ने जब द्रौपदी के पांचों पुत्रों का सोते समय वध कर दिया तब गांधारी ने कृपाचार्य से कहा कि, अश्वत्थामा के इस पाप के भागीदार आप भी हैं, क्योंकि आप इस पाप को होने से रोक सकते थे. बाद में कृपाचार्य को इस बात का पछतावा भी हुआ, क्योंकि वे चाहते थे तो अश्वत्थामा को ऐसा करने से रोक सकते थे.

श्रीकृष्ण - श्रीकृष्ण ने अपने मामा कंस का वध किया था. लेकिन वे स्वयं अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु के मामा थे. श्रीकृष्ण यह अच्छी तरह से जानते थे कि अगर अभिमन्यु चक्रव्यूह में गए तो चारों ओर से घिर सकते हैं. लेकिन इसके बाद भी कृष्ण ने अभिन्यु को चक्रव्यूह तोड़ने के लिए भेज दिया, जिसमें उसकी निर्मम हत्या कर दी गई. कहा जाता है कि महाभारत के युद्ध में जिसके साथ जो भी हुआ वह कृष्ण की इच्छा से ही हुआ.

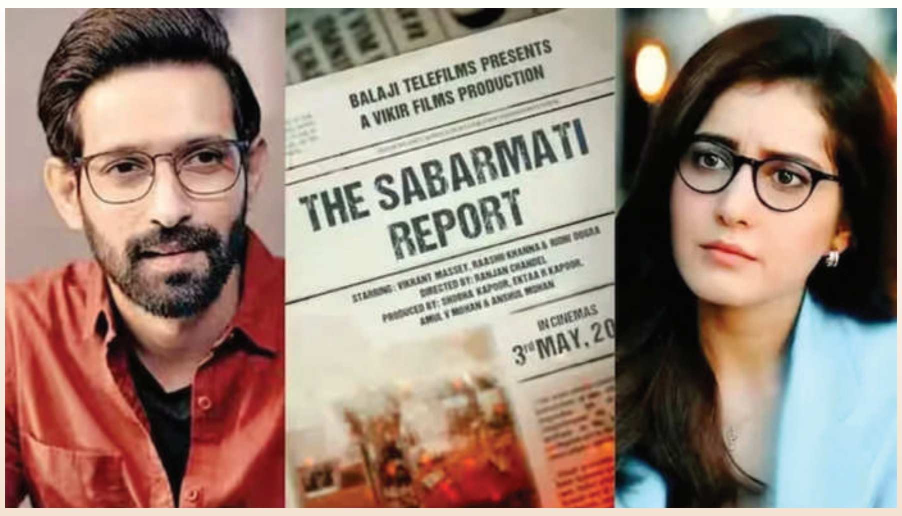

द साबरमती रिपोर्ट की बॉक्स ऑफिस पर स्लो ओपनिंग

अभिनेता विक्रांत मैसी काफी समय से फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर चर्चा में हैं। बीते शुक्रवार यानी 15 नवंबर को उनकी इस फिल्म ने सिनेमाघरों का रुख किया।इसमें भले ही विक्रांत की अदाकारी की तारीफ हुई, लेकिन कमजोर पटकथा और कहानी के चलते विक्रांत भी फिल्म की नैया पार नहीं लगा पाए।अब फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं।आइए जानें विवादों के बीच आई इस फिल्म के पहले दिन का कारोबार।सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन केवल 1.15 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो बेहद ही कम हैं।इस फिल्म को एडवांस बुकिंग में भी कोई फायदा नहीं मिला है, लेकिन निर्माताओं को उम्मीद है कि फिल्म को वीकेंड का फायदा जरूर मिलेगा।बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट 50 करोड़ रुपये के बजट में बनी है और पहले दिन की कमाई देख तो लगता है कि हिट होने के लिए फिल्म को काफी लंबा सफर तय करना होगा।यह गुजरात के गोधरा कांड पर आधारित है। 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस अयोध्या से अहमदाबाद जा रही थी, जिसमें ज्यादातर हिंदू तीर्थयात्री सवार थे।इस ट्रेन के एक कोच में कुछ लोगों ने आग लगा दी थी और इस घटना में 59 लोगों की जान चली गई। इसके चलते पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे।इस घटना और दंगों को हिंदी और अंग्रेजी मीडिया ने कैसे दिखाया, फिल्म द साबरमती रिपोर्ट इसे ही दिखाती है।द साबरमती रिपोर्ट का निर्देशन धीरज सरना ने किया है। फिल्म में विक्रांत एक पत्रकार की भूमिका में नजर आए हैं। उनके साथ रिद्धि डोगरा और राशि खन्ना भी अहम किरदार निभाती दिखी हैं।बता दें कि द साबरमती रिपोर्ट के चलते विक्रांत को जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। उनके साथ-साथ उनके 9 महीने के बेटे को भी धमकाया गया था।

इसके बाद विक्रांत बोले थे कि वह इसके कारण अपनी कहानियां कहना बंद नहीं करेंगे।उधर 1 नवंबर को सिंघम अगेन सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। पहले दिन सिंघम अगेन ने अपना जलवा बिखेरा था, लेकिन दिन बढ़ने के साथ इसकी कमाई में कमी आ गई.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंघम अगेन ने रिलीज के 15वें दिन 2.75 करोड़ रुपये और भूल भुलैया 3 ने 4 करोड़ रुपये की कमाई की है।

तृप्ति डिमरी ने रेड आउटफिट में कहर ढाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह रेड आउटफिट में कहर ढाती नजर आ रही हैं। तृप्ति ने इस लुक में एक रेड लेदर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है, जो उनकी स्टाइल को और भी ग्लैमरस बना रही है। लाइट मेकअप, खुले बाल और स्टाइलिश ईयररिंग्स के साथ तृप्ति ने कई कातिलाना पोज़ दिए हैं, जो फैंस को दीवाना बना रहे हैं। तृप्ति के इस हॉट लुक को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस की जमकर प्रतिक्रिया आ रही है। उनके फॉलोअर्स कमेंट्स में दिल और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ कर रहे हैं।तृप्ति का ये लुक और उनकी कातिल अदाएं फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं। इस ड्रेस में तृप्ति का कॉन्फिडेंस और उनकी अदा वाकई में काबिल-ए-तारीफ है। उनके स्टाइल और पर्सनालिटी के इस अनोखे मेल ने फैंस को एक बार फिर से उनका दीवाना बना दिया है।हाल ही में, त्रिप्ति ने स्लीवलेस मिनी ड्रेस में भी सबका ध्यान खींचा, जिसे सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट लक्ष्मी लेहर द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में दिखाया गया था।

इस शानदार ड्रेस में डीप प्लंजिंग नेकलाइन, प्लीटेड डिटेलिंग और बैकलेस डिज़ाइन था, जो उनके आकर्षक लुक को और भी निखार रहा था।

उन्होंने इस आउटफिट को व्हाइट टेक्सचर्ड हाई हील्स और स्टेटमेंट रिंग के साथ पूरा किया।अपने बेहतरीन फैशन सेंस के साथ, त्रिप्ति डिमरी लगातार ट्रेंड सेट करती रहती हैं और प्रशंसकों को प्रेरित करती रहती हैं। उनकी बोल्ड रेड लेटेक्स ड्रेस और शानदार मिनी ड्रेस लुक्स ने उन्हें स्टाइल आइकन के रूप में स्थापित किया है।

केजीएफ के मेकर्स की नई फिल्म महावतार नरसिम्हा का ऐलान

फिल्म केजीएफ और कांतारा के मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने अपने फैंस के लिए अपनी नई फिल्म से एक टीजिंग पोस्टर शेयर कर फैंस को बेताब कर दिया था. होम्बले फिल्म्स की यह अगली फिल्म कौनसी है और इसका लीड एक्टर कौन हैं, यह सोच-सोच कर लोग परेशान हो गए थे. वहीं, होम्बले फिल्म्स ने अपने वादे के मुताबिक अपने प्रोजेक्ट से पर्दा हटा दिया है. इस फिल्म का नाम महावतार नरसिंहम है, जिसका फर्स्ट लुक शेयर कर दिया गया है.होम्बले फिल्म्स ने फिल्म महावतार नरसिंहम का फर्स्ट लुक शेयर कर लिखा है, अंधेरे और अराजकता से बिखरी हुई दुनिया में... पौराणिक कथा, आधे मनुष्य, आधे शेर अवतार-भगवान विष्णु के सबसे शक्तिशाली अवतार की उपस्थिति का गवाह बनें, अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई की कहानी का अनुभव करें, फिल्म जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रही है. फिल्म हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू और मलयालम में रिलीज होगी. मेकर्स ने दावा किया है कि वह जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट का एलान करेंगे, लेकिन फिल्म में लीड एक्टर कौन है, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है।

खत्म नहीं हो रहा भूल भुलैया 3 का क्रेज, 15वें दिन 220 करोड़ का आंकड़ा कर लिया पार

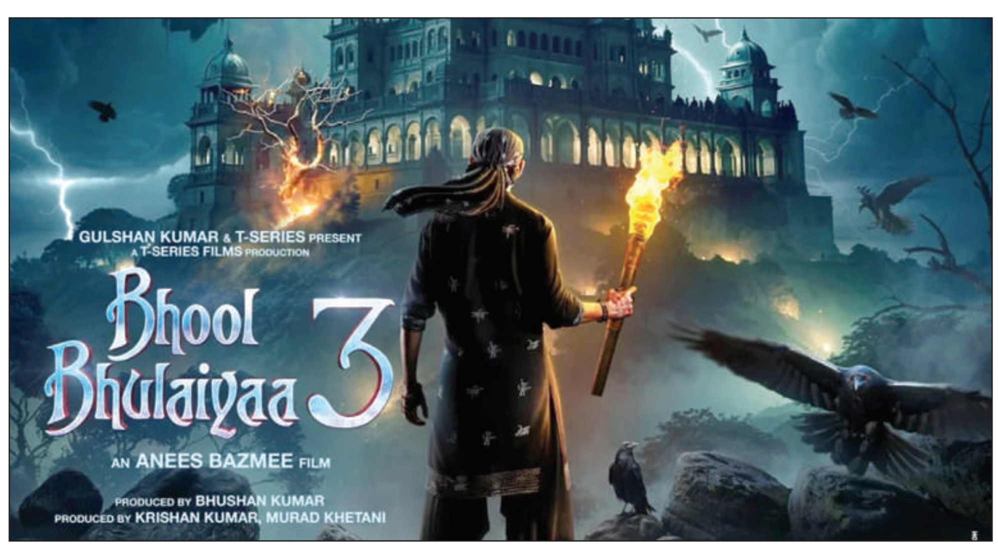

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का बॉक्स ऑफिस पर डंका बज रहा है। दिवाली रिलीज ये फिल्म वाकई बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से धमाका कर रही है और दो हफ्ते पूरा होने के बाद भी भूल भुलैया 3 का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है और इसी के साथ ये फिल्म करोड़ो में कमाई कर रही है। चलिए यहां जानते हैं फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन कितना कलेक्शन किया है?1 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का टकराव हुआ था। शुरुआत में तो सिंघम अगेन ने भूल भुलैया 3 पर बढ़त बनाए रखी थी लेकिन फिर कार्तिक की हॉरर कॉमेडी ने अजय की एक्शन थ्रिलर को ऐसी पटखनी दी कि अब सिंघम अगेन का पत्ता ही साफ होता नजर आ रहा है।

फिलहाल रूह बाबा और मंजुलिका ने बॉक्स ऑफिस को अपने कब्जे में किया हुआ है और इसी के साथ ये फिल्म बॉबी देओल और सर्या की नई रिलीज कंगुवा के आगे भी खूब कमाई कर रही है।इसी के साथ भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में दो हफ्ते भी पूरे कर चुकी है इस दौरान इस हॉरर कॉमेडी फिल्म ने अपने बजट से काफी ज्यादा कमाई कर ली है। वहीं अब ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है। भूल भुलैया 3 की कमाई की बात करें तो इसने पहले हफ्ते में 158।25 करोड़ रुपये कमाए थे और दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 58 करोड़ रुपये रहा। अब भूल भुलैया 3 की रिलीज के 15वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने रिलीज के 15वें दिन 4 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ भूल भुलैया 3 की 15 दिनों की कुल कमाई अब 220।25 करोड़ रुपये हो गई है।भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अपनी दमदार अदाकारी के साथ दर्शकों का दिल जीत लिया है।

इसी के साथ भूल भुलैया 3 की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस भी काफी शानदार रही है। 150 करोड़ की लागत में बनी ये हॉरर कॉमेजी 220 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म के क्रेज को देखते हुए मेकर्स को उम्मीद है कि ये फिल्म तीसरे वीकेंड पर 250 करोड़ का आंकड़ा पार कर देख लेगी। अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म तीसरे वीकेंड पर कितना कलेक्शन कर पाती है।

हुमा कुरैशी ने अनाउंस की महारानी 4 सीरीज को दिया सक्सेस का क्रेडिट

हुमा कुरैशी की पॉलिटिकल ड्रामा वेब सीरीज महारानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। सोनी लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज के अब तक तीन सीजन आ चुके हैं। वहीं अब फैंस महारानी के चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे और इसी बीच हुमा कुरैशी ने सीरीज का चौथा सीक्वल अनाउंस कर दिया है।हुमा कुरैशी ने साल 2012 में आई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने डेढ़ इश्किया, तरला, एक थी डायन और डबल एक्सेल जैसी फिल्मों में काम किया। लेकिन उन्हें जो पहचान महारानी जैसी वेब सीरीज से मिली, वो फिल्मों से हासिल ना हो सकी।

इस बारे में खुद एक्ट्रेस ने खुलकर बात की है।हुमा कुरैशी ने कहा- एक इंडस्ट्री के तौर पर अब समय आ गया है कि हम अपने अंदर देखें और सोचें कि हम अपनी कहानियों को अलग तरीके से कैसे बता सकते हैं। दर्शक हमसे क्या उम्मीद कर रहे हैं या वे किसके लिए तैयार हैं। मैं स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स, बड़ी फिल्मों और इंडी फिल्में मिलाकर रही हूं। मुझे यही करना पसंद है, हर जगह अपना दांव लगाना।हुमा कुरैशी ने अपनी पॉपुलर सीरीज महारानी को अपनी सक्सेस का क्रेडिट दिया। वे कहती हैं- मैं महारानी से पहले और बाद में अपने करियर को साफ तौर पर डिफाइन कर सकती हूं। ये वो शो था जहां लोग खड़े हुए और मेरी काबिलियत पर ध्यान दिया। इसकी सफलता ने लोगों को उन रोल्स में मेरी कल्पना करने पर मजबूर कर दिया जो वे पहले नहीं कर पाते थे। और अब, महारानी का सीजन 4 आने वाला है।इस दौरान हुमा कुरैशी ने ओटीटी पर अपनी कामयाबी और ओटीटी सिनेमाघरों से ज्यादा क्यों कर रहा है, इसपर भी बात की। उन्होंने कहा- ओटीटी एक बटन के टैप पर एंटरटेनमेंट देता है और ये बहुत बड़ी ताकत है। लेकिन मुझे लगता है कि ये एक अलग तरह के कंटेंट के लिए है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें बड़े पर्दे पर उसी तरह एक्सपीरियंस किया जाना चाहिए जिस तरह से उन्हें फिल्माया गया हो। ये सेब और संतरे की तरह है, उनका मुकाबला नहीं करना चाहिए। दोनों माध्यम अलग-अलग एक्सपीरियंस के लिए हैं।

एनबीके 109 के शीर्षक से उठा पर्दा

नंदामुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज का धमाकेदार टाइटल टीजर रिलीज

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एनबीके 109 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर आए दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टाइटल टीजर जारी कर दिया है। इसके साथ ही वीडियो में अभिनेता की दमदार झलक भी देखने को मिली। नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 के निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया। फिल्म के पहले लुक वीडियो में नंदमुरी बालकृष्ण को एक डाकू के अवतार में दिखाया गया है और इसलिए इसका शीर्षक डाकू महाराज रखा गया है। अगले साल संक्रांति पर बड़ी रिलीज के रूप में आने वाली यह फिल्म एक ऐसे राजा की कहानी है, जिसने बिना किसी राज्य के लड़ाई लड़ी।यह एक ऐसे व्यक्ति की भी कहानी है, जिसे मृत्यु को भी हिला देने वाले सम्राट के रूप में सम्मानित किया गया। फिल्म का निर्माण करने वाली आधिकारिक प्रोडक्शन कंपनी सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने ट्विटर पर फर्स्ट लुक वीडियो साझा किया और नंदामुरी बालकृष्ण को डाकू महाराज के रूप में पेश किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में रवि किशन और बॉबी देओल बतौर खलनायक नजर आएंगे, जिसकी झलक टीजर में भी देखने को मिली।टीजर में निर्देशक की खुद की आवाज भी शामिल है, जिसमें मुख्य खलनायकों को एक-एक करके पेश किया गया है। रवि किशन और बॉबी देओल स्टाइलिश अंदाज में दिखाई देते हैं, इसके बाद यह खुलासा होता है कि फिल्म की कहानी इन गुंडों के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें नियंत्रित करने वाले के बारे में है। इसके बाद बालकृष्ण घोड़े पर सवार होकर बहादुरी के साथ प्रवेश करते हैं और खुद को डाकू महाराज के रूप में पेश करते हैं।रवि किशन का भी खलनायक अवतार दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। हालांकि, टीजर से पहले निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बॉबी या रवि के लुक का खुलासा ही किया था। डाकू महाराज में जिन अन्य सितारों को कास्ट किया गया है, उनमें उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है, जबकि इसे बॉबी कोल्ली ने लिखा और निर्देशित किया है। डाकू महाराज 12 जनवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 18 नवंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 06:57 तक
नक्षत्र : मृगशिरा सायं 03:49 तक
योग : सिद्ध सायं 05:20 तक
करण : वणिज प्रातः 07:58 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 07:57 , भद्रा प्रातः 07:57 से रात्रि 06:57 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना नहीं : शेखावत

जोधपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि अब अनुच्छेद 370 को वापस लागू करने की कोई संभावना नहीं हैं।

श्री शेखावत रविवार को जोधपुर पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मीडिया से यह बात कही। उन्होंने दो टूक कहा कि अनुच्छेद 370 इस देश में अलगाव का बीज था, जड़ थी, देश के मस्तक पर एक काले टीके के समान था, जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सक्षम नेतृत्व ने जमींदोज करते हुए दफन कर दिया। उन्होंने कहा कि जैसा गृह मंत्री ने चुनाव की रैली को संबोधित करते हुए कहा, स्वयं इंदिरा गांधी स्वर्ग से लौटकर वापस यदि आ जाएं तो भी 370 वापस देश में लागू नहीं होगा।

वक्फ कानून को लेकर विपक्ष की आपत्तियों के सवाल पर श्री शेखावत ने कहा कि इस पर अधीरता की आवश्यकता नहीं है। यह अभी ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास में है। वह इसका अध्ययन कर रही है। सभी स्टेकहोल्डर से बातचीत कर रही है। एक बार कमेटी की रिपोर्ट आ जाने दीजिए लेकिन यह समझ में नहीं आता कि देश में जब कोई प्रोग्रेसिव कानून बनाने की चर्चा हो रही है, तब कुछ लोगों के पेट में क्यों दर्द हो रहा है। इसकी जानकारी हम सबको करनी चाहिए। जोधपुर एलिवेटेड रोड को लेकर उन्होंने कहा जोधपुर एलिवेटेड रोड के लिए पिछले

कई वर्षों से हम सब मिलकर प्रयास कर रहे थे। प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने जो वादा जोधपुर के लोगों से किया था, मेरे अनुरोध को स्वीकार करते हुए अब वो प्रयासों और अवरोधों को पारकर टेंडर के स्टेज पर आ गया है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दो महीने में हम टेंडर की प्रक्रिया को पूरी कर इसका काम शुरू कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि एलिवेटेड रोड की 968 करोड़ रुपए की लागत आयेगी। यह पहला चरण होगा और दूसरे चरण में आने वाले समय में इसे चौपासनी तक ले जाने का काम किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि अब हवाई अड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग दिखाई देने लगी है। आने वाले तीन–चार महीने में यह बिल्डिंग पूरी हो जाएगी। इसे पूरा होने पर जोधपुर में आवागमन को लेकर बहुत बड़ा लाभ होगा। साथ ही रेलवे स्टेशन पुनर्विकास का काम शुरू हो चुका है। 500 करोड़ रुपए की लागत से जोधपुर रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण एयरपोर्ट की तर्ज पर हो रहा है। श्री शेखावत ने कहा राजस्थान में डबल इंजन की सरकार है। हम जोधपुर लोकसभा क्षेत्र को राजस्थान के सभी क्षेत्रों में जिस तरह से विकास हो रहा है, उसमें अग्रणी रखते हुए हम जोधपुर में काम करें, इस दृष्टिकोण से हम सब पार्टी परिवार के लोग जुटे हैं।

शहर में हुए अनिता हत्याकांड को लेकर पूछे सवाल पर उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया है। जांच को लेकर लगता है कि अधीरता प्रदर्शित नहीं करनी चाहिए। जांच की जल्दबाजी के कारण से कोई अपराधी न बचे और कोई निरपराध जेल भी न जाए, दोनों का ध्यान रखते हुए, जिसने अपराध किया, उन सबके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, इस जघन्य हत्याकांड के दोषियों को उनके किए की सजा मिले।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की बदली तकदीर : भजनलाल शर्मा

जलगांव/जयपुर,17 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराष्ट्र प्रवास के दौरान जलगांव में आयोजित प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की कि वे महाराष्ट्र के विकास को गति देने के लिए भाजपा–महायुति प्रत्याशी सुरेश दामू भोले को भारी मतों से विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद से देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। गरीब कल्याण योजनाओं और विकास कार्यों के माध्यम से देश की तकदीर बदली गई है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार में केवल घोटाले और भ्रष्टाचार की कहानियां लिखी जाती थीं। कांग्रेस ने हमेशा भ्रम, लूट और तुष्टीकरण की राजनीति की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान में उनकी डबल इंजन सरकार ने मात्र 11 महीनों में ही संकल्प पत्र के 50% वादे पूरे कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार भी विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राजस्थानियों ने अपनी मेहनत और लगन से देश–दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन किया है।

जलगांव में मुख्यमंत्री के सम्मान में आयोजित इस भव्य सम्मेलन में प्रवासी राजस्थानियों ने भारी उत्साह दिखाया। इस दौरान सकल राजस्थानी समाज ने हर वर्ष 17 नवंबर को राजस्थानी सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 9 से 11 दिसंबर को आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट में भाग लेने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि यह समिट निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देगा और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

48 लाख 75 हज़ार रुपए के मादक पदार्थ से भरी पिकअप पकड़ी

325 किलो अफीम डोडा चूरा जब्त

जयपुर,17 नवंबर (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की सूचना पर प्रतापगढ़ जिले की छोटी सादड़ी थाना पुलिस की टीम ने मध्य प्रदेश नंबर की एक पिकअप से 19 कट्टों में भरा 325 किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 48.75 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस को पिकअप से एक मोबाइल मिला है, जिसके आधार पर मौके से फरार तस्करों की तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एम एन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन में पुलिस मुख्यालय से राज्य के अलग–अलग शहरों में टीमें भेजी गई है, जो गुप्त रूप से वांछित अपराधियों मादक पदार्थ, शराब एवं हथियार तस्करों इत्यादि के बारे में जानकारी जुटा उन पर निगरानी रख रही है।

आसूचना संकलन के दौरान प्रतापगढ़ गई एजीटीएफ टीम को शनिवार को सूचना मिली कि मध्य प्रदेश नंबर की एक पिकअप में तस्कर अवैध डोडा चूरा लेकर छोटी सादड़ी से होते हुए निम्बाहेड़ा की तरफ जाएंगे। इसकी सूचना टीम ने आगे छोटी सादड़ी थाना पुलिस को दी। रात करीब 1:00 बजे छोटी सादड़ी थाना पुलिस की टीम को कारूण्डा चौराहे से थोड़ा आगे हाईवे रोड की तरफ एक पिकअप आई हुई दिखाई दी, जिसमें दो व्यक्ति सवार थे।

पुलिस की गाड़ी को देख पिकअप में सवार तस्कर गाड़ी को मौके पर छोड़ कारूण्डा की और पैदल–पैदल भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा भागने वाले दोनों व्यक्तियों का पीछा किया, लेकिन तस्कर अंधेरे में पहाड़ी व खड्डे में होते हुए नजरों से ओझल हो गए। पिकअप की तलाशी में पुलिस को तस्करों का एक मोबाइल एवं 19 कट्टों में भरा 325 किलो अवैध डोडा चूरा मिला।

प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना : जोगाराम पटेल

जोधपुर,17 नवंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले के धवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 80 लाख रुपए की लागत से बीपीएचयू, बीपीएचएल और एचएमआईएस यूनिट के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

पटेल ने कहा प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य केंद्र, सैटलाइट एवं जिला अस्पताल बनाए गए है। साथ ही मार्च 2025 तक चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल स्टॉफ के पदों पर लगभग 52000 कार्मिकों के नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा बजट में लूणी को स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक सौगातें मिली हैं। जिसमें सांगरिया में सैटलाइट अस्पताल,धवा एवं कुड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेलबा, मणाई और चोखा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से क्षेत्र का स्वास्थ्य ढांचा सुदृढ़ होगा। पटेल ने कहा बीपीएच यूनिट की स्थापना से धवा क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और समर्पित स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होगी। यह यूनिट हब एवं स्पॉक मॉडल पर कार्य करेगी। इसमें आस–पास के अस्पतालों से भी सैम्पल लिए जाएंगे।

पटेल ने कहा युवाओं के रोजगार के लिए प्रदेश सरकार ने रोडमैप तैयार कर इस वर्ष एक लाख एवं आगामी 5 वर्षों में चार लाख सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही भर्ती परीक्षाओं की नियत समय पर पूर्ण करने के लिए कैलेंडर भी जारी किए गए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवा हितों को ध्यान में रखते हुए पेपर लीक गिरोह पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से संपादित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव : बंडारू

चंडीगढ़,17 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं है अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव है। आप यहां से डिग्री लेने के बाद नौकरी लेने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बने, दुनिया में आपकी पहचान बने ऐसा विश्वास बनाना है।

महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के खेल परिसर में आयोजित 19वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में एनआईटी, कुरुक्षेत्र के पास अकादमिक उत्कृष्टता, अत्याधुनिक शोध और समग्र विकास की एक शानदार विरासत है। पिछले कुछ वर्षों में, इस संस्थान ने देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली दिमागों को पोषित किया है, जिन्होंने भारत की तकनीकी, औद्योगिक और सामाजिक उन्नति में योगदान दिया है। हमारे स्नातकों के लिए, यह जीवन के एक अध्याय का अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत है। दीक्षांत समारोह केवल समारोह नहीं हैं अपितु विद्यार्थियों की उपलब्धियों और क्षमताओं का उत्सव हैं।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि आप सभी विकसित भारत का संकल्प ले तथा देश को आगे बढ़ाने में पूरा योगदान दे। उन्होंने संस्थान द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को अपनाकर पाठ्यक्रम को नया रूप दिया है। तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए संस्थान ने मैथेमैटिक्स एंड कम्पयूटिंग, आर्टिफिशियल इंटलिजेंसी, मशीन लर्निंग, इंडिस्ट्रल इंटरनेट आफ थिंगस, एनर्जी टक्नलोजी, माइक्रो इक्रोमिक्स एंड वीएलए–सआई इंजनियरिंग, रोबटिक्स एंड ऑटोमेशन एंड आर्टिफिशियल इंटलिजेंशी एंड डाटा साइंस जैसे कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जो कि बेहद सराहनीय कदम है। इसके अलावा, संस्थान ने आर्किटेक्चर का एक नया विभाग स्थापित किया है और वर्तमान सत्र से आर्किटेक्चर में बीटेक भी शुरू किया गया है।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि जीवन में नैतिक मूल्यों का होना बहुत जरूरी है, जिसमें हिम्मत और विश्वास होता है उसे कोई भी व्यक्ति आगे बढ़ने से रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि आप किसी देश का एंबेसडर बने, ऊंचा पद ग्रहण करे ऐसी मेरी कामना है। कृतज्ञता विनम्रता की नींव है और विनम्रता सच्चे नेतृत्व की पहचान है। जब आप इस नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, तो उस यात्रा पर चिंतन करे जो आपको यहां तक लाई है। अपने माता–पिता के बलिदान, अपने शिक्षकों की सलाह और अपने साथियों के योगदान को याद रखें। उन्होंने कहा कि आप अनंत संभावनाओं की दहलीज पर खड़े है, दुनिया आपके योगदान, आपके विचारों और आपके नेतृत्व का इंतजार कर रही है। हमें अपने पूरे जीवन में कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए क्योंकि ज्ञान एक अंतहीन खोज है। असफलताओं का सामना करने के लिए दृढ़ रहें और अपनी महत्वाकांक्षाओं में साहसी बने। उन्होंने कहा कि एनआईटी कुरुक्षेत्र के स्नातक, इस बदलती दुनिया में नेतृत्व करने के लिए अद्वितीय रूप से सुसज्जित हैं। अपने ज्ञान, कौशल और यहां आपको दिए गए मूल्यों के साथ, आपके पास नवाचार को आगे बढ़ाने और राष्ट्र का नवनिर्माण करने की क्षमता है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष डा. जी सतीश रेड्डी ने दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि पूरी मेहनत और लगन के साथ आप आगे बढ़े। इससे पहले संस्थान के निदेशक डा. बीवी रमना रेड्डी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में कुल 4388 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई है, इसमें बैचलर आफ टेक्रोलॉजी की 2890, पोस्ट ग्रेजुएट की 1365 डिग्री, डॉक्टर आफ फिलोशिपी की 133 डिग्री तथा आईआईआईटी सोनीपत की 81 डिग्री शामिल है। उन्होंने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2021–22, 2022–23 और 2023–24 सत्र की डिग्रियां प्रदान की गई है। उन्होंने संस्थान में शुरू किए गए कोर्सों की विस्तार से जानकारी भी दी। इस मौके पर दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रोफेसर आरके शर्मा ने समारोह से सम्बन्धित जानकारी दी तथा विभिन्न समितियों के समन्वयक प्रोफेसर आरपी चौहान ने संस्थान से सम्बन्धित जानकारी साझा की।

सरकार पशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,17 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार पशुपालन से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसके अलावा पैट–हॉस्पिटल में सेवाओं का विस्तार किया जाएगा ताकि पालतु डॉग के लिए भी लोगों को बेहतर सेवाएं सुलभ हो सकें।

पशुपालन मंत्री आज पंचकूला में डॉग–शो के उदघाटन अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। राणा ने कहा कि सरकार स्ट्रे–डॉग के लिए भी व्यापक स्तर पर योजना बनाएगी ताकि इनका भी उचित प्रबंध किया जा सके। उन्होंने कहा कि पशुओं के कल्याण एवं स्वास्थ्य उत्थान के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। विभाग की मांग अनुसार राशि मुहैया करवाई जाएगी।

मंत्री ने डॉग–शो से पहले पेट हॉस्पिटल में पेट्स–ऑपथलमोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया। अब हॉस्पिटल में पेट्स में आँखों की विभिन्न समस्याओं के लिए ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने डॉग के लिए चलाए जा रहे एक्स–रे सेंटर एवं डॉग होस्टल का भी अवलोकन किया। सैक्टर 3 पंचकूला के पैट एनिमल मेडिकल सेंटर में आयोजित डॉग–शो में विभाग के महानिदेशक डॉ. लाल चंद रंगा और डॉ. आरएनचौधरी लुवास हिसार सर्जरी, विभागाध्यक्ष विशेष अथिति के तौर पर रहे । विभाग के उपनिदेशक और डॉग सेंटर के इंचार्ज डॉ रणजीत सिंह जादोन ने बताया कि इस वर्ष यह 6 वा डॉग–शो आयोजित किया गया।

प्रदेश में 5 सालों में कर दिया जाएगा सरकारी स्कूलों का कायाकल्प : महिपाल ढांडा

चंडीगढ़,17 नवंबर (एजेंसियां)। राजनीति के मायने बदलने के लिए कड़ी तपस्या करनी पड़ती है। मैं वही कर रहा हूं। मैं न तो गलत कार्य करूंगा न ही गलत कार्य करने वालों की सपोर्ट करुंगा। मेरी नजर में जन सेवा ही राष्ट्र सेवा है, इसमें किसी तरह की कोताही नहीं बरतूंगा। प्रदेश में आगामी 5 साल में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करवा दिया जाएगा।

ये उदगार शिक्षा, पुरातत्व एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने आज पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के 10 गांव के धन्यवादी दौरे के दौरान व्यक्त किये। उन्होंने हलके की जनता का आह्वान किया कि वो अपने बच्चों को पढ़ाएं व इस योग्य बनाएं कि देश सेवा में उनका भी योगदान रहे।

मंत्री ने कहा कि हरियाणा विकास की 100% गारंटी के साथ आगे बढ़ रहा हूं। मुझे इसमें जन सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी। मंत्री ने कहा कि गांव का विकास शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करना व इसकी दिशा व दशा बदलना उनकी प्राथमिकता का बड़ा हिस्सा है। मेरा पूरा जीवन ग्रामीणों के लिए समर्पित है, इसी पगडंडी पर चलकर लोगों की सेवा कर रहा हूं। सिस्टम को दुरुस्त करने मे समय लगेगा लेकिन इसमें अंत समय में परिणाम बहुत अच्छे आएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से आहवान किया कि वे सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला कराएं अच्छे परिणाम की गारंटी सरकार की है।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीणों के सपनों की सरकार है। जिसमें हर वर्ग के उत्थान को लेकर विकास पर बल दिया जा रहा है। प्रदेश में केंद्र व राज्य सरकार की नीतियां से विकास को बल मिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ऐसी नीति है जिससे डिग्री व डिप्लोमा लेकर संस्थान से बाहर निकलने वाले युवाओं को रोजगार के नियमित अवसर मिलेंगे।मंत्री ने कहा कि अगले वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति हरियाणा में लागू की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं.8688868345. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.